TNF TODAY

टीएनएफ टुडे

थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे

tnftoday | tnftoday

www.tnftoday.com / epaper | Trial Edition | 'वन नेशन, वन इलेक्शन' विषय पर युवाओं ने रखे विचार... (पेज-3) | पृष्ठ- 8 | वर्ष-01 अंक-डमी | मूल्य ₹7 | मंगलवार | दिनांक- 03.11.2026

कपिल सिब्बल ने भाजपा पर कसा तंज

'लोकतंत्र नहीं, हमें बचाओ कहिए'

नई दिल्ली। कांग्रेस और विपक्षी दलों के इंडिया ब्लॉक की दिल्ली के रामलीला मैदान में हुई 'वोट बचाओ, देश बचाओ' रैली को लेकर सियासत तेज हो गई है। राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने दावा किया है कि इस रैली में करीब पांच से छह लाख लोग शामिल हुए थे। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में लोगों का शांतिपूर्ण तरीके से जुटना दिखाता है कि देश के नागरिक सरकार के खिलाफ अपनी आवाज उठाना चाहते हैं। सिब्बल ने भारतीय जनता पार्टी पर तंज कसते हुए कहा कि अब उसे अपनी रैलियों का नाम 'लोकतंत्र बचाओ' या 'देश बचाओ' रखने के बजाय 'हमें बचाओ' रखना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा विपक्ष की रैली में जुटी भीड़ से चिंतित है।

कपिल सिब्बल ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि रामलीला मैदान में हुई रैली में उनके अनुमान के मुताबिक पांच से छह लाख लोग मौजूद थे। उन्होंने दावा किया कि कनॉट प्लेस और उससे जुड़ने वाली आसपास की सड़कों पर पूरी तरह जाम लगा हुआ था और कहीं भी खाली जगह दिखाई



नहीं दे रही थी। सिब्बल के मुताबिक, इतनी बड़ी संख्या में लोगों का जुटना भाजपा के लिए चिंता का विषय बन गया है। उन्होंने कहा कि विपक्ष की रैली में लोग शांतिपूर्वक शामिल हुए और हिंसा की कोई घटना नहीं हुई। भाजपा की रैलियों को 'हमें बचाओ' नाम देने की बात क्यों कही? सिब्बल ने भाजपा की प्रस्तावित रैलियों को लेकर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि उन्हें जानकारी मिली है कि भाजपा भी अपनी 'लोकतंत्र बचाओ' रैलियां आयोजित कर रही है। उन्होंने दावा किया कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष रोहतक पहुंचे तो वहां केवल 100 से 200 लोग मौजूद थे। इसी पर तंज कसते हुए सिब्बल ने कहा कि भाजपा को अपनी रैली का नाम 'लोकतंत्र बचाओ' या 'देश बचाओ' रखने के बजाय 'हमें बचाओ' रखना चाहिए।

सीएम फडणवीस का कांग्रेस पर तीखा हमला

'आखरी सांस तक सत्ता परिवर्तन नहीं होने देंगे'

❍ एजेंसी, **मुंबई।**

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को कांग्रेस और राहुल गांधी पर हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष का 'सत्ता परिवर्तन' अभियान लोकतांत्रिक व्यवस्था, संविधान और संस्थाओं को कमजोर करने की गहरी साजिश है। उन्होंने दावा किया कि बांग्लादेश, नेपाल और श्रीलंका में हुए राजनीतिक घटनाक्रम और संवैधानिक बदलाव एक बड़ी अंतरराष्ट्रीय साजिश का हिस्सा हैं और भारत में भी इसी तरह के प्रयास किए जा रहे हैं।

मुंबई में भाजपा की ओर से आयोजित 'लोकतंत्र और संविधान बचाओ' रैली को संबोधित करते हुए फडणवीस ने कहा कि विपक्ष पहले



लोकतांत्रिक संस्थाओं पर जनता का भरोसा कमजोर करने की कोशिश कर रहा है, ताकि उन्हें बदलने का रास्ता तैयार किया जा सके। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में चुनाव के जरिए एक सरकार की जगह दूसरी सरकार लाना सामान्य प्रक्रिया है, लेकिन 'सत्ता परिवर्तन' का मतलब देश की राजनीतिक व्यवस्था, संविधान और संस्थाओं को बदलना है। फडणवीस ने कहा कि लोकतंत्र में सरकार बदलने का अधिकार हर किसी को है, लेकिन देश की व्यवस्था और संस्थाओं को बदलने की कोशिश स्वीकार नहीं की जाएगी।

विपक्ष के 'संविधान बचाओ' रैली पर क्या बोले?

फडणवीस ने आरोप लगाया कि कांग्रेस और उसके सहयोगी दल 'संविधान बचाओ' के नारे की आड़ में सत्ता परिवर्तन का एजेंडा चला रहे हैं। उन्होंने कहा, 'हम अपने खून की आखिरी बूंद तक सत्ता परिवर्तन नहीं होने देंगे। संविधान को छूने या लोकतंत्र को खतरे में डालने की किसी को इजाजत नहीं देंगे।' उन्होंने शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे पर भी निशाना साधा। फडणवीस ने कहा कि उद्धव ठाकरे भी सत्ता परिवर्तन का समर्थन कर रहे हैं, जबकि उन्हें इस शब्द का अर्थ तक पता नहीं है।

आपातकाल पर क्या कहा?

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर सत्ता में रहते हुए लोकतांत्रिक संस्थाओं और संविधान को कमजोर करने का आरोप लगाया। उन्होंने 1975 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की ओर से लगाए गए आपातकाल का जिक्र किया। फडणवीस ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस फैसले का उल्लेख किया, जिसमें इंदिरा गांधी का चुनाव अमान्य घोषित किया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि इसके बाद कांग्रेस ने संविधान में संशोधन कर इंदिरा गांधी के चुनाव को न्यायिक समीक्षा से बचाने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि आपातकाल के दौरान किए गए संवैधानिक संशोधनों से मौलिक अधिकार सीमित किए गए और नागरिकों के अदालत जाने के अधिकार पर भी रोक लगाई गई। फडणवीस के मुताबिक, बाद में मोरारजी देसाई के नेतृत्व वाली जनता पार्टी सरकार ने इन बदलावों को पलटकर संवैधानिक सुरक्षा बहाल की थी।

अराजकता से सत्ता हासिल करना चाहती है कांग्रेसः अमित शाह

❍ एजेंसी, **हैदराबाद।**

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वह लगातार चुनावी हार का सामना करने के बाद 'अराजकता' के जरिये सत्ता हासिल करने और 'लोकतंत्र को कमजोर करने' की कोशिश कर रही है। उन्होंने यहां अपनी 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा से पहले 'एक्स' पर एक पोस्ट में यह बात कही। उन्होंने कहा, 'नागरिकों ने इन हमलों से अपने लोकतंत्र की रक्षा करने के लिए कमर कस ली है'।

कहां से कहां तक निकलेगी पदयात्रा?

अमित शाह सोमवार शाम इस पदयात्रा का नेतृत्व कर रहे हैं। यह पदयात्रा बशीरबाग स्थित बाबू जगजीवन राम की प्रतिमा से शुरू हुई। यहां मोअज्जम जही मार्केट तक जाएगी। शाह सोमवार दोपहर को यहां बेगमपेट हवाई अड्डे पहुंचे। वह पदयात्रा में शामिल होने के लिए यहां आए हैं। केंद्रीय कोयला मंत्री जी किशन रेड्डी और तेलंगाना भाजपा के अन्य नेताओं ने हवाई अड्डे पर शाह का गर्मजोशी से स्वागत किया।



पदयात्रा में अमित शाह ने क्या कहा?

पदयात्रा में जनता को संबोधित करते हुए गृह मंत्री ने कहा, आज मैं हैदराबाद की इस पवित्र भूमि पर लोकतंत्र बचाओ अराजकता हटाओ रैली में आप सभी का स्वागत करता हूं। मैं सबसे पहले मां भाग्य लक्ष्मी के चरणों में प्रणाम करता हूं और सरदार पटेल साहब को भी मनपूर्वक नमन कर अपनी बात की शुरूआत करता हूं। उन्होंने कहा, अगर सरदार उस वक्त निजाम को न झुकाते तो हैदराबाद आज भारत का हिस्सा न होता। वो सरदार साहब ही थे, जिन्होंने हैदराबाद के निजाम को झुकाकर हैदराबाद को भारत का हिस्सा बनाया। तेलंगाना को भारत का हिस्सा बनाया। मैं महान स्वतंत्रता सेनानी कोमराम भीम और रामजी गौड को भी मनपूर्वक प्रणाम करता हूं।

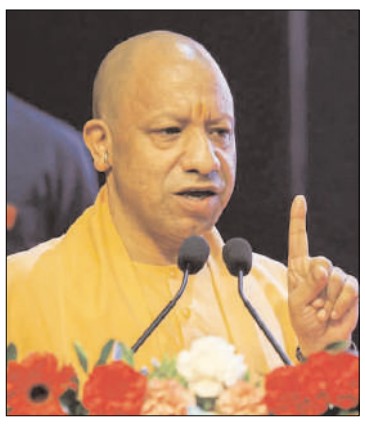
अग्निवीरों को नौकरी में देंगे 20 प्रतिशत आरक्षणः सीएम योगी

❍ एजेंसी, **गोंडा।**

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि चार साल की सैन्य सेवा पूरी कर लौटने वाले अग्निवीरों को प्रदेश में पुलिस, पीएसी समेत विभिन्न विभागों की भर्तियों में 20 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा। उन्हें भर्ती के लिए परीक्षा नहीं देनी होगी, बल्कि सीधे नियुक्ति दी जाएगी। इससे अग्निवीरों को सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर मिलेगा।

सोमवार को छपिया के तेजपुर में आयोजित जनसभा में मुख्यमंत्री ने युवाओं को रोजगार देने के मुद्दे पर भी सरकार की योजनाएं गिनाईं। उन्होंने कहा कि उन्होंने अखिलेश यादव से कहा था कि गिनती आती है तो गिन लें, अगले छह माह में एक लाख युवाओं को नौकरी दी जाएगी। अब तक 12 से 15 हजार लोगों को नियुक्ति पत्र दिए जा चुके हैं। करीब 4,500 उपनिरीक्षकों, 45 हजार पुलिस कांस्टेबलों और 42 हजार होमगार्डों को नियुक्ति पत्र देने की तैयारी है। शिक्षकों के साथ अन्य विभागों में भी भर्तियां की जाएंगी।

पदक लाओ, हमसे पद पाओः मुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि सरकार की नीति है- पदक लाओ, हमसे पद पाओ। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के माध्यम से खिलाड़ियों को भी नियुक्तियां दी जा रही हैं। उन्होंने बताया कि खिलाड़ियों को डिप्टी एसपी और खेल अधिकारी जैसे पदों पर नियुक्त किया गया है। मुख्यमंत्री ने युवाओं



से कहा कि सरकार ने रोजगार और आगे बढ़ने के लिए कई रास्ते खोले हैं। उन्होंने गोंडा के लोगों को बधाई देते हुए जय हिंद और जय श्रीराम के उद्घोष के साथ संबोधन समाप्त किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गोंडा में विश्वविद्यालय की स्थापना की राह में सबसे बड़ी बाधा नकल के ठेके चलाने वाले लोग थे। उन्हें डर था कि विश्वविद्यालय बनने से उनका कारोबार बंद हो जाएगा। इसी वजह से वे यहां विश्वविद्यालय नहीं चाहते थे। सरकार ने विश्वविद्यालय देकर नकल के इस धंधे पर रोक लगाने और युवाओं का भविष्य संवारने का रास्ता खोला है। अब यहां नकल नहीं, बल्कि बच्चों के जीवन को बेहतर बनाने और उन्हें शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराने का काम होगा।

पहले सबसे गंदे शहरों में शामिल था गोंडा

योगी ने वर्ष 2016 के स्वच्छता सर्वेक्षण का हवाला देते हुए कहा कि उस समय गोंडा देश के सबसे गंदे शहरों में शामिल था। उन्होंने पिछली सरकार के कार्यकाल में गोंडा, बलरामपुर और बहराइच में अज्ञात बीमारी से बच्चों की मौतों का जिक्र करते हुए स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति पर सवाल उठाए। आरोप लगाया कि उस दौर में गरीबों के बच्चों की जान की परवाह नहीं की गई और जरूरतमंदों को सरकारी योजनाओं का लाभ भी नहीं मिल पाता था। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब गरीबों को राशन, रसोई गैस और आयुष्मान योजना का लाभ मिल रहा है। दीपावली से पहले गरीब परिवारों को एक मुफ्त रसोई गैस सिलेंडर देने की भी बात कही। उन्होंने खाद्यान्न घोटाले का उल्लेख करते हुए पिछली सरकारों पर गरीबों के हक पर डाका डालने का आरोप लगाया।

16 हजार करोड़ से अधिक की परियोजनाएं स्वीकृत

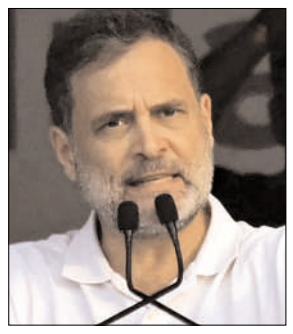
मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले साढ़े नौ वर्षों में गोंडा जिले के लिए 16 हजार करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं। देवीपाटन मंडल में करीब 50 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाओं पर काम हुआ है। वर्ष 2023 के निवेश सम्मेलन में गोंडा को करीब तीन हजार करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले थे, जिनमें से सैकड़ों करोड़ की परियोजनाएं धरातल पर उतर चुकी हैं। उन्होंने कहा कि पराली और बायोगैस के जरिये भी किसानों की आमदनी बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने बाबा पृथ्वीनाथ मंदिर, स्वामीनारायण मंदिर छपिया और वाराही देवी मंदिर की धार्मिक विरासत का उल्लेख किया। लोगों से दीपावली पर गरीब और वंचित परिवारों के साथ खुशियां साझा करने की अपील करते हुए उन्होंने जय हिंद और जय श्रीराम के उद्घोष के साथ संबोधन समाप्त किया। कार्यक्रम में केंद्रीय विदेश राज्यमंत्री कीर्तिवर्धन सिंह, जिलाध्यक्ष अकबाल बहादुर तिवारी, गौरा के भाजपा विधायक प्रभात वर्मा, मनकापुर के रमापति शास्त्री, तरबगंज के प्रेमनरायन पांडेय, करनैलगंज के अजय सिंह, मेहनौन के विनय कुमार द्विवेदी आदि मौजूद रहे।

सोमवार को छपिया के तेजपुर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्वविद्यालय बनने से गोंडा समेत देवीपाटन मंडल के युवाओं को उच्च शिक्षा के लिए दूसरे शहरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। उन्हें अपने क्षेत्र में ही बेहतर शैक्षिक अवसर मिलेंगे और वे विकास की मुख्यधारा से जुड़ सकेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गोंडा में महाराजा देवी बख्श सिंह के नाम पर मेडिकल कॉलेज बन चुका है। बहराइच में महाराजा सुहेलदेव मेडिकल कॉलेज संचालित है, जबकि बलरामपुर में अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर मेडिकल कॉलेज का निर्माण अंतिम चरण में है। उन्होंने गोंडा-बलरामपुर और गोंडा-अयोध्या मार्ग के चौड़ीकरण का भी उल्लेख किया। कहा कि केंद्र सरकार से इसकी स्वीकृति मिल चुकी है और केंद्रीय मंत्री व सांसद कीर्तिवर्धन सिंह इसके लिए प्रयास कर रहे हैं।

'मैं जानता हूं आप डरते हो'

राहुल ने पीएम मोदी को दी खुली बहस की चुनौती; बोले- विदेशी मदद से प्रधानमंत्री बने



❍ एजेंसी, **नई दिल्ली।**

कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने पीएम मोदी पर विदेशी मदद के सहारे सत्ता में बने रहने का आरोप लगाकर राजनीतिक विवाद तेज कर दिया। राहुल ने कहा कि पीएम मोदी विदेशी मदद से प्रधानमंत्री बने और अब भी इसी मदद के सहारे इस पद पर बने हुए हैं। उन्होंने देश की आर्थिक व्यवस्था और विदेशी सोशल मीडिया को लेकर भी सवाल उठाए। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री को खुली बहस की चुनौती देते हुए कहा कि वह किसी भी मंच पर और किसी भी समय उनसे चर्चा करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री इसलिए बहस के लिए नहीं आएंगे, क्योंकि वह जानते हैं कि राहुल उनके बारे में क्या जानते हैं।

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर प्रधानमंत्री मोदी को सीधे निशाने पर लिया। उन्होंने लिखा, 'मोदी जी, इस देश से झूठ बोलना बंद कीजिए। आप विदेशी मदद से प्रधानमंत्री बने और विदेशी मदद से ही प्रधानमंत्री बने हुए हैं।' राहुल ने आगे आरोप लगाया कि देश की आर्थिक व्यवस्था पूरी तरह विदेशियों के नियंत्रण और समर्थन में है। उन्होंने यह भी दावा किया कि विदेशी सोशल मीडिया पूरी तरह प्रधानमंत्री मोदी के साथ खड़ा है।

राहुल ने प्रधानमंत्री को बहस के लिए क्या चुनौती दी?

राहुल गांधी ने अपनी पोस्ट में प्रधानमंत्री मोदी को खुली बहस की चुनौती दी। उन्होंने लिखा, 'मैं आपको इस मुद्दे पर खुली बहस की चुनौती देता हूं। कोई भी मंच, किसी भी समय। हिम्मत है तो आइए।' राहुल ने बहस के लिए न तो किसी खास जगह का नाम लिया और न ही कोई तारीख या समय तय किया। उन्होंने प्रधानमंत्री को अपनी सुविधा के अनुसार किसी भी मंच पर आने की चुनौती दी। इसके बाद राहुल ने कहा, 'आप नहीं आएंगे, क्योंकि जो मैं आपके बारे में जानता हूं आप उससे डरते हैं।' इस तरह उन्होंने बहस की चुनौती के साथ प्रधानमंत्री पर यह आरोप भी लगाया कि वह उनके पास मौजूद जानकारी से डरते हैं। हालांकि, राहुल ने यह नहीं बताया कि वह प्रधानमंत्री के बारे में किस जानकारी की बात कर रहे हैं।

राहुल ने पोस्ट के साथ मोदी की तस्वीरें साझा कीं

राहुल गांधी ने अपनी पोस्ट के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक पुराने बयान से जुड़ी दो तस्वीरें भी साझा की हैं। पहली तस्वीर में प्रधानमंत्री के बयान का अंग्रेजी अंश दिखाया गया। इसमें कहा गया है कि कुछ ताकतें लगातार देश को बांटने की साजिश में लगी हैं। एक दशक से ज्यादा समय की निराशा और असंतोष के बाद ये ताकतें अब खुलकर सामने आ गई हैं। इस बयान में यह सवाल भी उठाया गया है कि विदेश में कौन किससे गुप्त रूप से मिल रहा है, भारत विरोधी ताकतों का समर्थन कौन कर रहा है और कौन भारत के दुश्मनों की भाषा बोल रहा है। आगे कहा गया है कि इन गतिविधियों के तरीकों को पहचानकर मिलकर उनका मुकाबला करना जरूरी है। उसी तस्वीर के अगले हिस्से में सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर चिंता जताई गई है। इसमें कहा गया है कि सोशल मीडिया को हथियार की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है और अफवाहें फैलाई जा रही हैं। साथ ही भारत की छवि खराब करने की कोशिशों का भी जिक्र है। बयान में देश के लोगों से इन चुनौतियों का मिलकर सामना करने की अपील की गई है।

दूसरी तस्वीर में अंग्रेजी अखबार की खबर की हेडिंग है। इसका अर्थ है कि देश को बांटने वाली ताकतें सक्रिय हैं और सोशल मीडिया का इस्तेमाल अफवाहें फैलाने के लिए किया जा रहा है। तस्वीर के साथ दिए गए विवरण के मुताबिक, प्रधानमंत्री मोदी गुजरात के नर्मदा जिले के एकता नगर में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर राष्ट्रीय एकता दिवस के कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। यह कार्यक्रम सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर आयोजित किया गया था।

मणिपुर-उत्तराखंड से भाजपा की होगी विदाईः केसी वेणुगोपाल

❍ एजेंसी, **नई दिल्ली।**

मणिपुर और उत्तराखंड में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि 2027 में होने वाले विधानसभा चुनावों में कांग्रेस पार्टी मणिपुर और उत्तराखंड से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को सत्ता से बाहर कर देगी। उन्होंने दावा किया कि दोनों राज्यों में कांग्रेस भारी बहुमत हासिल करेगी। वेणुगोपाल ने कहा कि दिल्ली के रामलीला मैदान में रविवार को हुई रैली में दिखा जनाक्रोश भाजपा सरकारों के खिलाफ बढ़ती सत्ता विरोधी लहर की झलक है।

वेणुगोपाल ने सोमवार को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने नई दिल्ली में मणिपुर और उत्तराखंड के पार्टी प्रभारियों, प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) अध्यक्षों और कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) के नेताओं के साथ बैठक की। इस दौरान दोनों राज्यों में आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों और राजनीतिक स्थिति पर चर्चा हुई।

मणिपुर में जातीय संघर्ष को लेकर क्या बोली कांग्रेस?

मणिपुर की भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए वेणुगोपाल ने आरोप लगाया कि राज्य में सत्तारूढ़ पार्टी के शासन में जातीय संघर्ष जारी है। उन्होंने भाजपा पर भ्रष्टाचार, नफरत, जमीन पर कब्जे और कुशासन को बढ़ावा देने का गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मणिपुर अभी भी जातीय संघर्ष की आग में जल रहा है। 2024 के लोकसभा चुनाव में राज्य की दोनों सीटों पर जनता ने भाजपा को नकारा था और अब लोग उसे पूरी तरह सत्ता से हटाना चाहते हैं। कांग्रेस महासचिव ने उत्तराखंड की भाजपा सरकार पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया। उन्होंने धार्मिक संस्थानों में कथित भ्रष्टाचार और पहाड़ों की जमीन कॉरपोरेट कंपनियों को सौंपे जाने का मुद्दा उठाया। वेणुगोपाल ने आरोप कि उत्तराखंड के मंदिर भी अब चंदा चोरी से अछूते नहीं हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विशाल पर्वतीय क्षेत्रों को कॉरपोरेट कंपनियों को सौंपा जा रहा है, जबकि प्रकृति की ओर से ऐसे विनाशकारी कदमों के लिए लगातार चेतावनी मिल रही है।

मोदी ने किया भारत रिन्यूएबल एनर्जी समिट एंड एक्सपो 2026 का उद्घाटन

'स्वच्छ ऊर्जा भविष्य का रास्ता': पीएम बोले- भारत की ताकत बनी रिन्यूएबल एनर्जी

❍ एजेंसी, **नई दिल्ली।**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को 'भारत रिन्यूएबल एनर्जी समिट एंड एक्सपो 2026' का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहे संकट के बावजूद भारत की आर्थिक वृद्धि मजबूत है। देश अगले 10-11 वर्षों में लगभग 500 GW की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता जोड़ने के लिए तैयार है।

पीएम मोदी ने क्या कहा?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'यह एक सुखद संयोग है कि इस शिखर सम्मेलन के साथ ही इंटरनेशनल सोलर अलायंस की नौवीं सभा भी आयोजित हो रही है। ग्रीन हाइड्रोजन पर चौथे सम्मेलन में भाग लेने वाले प्रतिनिधि भी यहां मौजूद हैं। इसका मतलब है कि इस साल के आयोजन का दायरा काफी व्यापक है। साथियों, पिछले कुछ वर्षों में वैश्विक अर्थव्यवस्था ने अभूतपूर्व संकटों का सामना किया है। कोविड-19 महामारी से लेकर पश्चिम



एशिया के संकट तक, दुनिया को कई बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। पश्चिम एशिया का संकट अभी भी जारी है। हालांकि, 140 करोड़ भारतीयों को इस बात पर गर्व है कि हमने अब तक इस संकट को बहुत प्रभावी ढंग से संभाला है।'

पीएम मोदी ने आगे कहा, 'अगर भारत ने पिछले एक दशक में स्वच्छ ऊर्जा में निवेश नहीं किया होता। इसके लिए नई प्रणालियां विकसित नहीं की होतीं, तो हमारा संकट दुनिया के बाकी हिस्सों के सामने आए संकट से कहीं अधिक गंभीर हो सकता था। इस वैश्विक संकट ने हर देश को एक स्पष्ट संदेश दिया है। ऊर्जा सुरक्षा सीधे तौर पर आर्थिक सुरक्षा से जुड़ी है। हम सभी जानते हैं कि ऊर्जा सुरक्षा का भविष्य स्वच्छ ऊर्जा में निहित है। अगर हम जीवाश्म ईंधन पर बहुत अधिक निर्भर बने रहते हैं, तो वैश्विक अर्थव्यवस्था को बार-बार रुकावटों का सामना करना पड़ेगा।

बिजली क्षमता पर क्या बोले?

उन्होंने आगे कहा, 'हमारी स्थापित बिजली क्षमता का 50 प्रतिशत से अधिक हिस्सा गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों पर आधारित है। भारत 500 GW के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में मजबूती से काम कर रहा है। हम पहले ही लगभग 300 GW का लक्ष्य हासिल कर चुके हैं। सौर और नवीकरणीय ऊर्जा के मामले में भारत अब दुनिया के शीर्ष तीन देशों में शामिल है। अगले 10-11 वर्षों में, हम 500 GW की नई गैर-जीवाश्म ईंधन क्षमता जोड़ने का प्रयास करेंगे। यह एक चुनौतीपूर्ण लक्ष्य है, लेकिन मुझे अपने देश की क्षमताओं पर पूरा भरोसा है। इसीलिए मैं कहता हूं, 'हम इसे करके दिखाएंगे।'

किसान को लेकर बताया अपना विजन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं, 'हालांकि हमने पहले ही लाखों सोलर पंप बांट दिए हैं, लेकिन हमें अभी और आगे जाना है। मेरा विजन यह है कि हमारे किसान। हमारे 'अन्नदाता'–'ऊर्जादाता' (ऊर्जा प्रदान करने वाले) भी बनें। किसानों को अपनी खाली जमीन पर, और साथ ही अपने खेतों की मेड़ों पर सोलर पैनल लगाने चाहिए। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि इसे ज्यादा से ज्यादा गांवों में लागू किया जाए।' उन्होंने आगे कहा, 'सौर क्रांति का यह नया चरण केवल इसे अपनाने तक ही सीमित नहीं है। बल्कि यह नवाचार (इनोवेशन) पर भी टिका है। इसलिए, मैं अपने स्टार्टअप्स, आईआईटी, इनोवेटर्स और उद्यमियों से आगे आने का आह्वान करता हूं। ऐसे मॉडल विकसित करें जो सौर ऊर्जा का उपयोग करके अधिक से अधिक परिवारों की जरूरतों को पूरा कर सकें। यह सुनिश्चित करते हुए कि यह हर मौसम में, 24/7 उपलब्ध रहे। हमें एक ऐसे भविष्य की ओर बढ़ना चाहिए जहां कोई परिवार अपनी छत पर लगे सोलर प्लांट से बनी बिजली का इस्तेमाल करके खाना पका सके। आयातित गैस पर अपनी निर्भरता कम करने के लिए हमें 'क्लीन कुकिंग' (स्वच्छ खाना पकाने) के अभियान को बढ़ावा देने की जरूरत है।

पुणेः सीने में दर्द की शिकायत के बाद शरद पवार अस्पताल में भर्ती

पुणे। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के नेता शरद पवार को पुणे के रूबी हॉल क्लिनिक में भर्ती कराया गया है। उन्हें सांस लेने के दौरान सीने में दर्द की शिकायत हुई थी। इसके बाद सामान्य स्वास्थ्य जांच और चिकित्सकीय निगरानी के लिए उन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया।

रूबी हॉल क्लिनिक के मुख्य हृदय रोग विशेषज्ञ, अध्यक्ष और प्रबंध न्यासी डॉ पुरवेज के. ग्रांट ने आधिकारिक बयान जारी किया। उन्होंने कहा, शरद पवार को सीने में दर्द की शिकायत के बाद सामान्य स्वास्थ्य जांच और मेडिकल निगरानी के लिए रूबी हॉल क्लिनिक में भर्ती कराया गया है। उम्मीद है कि उनकी स्थिति में सुधार होगा। एहतियात के तौर पर उन्हें निगरानी में रखा जाएगा। शरद पवार गुट की नेता और उनकी बेटी सुप्रिया सुले ने 'एक्स' पर पोस्ट कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी दी। उन्होंने लिखा, लगातार खांसी के बाद बाबा को पुणे के रूबी हॉल क्लिनिक में भर्ती कराया गया है। उनकी चिकित्सकीय जांच की जा रही है और उनके स्वास्थ्य से जुड़े सभी मानक स्थिर हैं। आप सभी की चिंता और शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद।

प्रदेश मंत्री किसान मोर्चा डॉ.सुनील राजपूत का युवाओं ने किया जोरदार स्वागत

किसान व युवाओं की आवाज बनूँगा- सुनील राजपूत

टीएनएफ टुडे, आगरा।



दहतोरा बाजार कमेटी और स्थानीय युवाओं ने भारतीय जानता पार्टी किसान मोर्चा के नवनियुक्त प्रदेश मंत्री डॉ.सुनील राजपूत का दहतोरा में जोरदार स्वागत किया गया।

प्रदेश मंत्री भाजपा किसान मोर्चा डॉ.सुनील राजपूत ने कहा कि मेरे जैसे एक साधारण कार्यकर्ता को भाजपा शीर्ष नेतृत्व ने जो सम्मान दिया है ये सिर्फ उन्हीं का सम्मान नहीं बल्कि प्रदेश के लाखों युवाओं का सम्मान है।जो साधारण परिवार से आकर राजनीति के माध्यम से देश सेवा करना चाहते है। भाजपा नेतृत्व ने जो जिम्मेदारी दी है। उसकी पूरी निष्ठा व ईमानदारी से निभायेंगे।

उन्होंने कहा कि कि युवाओं की भागीदारी के बिना समाज और संगठन की मजबूती की कल्पना नहीं की जा सकती। उनका विशेष जोर युवाओं को सामाजिक गतिविधियों और संगठनात्मक जिम्मेदारियों से जोड़ने पर रहेगा।

अनिल चौधरी ने कहा कि डॉ सुनील राजपूत की प्रदेश मंत्री भाजपा किसान मोर्चा की जिम्मेदारी मिलने के बाद उनकी संगठनात्मक भूमिका भी महत्वपूर्ण हो गई है। निश्चय ही वह इस जिम्मेदारी के माध्यम से किसानों, युवाओं और आमजन से जुड़े विषयों को संगठन के समक्ष रख उनका समाधान कराने का प्रयास करेंगे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता उस्मान खान ने संचालन हरिकिशन लोधी व सुनील खान ने संयुक्त रूप से किया।

प्रमुख रूप से पवन चौधरी, यशपाल लोधी, अनिल चौधरी,मयंक राजपूत,वासुदेव बघेल,पंकज फौजदार,महिपाल राजपूत, उस्मान खान, देवेंद्र वर्मा,पंकज लोधी, नीरज राजपूत,सागर लोधी,जयपाल चौधरी,कल्याण सिंह, प्रशांत ठाकुर,अजय फौजदार,संजय सिसोदिया, सुमित, अभिषेक राणा,उत्तम राजपूत,आदि उपस्थित रहे।

सांड की टक्कर से घायल वृद्धा की मौत

फतेहाबाद। थाना डौकी क्षेत्र के गांव ठार पारोली में रविवार की शाम घर के बाहर बैठी वृद्धा को सांड ने टक्कर मार दी थी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई थी। जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जिनकी सोमवार को इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।घटना के जानकारी से परिवार में कोहराम मच गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना डौकी क्षेत्र के गांव ठार पारौली निवासी शिव देवी पत्नी महाराज सिंह उम्र 65 वर्ष रविवार की शाम आठ बजे के करीब घर के बाहर चारपाई पर बैठी थी। तभी आवारा सांड आ गया और उन पर अचानक हमला कर दिया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई थी। जिन्हें परिजनों ने इलाज के लिए एसएन मेडिकल कॉलेज आगरा में भर्ती कराया गया था।जहां इलाज के दौरान सोमवार को तीन बजे के करीब उनकी मौत हो गई। सूचना पर डौकी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। वहीं घटना की जानकारी से परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

15 साल से घर के लिए भटक रहे 100 परिवार, सीएम से लगाई न्याय की गुहार

- दीक्षा द्वारिका कॉलोनी के निवेशकों का आरोप, बिल्डर पर कार्रवाई नहीं होने से बढ़ी परेशानी
- एनसीएलटी और रेरा में भी पहुंचा मामला

टीएनएफ टुडे, आगरा।



मौजा रोहता स्थित दीक्षा द्वारिका कॉलोनी में भूखंड खरीदने वाले करीब 100 परिवार पिछले 15 वर्षों से अपने निवेश और आवासीय भूखंडों को लेकर न्याय की बाट देख रहे हैं। निवेशकों की समस्या का समाधान नहीं होने पर दीक्षा होम बायर्स एसोसिएशन (रजि.) ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से हस्तक्षेप कर शिकायत पत्र भेजकर पूरे मामले की शासन स्तर पर उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है।

एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय थापर ने बताया कि वर्ष 2011 से निवेशकों ने कॉलोनी में भूखंड खरीदने के लिए अपनी जीवनभर की जमा-पूंजी लगाई थी। बिल्डर और निदेशकों की ओर से किए गए वादे पूरे नहीं किए गए। धनराशि के भुगतान में अनियमितता और चेक बाउंस होने जैसी शिकायतें भी सामने आई हैं। न्याय के लिए निवेशकों को विभिन्न न्यायालयों में करीब 100 मुकदमे दाखिल किए हैं।

सचिव राहुल वाधवा ने बताया कि निवेशकों की समस्या को लेकर एसोसिएशन ने एनसीएलटी की इलाहाबाद बेंच, प्रयागराज में उढ(क्ह) ठङ्क. 117/अछञ/2026 के तहत याचिका दाखिल की है। वहीं, रेरा में शिकायत संख्या छड0118/11/114994/2023 के संबंध में नौ अप्रैल 2025 को कॉलोनी का निरीक्षण भी कराया गया था। एसोसिएशन ने निरीक्षण रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की मांग की है। एसोसिएशन ने मौजा रोहता स्थित खसरा संख्या 753 (भाग), 755, 756 और 757 की भूमि पर विकसित कॉलोनी के स्वीकृत मानचित्र संख्या 1380/इत्रछ/12/10-11 को लेकर आगरा विकास प्राधिकरण की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए हैं। संबंधित अभिलेख और निवेशकों की सूची 16 अक्टूबर 2026 को नगर नियोजक, एडीए को उपलब्ध करा दी गई थी। एसोसिएशन ने भूमि के स्वामित्व, स्वीकृत मानचित्र, विकास कार्यों और संबंधित अधिकारियों की भूमिका की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है।

मुख्यमंत्री से सात सूत्रीय मांग

एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री से पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच कराने, एडीए से संबंधित अभिलेखों की रिपोर्ट तलब करने, बिल्डरों और निदेशकों की भूमिका की जांच कराने, रेरा निरीक्षण रिपोर्ट पर कार्रवाई करने तथा निवेशकों के अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। इसके साथ ही शासन स्तर पर वरिष्ठ अधिकारी नियुक्त कर मामले की नियमित समीक्षा कराने का आग्रह भी किया गया है। निवेशकों की लड़ाई किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि उन परिवारों के अधिकारों के लिए है, जिन्होंने अपने घर का सपना पूरा करने के लिए जीवन की सबसे बड़ी पूंजी परियोजना में लगा दी। एसोसिएशन अब इस मामले को शासन और प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों तक पहुंचाकर निवेशकों को न्याय दिलाने का प्रयास करेगी। इस अवसर पर चरणजीत थापर, प्रदीप पुरी, सतीश अरोड़ा, भारत भूषण गप्पी, गिरीश ग्रोवर, अनूप अग्रवाल, राहुल गर्ग, देवेंद्र सिंह जौरा, बागचंद थापनी, अशोक सबनानी, जयप्रकाश गुप्ता, मनीष गुलाटी, दीपक सिंह, मनोज तिवारी, नवनीत गोयल, कपिल जैन, जय किशन गुप्ता आदि मौजूद रहे।

लक्ष्मण शक्ति के मार्मिक मंचन ने भावुक किए श्रद्धालु, कुंभकर्ण और मेघनाद वध से गूंजा रामलीला परिसर



टीएनएफ टुडे, आगरा।

- हनुमान जी संजीवनी बूटी लेकर पहुंचे, श्रीराम-रावण युद्ध के रोमांचक दृश्यों ने बांधा समां; जय श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा परिसर
- आज रामलीला में दिखेगा सतीत्व और शौर्य का अद्भुत संगम, सुलोचना सती व अहिरावण वध का होगा भव्य मंचन

ट्रांस यमुना कॉलोनी फेस-2 स्थित श्री रामलीला पार्क में आयोजित रामलीला महोत्सव में सोमवार शाम लक्ष्मण शक्ति, कुंभकर्ण वध एवं मेघनाद वध का भव्य और जीवंत मंचन किया गया। लक्ष्मण जी के मूर्छित होने का मार्मिक दृश्य देखकर श्रद्धालु भावुक हो उठे। वहीं हनुमान जी द्वारा संजीवनी बूटी लाने और लक्ष्मण जी के पुन स्वस्थ होने के प्रसंग ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया।

इसके बाद युद्धभूमि में कुंभकर्ण और मेघनाद वध के रोमांचक दृश्यों का मंचन किया गया। श्रीराम की सेना के जयकारों से पूरा रामलीला परिसर गुंजायमान हो उठा। बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने देर शाम तक रामलीला मंचन का आनंद लिया। कार्यक्रम में श्री रामलीला महोत्सव के संस्थापक श्री बालकिशन गुप्ता, प्रदीप शर्मा, कृष्णवीर सिंह सिकरवार एवं अध्यक्ष गिर्राज प्रसाद पाठक सहित डॉ. नौनीहाल कुशवाह, लक्ष्मीकांत उपाध्याय, देवेंद्र गुप्ता, पप्पू गहलोत, राकेश चौहान, उमेश दीक्षित, हरिविलास यादव, ओमप्रकाश कुशवाह, वीरेंद्र चौधरी, शेर सिंह कुशवाह एवं योगेश यादव, चौधरी दिनेश सिंह, पंडित सोनू शर्मा,पुष्पेन्द्र सिंह सिकरवार, की गरिमामयी उपस्थिति रही। मंचन श्री बाल हनुमान आदर्श रामलीला मंडल के संचालक पं. दिनेश चंद्र शास्त्री महाराज के निर्देशन में मंडली के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत किया गया।

किसानों की 15 सूत्रीय मांगों के साथ शराब का ठेका हटाने को लेकर भाकियू (स्वतंत्र) ने दिया धरना, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

मुख्य मांग शराब के ठेका हटाने को लेकर आक्रोशित नजर आए किसान

टीएनएफ टुडे, एत्मादपुर।



तहसील एत्मादपुर क्षेत्र में किसानों एवं आम जनता की विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर सोमवार को भारतीय किसान यूनियन (स्वतंत्र) के पदाधिकारियों एवं किसानों ने राष्ट्रीय प्रवक्ता विश्वकांत मिश्रा के नेतृत्व में धरना-प्रदर्शन किया। इस दौरान किसानों ने 15 सूत्रीय मांगों को लेकर उपजिलाधिकारी एत्मादपुर को ज्ञापन सौंपा और समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग उठाई।

ज्ञापन में किसानों ने डीएपी खाद की पर्याप्त उपलब्धता, तहसील प्रशासन में शिकायतों एवं लंबित मामलों का शीघ्र निस्तारण, कृषि भूमि की पैमाइश के लिए विशेष कैंप लगाने तथा पात्र ग्रामीणों को पट्टे की भूमि पर आवासीय पट्टा उपलब्ध कराने की मांग की।

इसके अलावा अगरपुर-गड़ी सहजा-चावली-बरहन मार्ग से प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा देने, बरहन में अंबलखेड़ा रोड एवं टेंपो स्टैंड से बांके बिहारी मंदिर मार्ग पर जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान कराने तथा अंबलखेड़ा इंदा बाग में जलभराव रोकने की मांग भी उठाई गई।

किसानों ने ग्राम अरेला में जलभराव दूर करने, ग्राम पंचायत समैरा में मुख्य मार्ग पर जलभराव की समस्या समाप्त करने, बरहन-बेगड़ा में लगभग 50 परिवारों को पेयजल उपलब्ध कराने के लिए नई बोरिंग कराने तथा बरहन-अंबलखेड़ा मार्ग के जर्जर गड्ढों को भरकर सड़क दुरुस्त कराने की मांग की।

धरने के दौरान एक प्रमुख मुद्दा खंदौली, बरहन एवं एत्मादपुर क्षेत्र में आबादी के बीच संचालित शराब के ठेकों को लेकर भी उठाया गया कहा कि शराबी खुले में ही शराब पीकर माहौल खराब करते है किसानों ने मांग की कि शराब के ठेकों को स्कूलों, कॉलेजों, मंदिरों एवं अन्य सामाजिक संस्थानों के आसपास से हटाकर आबादी से दूर नियमानुसार स्थापित किया जाए, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों का माहौल खराब न हो।

इसके साथ ही सरोवर कुंज तालाब मार्ग पर साफ-सफाई एवं स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था, नगला मनी में जर्जर विद्युत खंभों एवं लटकते तारों को बदलने तथा नगला परसुख में अवैध प्लास्टिक फैक्ट्री से फैल रहे प्रदूषण की जांच कराकर नियमानुसार कार्रवाई और फैक्ट्री बंद कराने की मांग की गई।

भा.कि.यू. (स्वतंत्र) का तहसील मुख्यालय पर धरना-प्रदर्शन

टीएनएफ टुडे, एत्मादपुर।

किसान, मजदूर और ग्रामीणों की खाद, पानी, बिजली और मुआवजा आदि की समस्याओं को लेकर भारतीय किसान यूनियन (स्वतंत्र) ने आज तहसील मुख्यालय पहुंचकर धरना-प्रदर्शन किया। ग्रामीण क्षेत्र से जुड़ी समस्याओं को लेकर एसडीएम सुमित कुमार सिंह को सौंपे गए ज्ञापन में उनके तत्काल समाधान की मांग की गई है।

राष्ट्रीय प्रवक्ता विश्वकान्त मिश्रा के नेत्रत्व में आयोजित इस धरना - प्रदर्शन में उन्होंने ने बताया कि उन्हें खेतों में आलू, गेहूं की बुवाई के लिए सहकारी समितियों पर डीएपी खाद नहीं मिल रही है। किसानों को बाजार में ब्लैक में खरीदने को मजबूर किया जा रहा है। तहसील प्रशासन की कार्यप्रणाली लगातार असंतोषपूर्ण है। अंश सुधार के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर शिविर नहीं लगाए जा रहे हैं।

आवासीय पट्टों की घरौनी में आ रही समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा है। सड़क चौड़ीकरण से प्रभावित किसान मुआवजा के लिए चक्कर काट रहे हैं। गांवों को जलभराव से तत्काल मुक्ति दिलाई जानी चाहिए। आबादी क्षेत्रों से शराब के ठेकों को बाहर किया जाना चाहिए। उन्होंने जर्जर विद्युत खंभों, तारों के साथ खारे पानी की समस्याओं के समाधान की मांग भी उठाई गई।

वृद्ध कमला देवी बरहन से आकर धरना-प्रदर्शन में शामिल हुईं, उन्होंने बताया कि उनके यहां जलभराव है। भारतीय किसान यूनियन (स्वतंत्र) डॉ० रिंकू वर्मा ने कहा कि यह धरना-प्रदर्शन किसी एक व्यक्ति या संगठन का नहीं, बल्कि क्षेत्र के किसानों, मजदूरों और आम ग्रामीण जनता के सम्मान, अधिकार एवं समस्याओं के समाधान की लड़ाई है।

किसान नेताओं ने कहा कि ये समस्याएं लंबे समय से क्षेत्र के किसानों और ग्रामीणों को परेशान कर रही हैं। कई बार शिकायतों के बावजूद अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई है। प्रशासन को जनहित और किसान हित में सभी मांगों पर गंभीरता से विचार कर जल्द समाधान कराना चाहिए।

इस अवसर पर भारतीय किसान यूनियन (स्वतंत्र) के राष्ट्रीय प्रवक्ता विश्वकांत मिश्रा, किसान नेता लाखन त्यागी,मनोज शर्मा,अंकित शर्मा,पवन पण्डित,वरुण शर्मा, बी के शर्मा सहित अन्य पदाधिकारी एवं क्षेत्र के किसान मौजूद रहे।

अब क्षेत्र की जनता को समस्याओं पर जनप्रतिनिधियों की चुप्पी नहीं, समाधान चाहिए। अधिकारियों से आश्वासन नहीं, बल्कि धरातल पर काम चाहिए।

प्रगतिशील किसान लाखन सिंह त्यागी ने आलू किसानों की समस्याएं गिनाईं। ज्ञापन सौंपने वालों में अमन शर्मा,राजेश कुमार,हर्ष धाकरे,अमित शर्मा,यतेंद्र शर्मा,अंकित शर्मा,सुलेखा बघेल,अंजना व्यास,नगेंद्र उपाध्याय,मनोज शर्मा, लाखन सिंह त्यागी,बीके शर्मा, बिष्णु गोला,ओमप्रकाश,आदि लोग उपस्थित रहे।

साहित्य और संगीत के जरिए जीवंत हुई मीराबाई की भक्ति

ग्रैंड होटल में भव्यता के साथ आयोजित हुआ 'मीरा के प्रभु गिरधर नागर' कार्यक्रम

टीएनएफ टुडे, आगरा।



संत कवयित्री मीराबाई के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में साहित्य संगीत संगम एवं चेतना के संयुक्त तत्वावधान तथा डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के सामुदायिक रेडियो 90.4 'आगरा की आवाज' के विशेष सहयोग से सिविल लाइंस स्थित ग्रैंड होटल में 'मीरा के प्रभु गिरधर नागर' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। प्रख्यात साहित्यकार अरुण डंग की अध्यक्षता में आयोजित इस अनूठे सांस्कृतिक अनुष्ठान में मीराबाई के अलौकिक जीवन, उनके कृष्ण प्रेम, अटूट समर्पण और आध्यात्मिक चेतना को साहित्य और संगीत के अनूठे संगम के माध्यम से भावपूर्ण अभिव्यक्ति दी गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि लक्ष्मण दास अग्रवाल द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके उपरांत कुमारी पूजा तोमर ने स्वर से सजी सरस्वती वंदना प्रस्तुत की, और स्वागत उद्बोधन अशोक अश्रु द्वारा दिया गया।

मीरा का जीवन विद्रोह का विनम्र स्वर और प्रेम की पराकाष्ठाः

अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए वरिष्ठ साहित्यकार श्री अरुण डंग ने कहा कि मीरा विद्रोह का एक अत्यंत विनम्र किंतु सशक्त स्वर थीं। उन्होंने भगवान कृष्ण के गिरधर नागर स्वरूप को इस प्रकार आत्मसात किया, जिसमें अध्यात्म के सर्वोच्च स्वर पूरी तरह समाहित थे। विशिष्ट वक्ता प्रो. सुषमा सिंह ने अपने विचार रखते हुए कहा कि मीरा को समझना वस्तुतः कृष्ण को गहराई से समझना है। कृष्ण के प्रति उनका समर्पण प्रेम की अथाह गहराई की शाब्दिक और भावुक अभिव्यक्ति है, जहाँ उनका विरह भी अलौकिक आनंद से परिपूर्ण नजर आता है। इस दौरान विख्यात कलाकार सुश्री अर्चना अग्रवाल ने मीराबाई के मनोभावों को दशार्ती एक सुंदर पेंटिंग मुख्य वक्ता अरुण डंग को भेंट की।

संगीत और भजनों से गूंजा सभागारः

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण मीराबाई के संपूर्ण जीवन और उनकी कृष्ण भक्ति पर आधारित पदों की सस्वर संगीतमय प्रस्तुतियां रहीं। कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए श्री सुशील सरित ने 'श्री कृष्ण गोविंद

- प्रख्यात साहित्यकार अरुण डंग की अध्यक्षता में सजी महफिल; सुरीले भजनों और संगीतमय प्रस्तुतियों ने श्रोताओं को किया मंत्रमुग्ध

हरे मुरारी' की प्रस्तुति से श्रोताओं को मीरा के आध्यात्मिक संसार से जोड़ा। इसके बाद प्रो. आंशवना सक्सेना ने मीरा के प्रसिद्ध पद 'मैं तो गिरधर के घर जाऊं' की ऐसी भावपूर्ण प्रस्तुति दी, जिसने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कड़ियों को आगे बढ़ाते हुए कुमारी पूजा तोमर ने 'बसो मेरे नैनन में नंदलाल', श्री लवेश अग्रवाल ने 'पायो जी मैंने राम रतन धन पायो' तथा श्री सुभाष सक्सेना ने 'भोलेनाथ दिगंबर' सहित मीरा के कई अन्य लोकप्रिय पदों को गाकर पूरे परिवेश को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम का समापन मीराबाई के द्वारकाधीश में आध्यात्मिक विलीनता को दशार्ने वाले मर्मस्पर्शी पद 'जोगी मत जा, जोगी मत जा' के साथ हुआ। इन सभी प्रस्तुतियों के भावार्थ सुश्री पारुल राजपूत ने बेहद प्रभावशाली ढंग से श्रोताओं के समक्ष रखे, जिससे प्रत्येक पद के पीछे छिपे प्रेम और विरह के गहरे अर्थ आसानी से समझ आ सके। इस पूरी संगीतमय यात्रा में संगीत संयोजन राज मैसी द्वारा किया गया।

सामुदायिक रेडियो की सांस्कृतिक पहलः

कार्यक्रम की अधिशासी पूजा सक्सेना ने कहा कि ऐसे आयोजनों के माध्यम से डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय का सामुदायिक रेडियो 90.4 'आगरा की आवाज' साहित्य, संगीत और भारतीय सांस्कृतिक धरोहर को जन-जन तक पहुँचाने की अपनी प्रतिबद्धता को सार्थक कर रहा है। विश्वविद्यालय का यह रेडियो स्थानीय प्रतिभाओं को मंच देने और कला-संस्कृति के संवर्द्धन में निरंतर सक्रिय भूमिका निभा रहा है।

समारोह के अंत में हरीश भदौरिया ने सभी अतिथियों, कलाकारों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। आयोजन को सफल बनाने में दुर्गा विजय सिंह दीप, चंद्रशेखर शर्मा और हरीश अग्रवाल का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर जगमोहन गुप्ता, रमा वर्मा, विजया तिवारी, गायत्री, आभा चतुर्वेदी, नीरज जैन , मोहन कुशवाहा और मोहन सिंह सोलंकी सहित शहर के तमाम गणमान्य साहित्य और संगीत प्रेमी उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों को बताए उभरते करियर के नए विकल्प



टीएनएफ टुडे, आगरा।

करियर जेन संस्था की ओर से दयालबाग स्थित श्रीराम सेंटेनियल स्कूल में करियर मार्गदर्शन कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्कूल की चेयरमैन अनुराधा गुप्ता, प्रधानाचार्य मोनिका सहगल और उप प्रधानाचार्य सपना पुरी ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। कार्यशाला में अभिभावकों और विद्यार्थियों के लिए रोचक एवं मनोरंजक संवादात्मक गतिविधियों का आयोजन किया गया। इन गतिविधियों के माध्यम से अभिभावकों के दृष्टिकोण को समझने, विद्यार्थियों की रुचियों की पहचान करने और भविष्य में करियर चयन को लेकर सार्थक संवाद को प्रोत्साहित किया गया।

संस्था की संस्थापक एवं मुख्य वक्ता डॉ. ईभा गर्ग ने प्रतिभागियों को कई अनूठे और उभरते हुए करियर विकल्पों से परिचित कराया। इनमें सस्टेनेबल फाइनेंस (सतत वित्त), जलवायु परिवर्तन, फिनटेक और अन्य बहुविषयक क्षेत्र शामिल रहे। उन्होंने पारंपरिक करियर विकल्पों से आगे बढ़कर इन नए क्षेत्रों में उपलब्ध अवसरों और संभावनाओं पर प्रकाश डाला। कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए जिज्ञासापूर्ण प्रश्न पूछे, वहीं अभिभावकों ने भी अपने विचार और अनुभव साझा किए।

करब के ट्रैक्टर को लेकर दो पक्षों में मारपीट दो घायल

फतेहाबाद। करब का ट्रैक्टर उतारने को लेकर दो पक्षों में मारपीट में दो घायल हो गए पुलिस मामले की जांच में जुटी। प्राप्त जानकारी के अनुसार मनोज शर्मा पुत्र बलधारीलाल निवासी हनुमान नगर कस्बा फतेहाबाद ने बताया कि वह अपने पशुओं के लिए करब लेकर अपने घर हनुमान नगर आया था तभी पड़ोसी संदीप के द्वारा ट्रैक्टर चालक से गाली गलौज की तभी ट्रैक्टर चालक को दूसरी बार आने से मना कर दिया इसी को लेकर मैं पूछने गया था तो संदीप गाली गलौज करने लगा विरोध करने पर मारपीट कर दी तभी मेरे भाई बृजेश बचाने आए तो उनके साथ भी मारपीट कर दी मारपीट में सोनू पुत्र अनारसिंह और बृजेश पुत्र बलधारी दोनों तरफ से एक-एक व्यक्ति घायल हो गए हैं पुलिस में दोनों को मेडिकल के लिए भेजा है मामले की जांच की जा रही है।

TNF TODAY
टीएनएफ टुडे
थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे
tnftoday tnftoday
www.tnftoday.com / epaper

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में डीएम ने दिए सख्त निर्देश

जेएसवाई भुगतान में कम प्रगति पर एसएनएमसी, महिला अस्पताल और फतेहाबाद के प्रभारियों को शो-कॉज नोटिस

टीएनएफ टुडे, आगरा।

जिलाधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक के दौरान राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत संचालित विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों, योजनाओं और विभागीय संकेतकों की प्रगति की गहन समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने पिछली बैठक के अनुपालन की स्थिति परखते हुए स्वास्थ्य सेवाओं में और अधिक सुधार लाने तथा लंबित कार्यों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिए।

जेएसवाई भुगतान और संस्थागत प्रसव में लापरवाही पर नोटिसः

बैठक में जननी सुरक्षा योजना (खर) के 'मंत्रा पोर्टल' पर लाभार्थियों के भुगतान की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी जताई। जिन स्वास्थ्य केंद्रों का भुगतान प्रदर्शन 90 प्रतिशत से कम पाया गया, उन पर सख्त रुख अपनाते हुए उन्होंने एसएनएमसी (रठटउ), जिला महिला चिकित्सालय और फतेहाबाद के प्रभारियों को शो-कॉज नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। इसके अलावा, बैठक से अनुपस्थित रहने वाले यूपीएचसी नरीपुरा, मोतीमहल,



लोहामंडी-2, छत्ता, हरिपर्वत वेस्ट-2, नगला बूढ़ी और सेवला के संबंधित प्रभारियों को भी नोटिस दिया गया।

यूपीएचसी की कार्यप्रणाली की होगी बिंदुवार समीक्षाः

शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (वढलठउ) की डिलीवरी परफॉर्मेंस की समीक्षा करते हुए डीएम ने प्रभारियों व नोडल अधिकारियों को भी शो-कॉज नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। संस्थागत प्रसव की समीक्षा के दौरान गत वर्ष के सापेक्ष लक्ष्य में पिछड़ने पर एसएनएमसी, फतेहपुर सीकरी और फतेहाबाद के लोहामंडी-1, लोहामंडी नॉर्थ, विभव नगर, लोहामंडी-2, रकाबगंज साउथ, नरायच और नरीपुरा का स्थलीय निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं एवं प्रभारी अधिकारियों की कार्यप्रणाली की बिंदुवार जांच करने और अगली बैठक में विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

- कलेक्ट्रेट सभागार में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के विभिन्न कार्यक्रमों की हुई समीक्षा
- नवंबर माह में 2 लाख आयुष्मान कार्ड बनाने का लक्ष्य निर्धारित

आयुष्मान कार्ड निर्माण और अन्य स्वास्थ्य अभियानों पर जोरः

आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने पात्र लाभार्थियों के आयुष्मान कार्ड बनाने की रफ्तार तेज करने के निर्देश दिए। उन्होंने नवंबर माह के दौरान समस्त विकास खंडों में 2 लाख नए आयुष्मान कार्ड बनाने का लक्ष्य निर्धारित करते हुए इसमें 15 प्रतिशत की मासिक वृद्धि सुनिश्चित करने को कहा। इसके लिए एमओआईसी (टडक्ठ) और आशा कार्यकत्रियों के माध्यम से पात्रों का सत्यापन कराकर शेष कार्ड बनवाने के निर्देश दिए गए।

परिवार नियोजन कार्यक्रम के तहत सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर 'छाया' टैबलेट की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा गया। साथ ही यूपी हेल्थ डैशबोर्ड रैंकिंग, राष्ट्रीय अंधता निवारण, कुष्ठ उन्मूलन, क्षय रोग (ळइ) उन्मूलन, आभा आईडी सृजन, संचारी एवं वेक्टर जनित रोग नियंत्रण और 'दस्तक अभियान' की समीक्षा कर फील्ड स्तर पर प्रभावी मॉनिटरिंग और शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति के निर्देश दिए गए।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अमित कुमार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अरुण श्रीवास्तव, डिप्टी सीएमओ डॉ. पीयूष जैन, डॉ. जितेंद्र लवानिया, डॉ. सुरेंद्र मोहन प्रजापति, जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. सुकेश गुप्ता, डीपीएम कुलदीप भारद्वाज, डीपीओ मनोज मौर्या सहित स्वास्थ्य विभाग और अन्य संबंधित विभागों के प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे।

विधानसभा निर्वाचन-2027 की समीक्षा बैठक को लेकर ऊर्जा भवन पहुंचे डीएम

तैयारियों का लिया जायजा, दिए समयबद्ध व्यवस्थाओं के निर्देश

टीएनएफ टुडे, आगरा।

उत्तर प्रदेश विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2027 की पूर्व तैयारियों के दृष्टिगत आगामी 6 नवंबर 2026 को आगरा में आयोजित होने वाली उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की तैयारियों का जायजा लेने जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष बंसल सोमवार को सिकंदरा स्थित 'ऊर्जा भवन' पहुंचे। इस दौरान उन्होंने स्थलीय निरीक्षण कर सुरक्षा, पार्किंग, बैठने की व्यवस्था और तकनीकी संसाधनों को समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के कड़े निर्देश जारी किए।

गौरतलब है कि 6 नवंबर को प्रस्तावित इस बेहद महत्वपूर्ण बैठक में भारत निर्वाचन आयोग एवं राज्य निर्वाचन आयोग के शीर्ष अधिकारियों के साथ-साथ प्रदेश के 12 जनपदों के जिलाधिकारी प्रतिभाग करेंगे। बैठक के दौरान



आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर मतदाता सूची के पुनरीक्षण, स्वीप गतिविधियों (रश्एएढ) तथा अन्य निर्वाचन संबंधी विषयों की गहन समीक्षा की जाएगी।

जिलाधिकारी मनीष बंसल ने मीटिंग हॉल का सूक्ष्मता से निरीक्षण करते हुए निर्देश दिए कि मुख्य अतिथियों व 12 जिलों के जिलाधिकारियों के प्रोटोकॉल के अनुरूप बैठने की समुचित व्यवस्था, नाम पट्टिका (नेम प्लेट), टेबल-कुर्सियां और आवश्यक फर्नीचर की व्यवस्था समय रहते पूर्ण कर ली जाए। उन्होंने प्रेजेंटेशन और बैठक की कार्यवाही को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए उच्च गुणवत्ता के साउंड सिस्टम, माइक्रोफोन, प्रोजेक्टर, एलईडी डिस्प्ले, निर्बाध विद्युत आपूर्ति और हाई-स्पीड इंटरनेट कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। यातायात एवं सुरक्षा प्रबंधन पर विशेष जोर देते हुए जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि अधिकारियों के वाहनों के लिए सुव्यवस्थित पार्किंग स्थल चिन्हित किए जाएं तथा प्रवेश व निकास द्वारों पर अलग-अलग मार्ग निर्धारित किए जाएं। उन्होंने सुरक्षा कर्मियों की पर्याप्त तैनाती और प्रवेश द्वारों पर पास व्यवस्था लागू करने के निर्देश दिए।

- साउंड, प्रोजेक्टर, इंटरनेट और पार्किंग प्रबंधन को चुस्त-दुरुस्त करने के निर्देश

निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी (नगर) यमुनाधर चौहान, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) आजाद भगत सिंह, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) संदीप वर्मा सहित अन्य संबंधित विभागीय अधिकारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

ग्रेटर आगरा की 'गोमतीपुरम टाउनशिप' का ऑनलाइन पंजीकरण शुरू

टीएनएफ टुडे, आगरा।

आगरा विकास प्राधिकरण की अत्यंत महत्वाकांक्षी 'ग्रेटर आगरा योजना' के तहत रायपुर एवं रहनकलां में विकसित की जा रही 'गोमतीपुरम टाउनशिप' के आवासीय भूखंडों के ऑनलाइन पंजीकरण का शुभारंभ सोमवार, 2 नवंबर 2026 को मंडलायुक्त नगेंद्र प्रताप द्वारा जनहित पोर्टल का बटन दबाकर किया गया। इस अवसर पर मंडलायुक्त, एडीए उपाध्यक्ष, सचिव एवं बोर्ड के नामित सदस्यों द्वारा टाउनशिप के पूर्ण विवरण वाली रंगीन बुकलेट का विमोचन भी किया गया। समारोह के दौरान मल्टीमीडिया प्रस्तुति के माध्यम से जनहित पोर्टल एवं एडीए पोर्टल पर आवेदन की पूरी प्रक्रिया प्रदर्शित की गई।

मल्टीमीडिया शुभारंभ के उपरांत मंडलायुक्त नगेंद्र प्रताप ने एडीए टीम और बोर्ड सदस्यों को तीसरी सफल टाउनशिप लॉन्च करने पर बधाई दी। उन्होंने निर्देश दिए कि टाउनशिप का विकास स्वीकृत डेवलपमेंट प्लान के अनुसार ही हो, ताकि यहां



- 744 भूखंडों के लिए 2 दिसंबर तक आवेदन
- जनहित पोर्टल और एडीए की वेबसाइट पर घर बैठे या जनसुविधा केंद्रों के माध्यम से किया जा सकता है ऑनलाइन आवेदन
- अंडरग्राउंड केबलिंग, ग्रीन स्पेस और अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होगी स्कीम

बसने वाले नागरिकों को अत्याधुनिक और विश्वस्तरीय सुविधाएं मिल सकें। उन्होंने बताया कि गोमतीपुरम टाउनशिप में विभिन्न श्रेणियों के कुल 744 आवासीय भूखंड शामिल हैं। इच्छुक नागरिक जनहित पोर्टल (https://jan-hit.upda.in) अथवा एडीए की आधिकारिक वेबसाइट (www.adaagra.org.in) पर जाकर 2 दिसंबर 2026 तक ऑनलाइन पंजीकरण करा सकते हैं।

एडीए उपाध्यक्ष ने योजना के संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि ग्रेटर आगरा योजना प्राधिकरण की फ्लैगशिप परियोजना है। पूर्व में इस योजना के अंतर्गत लॉन्च की गई गंगापुरम और नर्मदापुरम टाउनशिप की अभूतपूर्व सफलता के बाद अब गोमतीपुरम टाउनशिप को जनता के लिए खोला गया है। इस आधुनिक टाउनशिप में विस्तृत हरित क्षेत्र, व्यवस्थित फुटपाथ, अंडरग्राउंड बिजली केबल, ओपन स्पेस और रीक्रिएशनल (मनोरंजन) एरिया का विशेष ध्यान रखा गया है।

इस अवसर पर एडीए बोर्ड के नामित सदस्य नागेंद्र दुबे 'गामा', एडीए सचिव संजय कुमार, अधिशासी अभियंता नरेंद्र कुमार, वित्त नियंत्रक अशोक कुमार तथा नगर नियोजक रिचा कौशिक सहित विकास प्राधिकरण के कई वरिष्ठ अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

मेला श्री बटेश्वरनाथ-2026 की तैयारियों को लेकर कलेक्ट्रेट में बैठक संपन्न

11 से 28 नवंबर तक आयोजित होगा दिव्य एवं भव्य जनमेला

- भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी जी की जन्मस्थली बटेश्वर में 24 नवंबर को होगा कार्तिक पूर्णिमा का मुख्य स्नान
- यमुना घाटों पर बैरिकेडिंग, पीएसी की स्टीमर, गोताखोरों की तैनाती और सीसीटीवी कैमरों से होगी निगरानी

टीएनएफ टुडे, आगरा।

भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की पावन जन्मस्थली बटेश्वर में आगामी 11 से 28 नवंबर 2026 तक आयोजित होने वाले ऐतिहासिक 'मेला श्री बटेश्वरनाथ-2026' की तैयारियों की समीक्षा हेतु सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय बैठक संपन्न हुई। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभागीय अधिकारियों को श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा



को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए समयबद्ध रूप से समस्त तैयारियां पूर्ण करने के कड़े निर्देश दिए।

मार्ग मरम्मत, विद्युत व्यवस्था और यातायात प्रबंधनः

बैठक में जानकारी दी गई कि 24 नवंबर को कार्तिक पूर्णिमा के मुख्य स्नान पर्व पर लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं और पर्यटकों के आगमन की संभावना है। जिलाधिकारी ने पीडब्ल्यूडी और जिला पंचायत को मेला स्थल तक पहुंचने वाले सभी संपर्क मार्गों, परिक्रमा मार्ग, वीआईपी मार्ग, खांद चौराहा, शौरीपुर एवं राजमाता मंदिर मार्ग की मरम्मत और कटाई-छंटाई समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन हेतु रोडवेज द्वारा अतिरिक्त बसों का संचालन किया जाएगा तथा खांद चौराहे के पास अस्थायी बस स्टैंड स्थापित होगा। विद्युत आपूर्ति सुचारू रखने हेतु अस्थायी ट्रांसफार्मर और 125 किलोवाट क्षमता के जनरेटरों के साथ-साथ घाटों व मंदिरों पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

घाटों पर कड़ी सुरक्षा, बैरिकेडिंग और सीसीटीवी से निगरानीः

यमुना नदी के किनारे आयोजित होने वाले इस मेले में कार्तिक पूर्णिमा स्नान के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहेंगे। नदी में गहरे जल के संकेतक, लाल झंडियां, रस्से, बैरिकेडिंग और अस्थायी वॉच टॉवर बनाए जाएंगे। निगरानी हेतु फ्लड पीएसी के स्टीमर और पर्याप्त गोताखोर तैनात रहेंगे। गौरी घाट पर 12 स्थायी तथा विभिन्न घाटों पर 4 अस्थायी चेंजिंग रूम बनाए जाएंगे। सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ रखने के लिए पुलिस द्वारा अस्थायी चौकियां स्थापित कर पूरे मेला क्षेत्र में सीसीटीवी कैमरों से निगरानी रखी जाएगी।

स्वास्थ्य, पेयजल, स्वच्छता एवं विकास प्रदर्शनियांः

मेले में चौबीस घंटे क्रियाशील रहने वाला अस्थायी चिकित्सालय स्थापित किया जाएगा, जिसमें चिकित्सक, एएनएम, एंबुलेंस, ऑक्सीजन, आवश्यक दवाएं और एंटी स्नेक वीनम उपलब्ध रहेगा। पशुधन के लिए अस्थायी पशु चिकित्सालय और 18 पेयजल हौदियों की व्यवस्था रहेगी। स्वच्छता बनाए रखने हेतु 25-25 सफाई कर्मियों की दो शिफ्टों में तैनाती, 100 अस्थायी शौचालय, कम्युनिटी टॉयलेट और नगर निगम के दो मोबाइल टॉयलेट उपलब्ध रहेंगे। इसके साथ ही शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं पर आधारित विभिन्न विभागों की विकास प्रदर्शनियां भी लगाई जाएंगी।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अमित कुमार, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) आजाद भगत सिंह, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) संदीप वर्मा, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अरुण श्रीवास्तव, अपर मुख्य अधिकारी (जिला पंचायत) मुकेश जैन, एसडीएम बाह विनोद चौधरी, एसीपी बाह जितेंद्र कुमार सहित सभी संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

'वन नेशन, वन इलेक्शन' विषय पर युवाओं ने रखे विचार

- मेरा युवा भारत और खेल मंत्रालय के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में लोकतांत्रिक मूल्यों और नेतृत्व क्षमता का विकास करना रहा

टीएनएफ टुडे, आगरा।

'मेरा युवा भारत' आगरा, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में सोमवार, 2 नवंबर 2026 को दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, आगरा में युवा संसद कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस वर्ष के कार्यक्रम का मुख्य विषय डल्ली Nation, One Election" (एक देश, एक चुनाव) निर्धारित किया गया था, जिस पर युवाओं ने बढ़-चढ़कर अपने विचार रखे।

लोकतांत्रिक मूल्यों और नेतृत्व क्षमता का विकासः

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं में लोकतांत्रिक मूल्यों, नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास, विचार अभिव्यक्ति एवं संसदीय कार्यप्रणाली की गहरी समझ विकसित करना तथा राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर युवाओं को संवाद के लिए एक सशक्त मंच प्रदान करना रहा। छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करते हुए चुनावी व्यवस्था, लोकतांत्रिक सहभागिता और प्रशासनिक प्रक्रियाओं से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर सारगर्भित



विचार रखे।

अतिथियों के विचारः

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डीन प्रो. एन.पी.एस. चंदेल ने अपने संबोधन में कहा कि युवाओं को ऐसे आयोजनों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए। युवा संसद जैसे कार्यक्रम नेतृत्व कौशल और प्रभावी ढंग से अपने विचार रखने की क्षमता विकसित करने में मील का पत्थर साबित होते हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिला युवा अधिकारी डॉ. श्रवण कुमार सहगल ने कहा कि युवा देश की सबसे बड़ी ऊर्जा हैं और लोकतांत्रिक व्यवस्था में उनकी सक्रिय सहभागिता अत्यंत आवश्यक है। यह मंच युवाओं को संसदीय प्रणाली को नजदीक से समझने और तर्कपूर्ण संवाद का अवसर देता है।

निर्णायक मंडल और विजेता प्रतिभागीः

कार्यक्रम के मूल्यांकन के लिए बनाए गए निर्णायक मंडल में राष्ट्रीय सेवा योजना समन्वयक डॉ. सनील कुमार, ज्योतिषाचार्य अखिलेश तिवारी, डॉ. हिमालय (सहायक प्रोफेसर, एसएन मेडिकल कॉलेज), डॉ. शैलेन्द्र सिंह चौधरी (विभागाध्यक्ष, एसएन मेडिकल कॉलेज) और मोनिका तिवारी (सहायक प्रोफेसर) ने अपनी भूमिका निभाई।

प्रतियोगिता के परिणाम इस प्रकार रहेः

प्रथम स्थानः कनक चौहान
द्वितीय स्थानः खुशबू मिश्रा
तृतीय स्थानः अतिशय जैन
चतुर्थ स्थानः सोनी चौधरी
पंचम स्थानः अर्शिया हाशमी

समारोह का सफल मंच संचालन सिमरित कौर एवं तनुजा द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में ह्यमेरा युवा भारतह्न के एनवाईवी अमन, कुलदीप, दीक्षा, अर्जुन, नितेश कुमारी, रवि, अर्चना, ब्रजमोहन, अंकित एवं आशा रानी सहित अन्य सहयोगियों का विशेष योगदान रहा। अंत में सभी अतिथियों, निर्णायक मंडल और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया गया।

भाकियू ने अधिशासी अभियंता को सौंपा ज्ञापन, पर्याप्त बिजली आपूर्ति की मांग

फतेहाबाद। रबी फसलों की बुवाई और सिंचाई के समय ग्रामीण क्षेत्रों में पर्याप्त विद्युत आपूर्ति न मिलने से नाराज भारतीय किसान यूनियन चौधरी चरण सिंह के प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को अधिशासी अभियंता फतेहाबाद को ज्ञापन सौंपा।

जिला प्रवक्ता प्रदीप सिंह के नेतृत्व में ज्ञापन देते हुए अधिशासी अभियंता शैलेंद्र कटियार को बताया कि बेहड़ी, गुबरौठ, रूपपुर,भदौरा, निबोहरा, फतेहाबाद और जगराजपुर सहित कई उपकेंद्रों से जुड़े गांवों की बदहाल बिजली व्यवस्था का मुद्दा उठाया गया। किसानों का आरोप है कि अघोषित कटौती, लो-वोल्टेज और ट्रिपिंग के कारण दिन में कई-कई घंटों तक ट्यूबवेल ठप पड़े हैं, जिससे सिंचाई बुरी तरह प्रभावित हो रही



है। संगठन ने मांग की कि कृषि कार्यों के लिए घोषित रोस्टर के अनुसार निर्बाध बिजली आपूर्ति की जाए। साथ ही निर्धारित शेड्यूल में कटौती होने पर उस अवधि के बराबर आपूर्ति का समय आगे बढ़ाया जाए।

अधिशासी अभियंता ने जल्द आपूर्ति में सुधार का आश्वासन दिया। वहीं भाकियू ने चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ, तो संगठन किसानों के साथ मिलकर व्यापक आंदोलन करेगा।

इस अवसर पर जिला प्रवक्ता प्रदीप सिंह, जिलाध्यक्ष वीरभान सिंह फौजी, जोगी गुर्जर, जितेंद्र सिंह, रोहित प्रताप, रामचित्र, रिंकू, खुशदीप, अशोक बघेल, रामू शर्मा और सोनू सहित कई किसान मौजूद रहे।

टीएनएफ टुडे मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड के लिए **धीरज शर्मा** द्वारा श्रीराम मार्केट फूलपुर अड्डा, देवरी रोड, फतेहाबाद आगरा से प्रकाशित एवं मुद्रक पवन पाठक द्वारा इम्प्रैशन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड गुरू का ताल सिकंदरा रोड आगरा से मुद्रित।
संपादक: धीरज शर्मा, फोनः 9412359817, E mail: tnftoday.com@gmail.com वेबसाइटः www.tnftoday.com
पंजीयन नं. UPHIN/25/A3702 (संपादक इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।)

सम्पादकीय

दिल्ली के सियासी अखाड़े में कांग्रेस और भाजपा की बयानबाजी का शोर, जनता के असली मुद्दों से भटकाव

राजधानी दिल्ली की राजनीतिक जमीन पर हालिया प्रदर्शनों के बाद जिस तरह से कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के नेताओं के बीच जुबानी जंग और तीखी बयानबाजी का दौर चल रहा है उसने एक बार फिर साबित कर दिया है कि हमारे राजनेताओं के लिए जनता के असल दर्द से ज्यादा एक-दूसरे पर कीचड़ उछालना अधिक महत्वपूर्ण है। एक तरफ विपक्षी दल कांग्रेस और उसके साथी सत्ता पक्ष को घेरने के लिए केवल कागजी आरोपों और मौसमी प्रदर्शनों का सहारा ले रहे हैं, तो दूसरी तरफ सत्ताधारी दल भाजपा भी अपनी जिम्मेदारियों से पल्ला झाड़ते हुए केवल राजनीतिक बयानबाजी और जुबानी हमलों से विपक्ष को नीचा दिखाने में लगी हुई है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि इस हाई-प्रोफाइल राजनीतिक ड्रामे और बयानबाजी की इस अंतहीन रस्साकशी के बीच आम आदमी की रोजमर्रा की परेशानियों, आसमान छूती महंगाई, बेरोजगारी और प्रदूषण जैसे गंभीर संकटों पर बात करने वाला आखिर कोई क्यों नहीं बचा है। कांग्रेस पार्टी और उसके नेतृत्व को यह समझना होगा कि केवल दिल्ली की सड़कों पर कुछ घंटों की भीड़ जुटाकर और तीखे बयान जारी करके जनता का खोया हुआ भरोसा वापस नहीं पाया जा सकता, बल्कि इसके लिए चौबीसों घंटे धरातल पर उतरकर ठोस संघर्ष करना पड़ता है। वहीं दूसरी तरफ, देश और प्रदेश की सत्ता संभाल रही भारतीय जनता पार्टी को भी यह अहंकार छोड़ना होगा कि हर नाकामी का ठीकरा विपक्ष के सिर फोड़कर या पुरानी सरकारों पर दोष मढ़कर उनकी अपनी जवाबदेही स्वतः समाप्त हो जाती है। यदि देश के राजनेता जनता के असली मुद्दों को छोड़कर केवल एक-दूसरे को नीचा दिखाने वाली इस निकृष्ट बयानबाजी के खेल में ही उलझे रहे, तो यह लोकतंत्र के बुनियादी सिद्धांतों के साथ एक बहुत बड़ा धोखा साबित होगा। समय की मांग यह है कि पक्ष और विपक्ष दोनों ही अपनी ओछी बयानबाजी की राजनीति को त्यागकर जनता के प्रति जवाबदेह बनें, अन्यथा जनता आने वाले समय में इन दोनों को ही सिरे से खारिज करने का काम करेगी।

अनसुने प्रसंग- क्षेपक कथा

जब देवर्षि नारद को भगवान ने जल में डुबोकर एक अनोखे स्त्री रूप में बारह वर्षों तक उलझा दिया था

श्रीमद्भागवत महापुराण और विभिन्न पौराणिक ग्रंथों के अध्यायों में देवर्षि नारद के जीवन से जुड़ी यह अत्यंत दुर्लभ और अनसुनी कथा भगवान की अचिंत्य माया के उस अचूक प्रभाव को दर्शाती है जिससे बड़े-बड़े ज्ञानी और तपस्वी भी भ्रमित हो जाते हैं। एक बार बैकुंठ धाम में देवर्षि नारद ने भगवान विष्णु से अत्यंत विनम्रता के साथ यह प्रार्थना की कि हे प्रभु मैं आपकी उस असीम और मोहक माया का दर्शन करना चाहता हूं जिसके वशीभूत होकर संपूर्ण संसार भ्रमित रहता है। भगवान श्रीकृष्ण और विष्णु जी मुस्कुराए और उन्होंने नारद जी से कहा कि मेरी इस माया का रहस्य बहुत गहरा है जिसे जानने के लिए तुम्हें मेरे साथ पृथ्वी लोक की एक यात्रा करनी होगी। भगवान विष्णु नारद जी को लेकर एक मरुस्थल के बीच पहुंचे और वहां एक स्वच्छ जलाशय देखकर उन्होंने नारद जी से कहा कि पहले तुम इस जल में स्नान करके आओ फिर मैं तुम्हें अपनी माया का स्वरूप दिखाता हूँ। जैसे ही देवर्षि नारद ने उस पवित्र जल में डुबकी लगाई, वैसे ही भगवान की अद्भुत लीला से उनका पुरुष शरीर तुरंत एक अत्यंत सुंदर और सुकुमार राजकुमारी के रूप में बदल गया। पानी से बाहर निकलते ही नारद जी अपनी उस बदली हुई काया को देखकर हैरान रह गए और उसी वक्त वहां से गुजर रहे एक प्रतापी पड़ोसी राज्य के राजा की नजर उस राजकुमारी पर पड़ी जो उन पर मोहित हो गए। राजा ने पूरी सम्मान के साथ उस राजकुमारी से विवाह किया और वे अपने राज्य ले गए जहां अगले कई वर्षों तक नारद जी एक रानी के रूप में राजसुख भोगते रहे और उनके कई संतानें भी हुईं। कुछ समय बाद उस राज्य पर भीषण आक्रमण हुआ जिसमें उनके सारे पुत्र और पति युद्ध में मारे गए तथा चारों तरफ कोहराम मच गया तथा चारों तरफ चीख-पुकार और आंसुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। वह स्त्री रूपी नारद जी अपने मृत परिजनों की चिता के पास बैठकर फूट-फूटकर विलाप करने लगे और तभी वहां एक वृद्ध ब्राह्मण के वेश में स्वयं भगवान प्रकट हुए। भगवान ने उस रोती हुई स्त्री से कहा कि हे देवी तुम किस लिए विलाप कर रही हो और यह जल की वह माया है जिसे तुम जानना चाहते थे, इतना सुनते ही नारद जी की आंखें खुल गईं। जब नारद जी ने उस जल से बाहर आकर देखा तो उन्हें अहसास हुआ कि बारह वर्षों का वह पूरा साम्राज्य, विवाह और परिवार केवल कुछ पल का एक मायाजाल था। यह पावन और अनसुना प्रसंग हमें यह अमर सीख देता है कि भगवान की माया इतनी शक्तिशाली है कि वह पलभर में बड़े-बड़े ऋषियों और ज्ञानियों को भी संसार के मोह-माया के बंधन में जकड़ सकती है।

यमुना दम तोड़ रही है, वादों की नदी बह रही है!

बृज खंडेलवाल



उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनावों की आहट के साथ एक सवाल उठना लाजिमी है। क्या मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से आगरा की जनता पूछेगी कि यमुना को साफ करने और शहर की समस्याएँ दूर करने के उनके वादों का क्या हुआ? क्या यमुना को निर्मल बनाने, पर्याप्त पानी दिलाने और आगरा में बैराज बनाने की घोषणाएँ जमीन पर उतरीं? या फिर ये वादे सरकारी फाइलों और चुनावी भाषणों में गुम हो गए?

आखिर आगरा कब तक इंतजार करेगा? ताजमहल के पीछे बहती यमुना कब नदी बनेगी, नाला नहीं? क्या चुनावी मंचों पर विकास की गंगा बहाने वाले नेता यमुना की बदहाली का जवाब भी देंगे?

भारत विकास की नई ऊँचाइयाँ छूने का दावा करता है। दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होने के सपने देखता है। मगर अपनी नदियों की हालत भी देखिए! कहीं नाले बह रहे हैं, कहीं जहरीला पानी जमा है। कहीं कारखानों का कचरा है, तो कहीं सरकारी महकमों की बेरुखी। विकास की चमक के पीछे पर्यावरण की बदसूरत तस्वीर छिपी है।

ब्रज मंडल की यमुना इस संकट का सबसे शर्मनाक उदाहरण है। जिस नदी को हम माँ कहते हैं, उसी को नालों का खुला दरिया बना दिया है।

दिल्ली पहुँचते ही यमुना का दम घुटने लगता है!

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) की 2025 की निगरानी रिपोर्ट नदी की असलियत बयान करती है। दिल्ली में प्रवेश करते समय पल्ला के पास यमुना की हालत अपेक्षाकृत बेहतर रहती है। पानी में घुली ऑक्सीजन का स्तर पाँच मिलीग्राम प्रति लीटर से ऊपर रहता है। लेकिन दिल्ली में दाखिल होते ही नदी की सांस फूलने लगती है।

ISBT, ITO, निजामुद्दीन और ओखला पहुँचते-पहुँचते पानी की हालत बेहद खराब हो जाती है। कई जगह ऑक्सीजन 0.3 मिलीग्राम प्रति लीटर तक गिर जाती है। जैविक प्रदूषण मापने वाला इडऊ स्तर 40 से 70 मिलीग्राम प्रति लीटर तक पहुँच जाता है। जबकि नहाने योग्य पानी के लिए यह तीन मिलीग्राम से कम होना चाहिए।

पानी में मल-मूत्र से जुड़े जीवाणुओं की संख्या लाखों से करोड़ों तक पहुँच जाती है। सुरक्षित सीमा मात्र 2,500 है। मथुरा और वृंदावन पहुँचने पर भी हालात नहीं सुधरते। यहाँ इडऊ आठ से पंद्रह मिलीग्राम प्रति लीटर तक दर्ज किया गया है। दिल्ली का प्रदूषण आखिर कब तक ब्रज की आस्था और सेहत को डुबोता रहेगा?

रोजाना हजारों लीटर गंदगी, सफाई के दावे!

दिल्ली हर दिन लगभग 3,596 मिलियन लीटर गंदा पानी पैदा करती है। शहर में 37 सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (STP) हैं। इनकी कुल क्षमता लगभग 3,474 MLD बताई जाती है। मगर क्षमता और वास्तविक सफाई में बड़ा फर्क है।

करीब 2,955 MLD पानी ही ट्रीट हो पाता है। लगभग 641 MLD गंदा पानी बिना पर्याप्त सफाई के नालों में बह जाता है। यही नाले आगे चलकर यमुना में जहर घोलते हैं।

मध्य 2025 के आकलन में केवल 23 प्लांट निर्धारित मानकों पर खरे उतरे। 14 प्लांट नियमों का पालन नहीं कर पाए। ऊपर से दिल्ली रोजाना 11 हजार टन से अधिक ठोस कचरा पैदा करती है। उसका पूरा निस्तारण नहीं होता। प्लास्टिक और गंदगी आखिरकार नदी तक पहुँचती है।

देशभर में गंदे पानी का कारोबार!

यह बीमारी केवल दिल्ली तक सीमित नहीं है। भारत रोजाना लगभग 70 से 72 अरब लीटर गंदा पानी पैदा करता है। लेकिन इसका उपचार मुश्किल से 28 प्रतिशत हो पाता है। बाकी पानी नदियों, तालाबों और जलस्रोतों पर बोझ बनता है।

नमामि गंगे योजना के तहत हजारों करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। वर्ष 2026 के मध्य तक 4,200 MLD से अधिक नई या सुधारी गई क्षमता का दावा किया गया। सैकड़ों परियोजनाएँ पूरी हुईं। कुछ इलाकों में औद्योगिक प्रदूषण पर लगाम भी लगी।

लेकिन कागजों पर बनी क्षमता और जमीन पर चलने वाली सफाई में अंतर है। कई प्लांट नियमित नहीं चलते। सीवर नेटवर्क अधूरे हैं। गंदा पानी चोरी-छिपे नदियों में छोड़ दिया जाता है। आखिर निगरानी करने वाले विभाग किस मर्ज की दवा हैं?

ताजमहल भी भुगत रहा है यमुना की सजा!

ब्रज में यमुना की बदहाली केवल पर्यावरण का मामला नहीं है। यह हमारी विरासत, संस्कृति और पर्यटन पर भी चोट है।

आगरा में ठहरे हुए प्रदूषित पानी के कारण कीड़ों के झुंड पनपते हैं। Goeldichironomus नामक कीड़े ताजमहल के आसपास मंडराते हैं। उनकी बीट से संगमरमर पर हरे और काले धब्बे पड़ते हैं। वर्ष 2026 में भी ताजमहल के उत्तरी हिस्से पर ऐसे दाग दोबारा दिखाई दिए। सड़ते जैविक कचरे से निकलने वाली हाइड्रोजन सल्फाइड गैस भी संगमरमर को नुकसान पहुँचाती है। एक अध्ययन में ताजमहल के पास यमुना की तलछट में प्रति किलोग्राम 800 तक माइक्रोप्लास्टिक कण मिले।

दुनिया ताजमहल की खूबसूरती देखने आती है। मगर उसके पीछे बहती यमुना की बदहाली देखकर क्या संदेश लेकर जाती होगी?

पानी नहीं होगा तो नदी कैसे बचेगी?

पर्यावरणविद डॉ देवाशीष भट्टाचार्य कहते हैं कि यमुना की सबसे बड़ी समस्या केवल गंदगी नहीं है। नदी में पर्याप्त पानी भी नहीं है। वजीराबाद बैराज के नीचे साल के अधिकांश समय नदी लगभग सूखी रहती है। राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान ने न्यूनतम 23 क्यूमेक पानी की सिफारिश की है। मगर वास्तविक प्रवाह इससे काफी कम रहता है।

पानी कम होगा तो गंदगी कैसे बहेगी? ऑक्सीजन कैसे बढ़ेगी? नदी अपने आपको साफ कैसे करेगी? ये प्रश्न करते हैं, डॉ हरेन्द्र गुप्ता, अध्यक्ष इंडियन मेडिकल एसोसिएशन, आगरा। पर्याप्त ताजा पानी नदी की जिंदगी है। उसके बिना सफाई के सारे प्रयास आधे-अधूरे रहेंगे।

सरकारें बदलती हैं, मगर घोषणाओं का सिलसिला नहीं बदलता। अक्टूबर 2026 में लगभग 9,000 करोड़ रुपये की परियोजनाएँ शुरू की गईं। लक्ष्य रखा गया कि 2029 तक यमुना साफ हो जाएगी।

यमुना को बचाने के लिए हर नाले का पानी साफ करना होगा। नदी में पर्याप्त ताजा पानी छोड़ना होगा। प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों और विभागों पर कार्रवाई करनी होगी। सभी राज्यों और एजेंसियों के बीच तालमेल बनाना होगा।

हर प्लांट की ऑनलाइन निगरानी हो। नियम तोड़ने वालों पर स्वतः जुमार्ना लगे। अफसरों की जवाबदेही भी तय होनी चाहिए। आखिर जनता के पैसे का हिसाब कौन देगा?

चुनाव आएँगे, सवाल भी उठेंगे!

रिवर कनेक्ट कैंपेन से जुड़ीं पद्मिनी अय्यर कहती हैं, "आगरा को केवल चमकते चौराहे और सजावटी रिवरफ्रंट नहीं चाहिए। शहर को जीवित यमुना चाहिए। उसे बैराज, पर्याप्त जलप्रवाह, गंदे नालों से मुक्ति और नदी की सफाई चाहिए।"

योगी सरकार से सवाल पूछना जनता का लोकतांत्रिक अधिकार है। चुनावी सभाओं में विकास की उपलब्धियाँ गिनाई जाएँगी। मगर यमुना की हालत भी उस विकास का हिस्सा है। आगरा को उम्मीद है कि इस बार घोषणाओं के बजाय ठोस काम का हिसाब मिलेगा। विकास का मतलब केवल चौड़ी सड़कें, चमकती इमारतें और ऊँचे पुल नहीं हैं। असली तरक्की तब होगी, जब हमारी नदियाँ साफ बहेंगी और ताजमहल के पीछे यमुना बदबू नहीं, खूबसूरती बिखेरेगी।

अब बहुत हो चुका! वादों की नदी बहाना बंद कीजिए। यमुना में पानी बहाइए। सीवेज रोकिए, प्रदूषण पर लगाम लगाइए और जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह बनाइए।

क्योंकि नदी मरती है तो केवल पानी नहीं मरता, पूरी सभ्यता दम तोड़ती है!

पत्रकारिता की स्वतंत्रता और निजता का अधिकारः डिजिटल कानून की कसौटी पर लोकतंत्र, जनहित और सच की आवाज

डॉ. दीपक गोस्वामी

क्या निजता की रक्षा करते हुए पत्रकारिता की स्वतंत्रता भी सुरक्षित रह सकती है? यही आज भारत के सामने एक महत्वपूर्ण लोकतांत्रिक और वैधानिक प्रश्न है। किसी नागरिक की निजी जानकारी की रक्षा करना कानून का दायित्व है, लेकिन भ्रष्टाचार, सार्वजनिक पद के दुरुपयोग और जनहित से जुड़े प्रश्नों को सामने लाना पत्रकारिता का दायित्व है। इन दोनों उद्देश्यों में टकराव नहीं होना चाहिए। आवश्यकता ऐसे संतुलन की है जिसमें व्यक्ति की गरिमा भी सुरक्षित रहे और सत्ता से सवाल पूछने का अधिकार भी कमजोर न पड़े।

भारत का डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम, 2023 इसी बहस का महत्वपूर्ण विषय है। इसका उद्देश्य डिजिटल व्यक्तिगत डेटा की सुरक्षा और उसके वैध प्रसंस्करण के लिए कानूनी व्यवस्था बनाना है। इसलिए इसे पत्रकारिता पर पूर्ण प्रतिबंध बताना गलत होगा। लेकिन पत्रकारिता के लिए स्पष्ट और व्यापक वैधानिक छूट का अभाव एक वास्तविक नीतिगत तथा संवैधानिक बहस अवश्य पैदा करता है।

कानून की वास्तविक स्थिति समझना जरूरी

यह अधिनियम 11 अगस्त 2023 को कानून बना, लेकिन इसकी सभी धाराएँ एक साथ लागू नहीं हुईं। केंद्र सरकार की 13 नवंबर 2025 की अधिसूचना के अनुसार कुछ प्रावधान उसी दिन से प्रभावी हुए, कुछ 13 नवंबर 2026 से और अनेक प्रमुख प्रावधान 13 मई 2027 से प्रभावी होने के लिए निर्धारित हैं। इसलिए यह कहना तथ्यात्मक रूप से गलत है कि पूरा कानून मई 2027 तक निष्क्रिय है। यह कहना भी गलत होगा कि इसके सभी दायित्व वर्तमान में पूरी तरह लागू हो चुके हैं।

अधिनियम का दायरा डिजिटल व्यक्तिगत डेटा तक है। इसमें भारत में डिजिटल रूप से एकत्र की गई जानकारी तथा पहले गैर-डिजिटल रूप में एकत्र करके बाद में डिजिटल बनाई गई व्यक्तिगत जानकारी भी शामिल हो सकती है। निर्धारित परिस्थितियों में भारत में वस्तुओं या सेवाओं की पेशकश से संबंधित विदेश में किया गया प्रसंस्करण भी इसके दायरे में आ सकता है। व्यक्तिगत या घरेलू उपयोग के लिए किया गया प्रसंस्करण तथा कानून में बताई गई शर्तों के अधीन स्वयं संबंधित व्यक्ति द्वारा सार्वजनिक की गई जानकारी कुछ अपवादों में आती है। इसका अर्थ यह नहीं कि इंटरनेट पर उपलब्ध हर जानकारी स्वतः इस अपवाद में शामिल हो जाती है।

पत्रकारिता के सामने वास्तविक चुनौती

कानून में पत्रकारिता के लिए कोई सामान्य और व्यापक स्वतंत्र छूट स्पष्ट रूप से नहीं दी गई है। यदि कोई समाचार संस्थान व्यक्तिगत डेटा के प्रसंस्करण का उद्देश्य और साधन निर्धारित करता है, तो परिस्थितियों के अनुसार वह डेटा न्यासी की भूमिका में आ सकता है। हालांकि प्रत्येक पत्रकार या प्रत्येक समाचार प्रकाशन को बिना परिस्थितियाँ देखे स्वतः डेटा न्यासी मानना उचित नहीं है।

अधिनियम में व्यक्तिगत डेटा के प्रसंस्करण के लिए वैध आधार निर्धारित हैं। सहमति आधारित प्रसंस्करण में सहमति स्वतंत्र, विशिष्ट, सूचित, बिना शर्त, स्पष्ट और सकारात्मक होनी चाहिए। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि भ्रष्टाचार की पड़ताल प्रकाशित करने से पहले पत्रकार को संबंधित अधिकारी से अनिवार्य अनुमति लेनी होगी। अधिनियम में ऐसा कोई सार्वभौमिक आदेश नहीं है।

वास्तविक चिंता यह है कि खोजी पत्रकारिता में दस्तावेजों, डिजिटल संदेशों और अन्य व्यक्तिगत जानकारी का उपयोग कभी-कभी व्यापक जनहित में आवश्यक हो सकता है। ऐसी परिस्थितियों में पत्रकारिता के लिए स्पष्ट वैधानिक सुरक्षा न होने से कानूनी अनिश्चितता पैदा हो सकती है। यह संभावित प्रभाव का विश्लेषण है, किसी खबर के स्वतः अवैध हो जाने का निष्कर्ष नहीं।

अपवाद और उनकी सीमाएँ

अधिनियम की धारा 17 में कुछ विशिष्ट परिस्थितियों के लिए छूट दी गई है। इनमें कानूनी अधिकार या दावे का प्रवर्तन, न्यायालयों और नियामक संस्थाओं के कार्य तथा अपराधों की रोकथाम, जाँच और अभियोजन जैसी परिस्थितियाँ शामिल हैं। अनुसंधान, अभिलेखीकरण और सांख्यिकीय उद्देश्यों के लिए भी निर्धारित शर्तों के अधीन छूट का प्रावधान है। लेकिन इन अपवादों को स्वतंत्र पत्रकारिता के लिए सार्वभौमिक छूट मानना सही नहीं होगा। यह धारा 13 मई 2027 से प्रभावी होने के लिए निर्धारित है।

भारत को जनहित में सद्भावपूर्वक की गई खोजी पत्रकारिता, सार्वजनिक पद के दुरुपयोग की पड़ताल और भ्रष्टाचार से संबंधित प्रमाणों के जिम्मेदार प्रकाशन के लिए स्पष्ट तथा सीमित वैधानिक सुरक्षा पर विचार करना चाहिए। ऐसी सुरक्षा निजता के अनावश्यक उल्लंघन का अधिकार भी नहीं बननी चाहिए।

सूचना का अधिकार और निजता का संतुलन

अधिनियम की धारा 44(3) ने सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा 8(1)(j) में संशोधन किया है। यह संशोधन 13 नवंबर 2025 से प्रभावी हो चुका है। पुरानी व्यवस्था में व्यक्तिगत जानकारी और सार्वजनिक हित के बीच संतुलन की स्पष्ट भाषा थी। संशोधन के बाद व्यक्तिगत जानकारी से संबंधित सूचना को अपवाद के रूप में रखा गया है।

फिर भी यह कहना गलत है कि सूचना का अधिकार समाप्त हो गया है। आरटीआई अधिनियम की धारा 8(2) अब भी यह व्यवस्था देती है कि जहाँ व्यापक सार्वजनिक हित में सूचना का प्रकटीकरण संरक्षित हितों को होने वाली संभावित क्षति से अधिक महत्वपूर्ण हो, वहाँ सूचना दी जा सकती है। नई कानूनी भाषा के कारण निजता और पारदर्शिता के बीच संतुलन की व्याख्या आगे महत्वपूर्ण होगी।

सरकारी सूचना माँगने की शक्ति और जवाबदेही

अधिनियम की धारा 36 और नियम 23 में सरकार द्वारा निर्धारित परिस्थितियों में जानकारी माँगने की व्यवस्था है। नियम 23 में इसके प्रयोजन और प्रक्रिया का उल्लेख है। कुछ विशेष परिस्थितियों में सूचना माँगे जाने की बात संबंधित व्यक्ति से गोपनीय रखने का निर्देश भी दिया जा सकता है। लेकिन इन प्रावधानों को सरकार द्वारा किसी भी पत्रकार से किसी भी समय, बिना सीमा के, हर निजी संवाद या स्रोत की जानकारी माँगने की असीमित शक्ति बताना गलत होगा। धारा 36 और नियम 23 के संबंधित प्रावधान 13 मई 2027 से प्रभावी होने के लिए निर्धारित हैं।

पत्रकारों के गोपनीय स्रोतों की सुरक्षा और सूचना माँगने की सरकारी शक्तियों पर स्वतंत्र निगरानी के विषय में स्पष्ट तथा प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था आवश्यक है।

सितारों की चाल: आपका भविष्यफल

दिनांक 04 नवंबर 2026 बुधवार

कल का दिन कैसा होगा? इसकी तैयारी आज ही करें!

प्रिय पाठकों, TNF टुडे हमेशा आपकी सुविधा को सर्वोपरि रखता है। इसी उद्देश्य से हम आपको एक दिन अग्रिम (Advance) राशिफल प्रदान कर रहे हैं ताकि आप अपने महत्वपूर्ण कार्यों, बैठकों और यात्राओं की योजना आज रात ही बना सकें। सितारों की चाल जानकर संभावित चुनौतियों के प्रति पहले से सजग रहना ही सफलता की पहली सीढ़ी है।



मार्गदर्शनः आचार्य दीदी
डॉ. सरस्वती देवकृष्ण गौड़
(एस्ट्रो वास्तु शोधनम)
मो. 9119336673

शुभकार्य हेतु आज का चंद्रबल

आज वृष मिथुन कन्या तुला वृश्चिक और मीन राशि के जातकों का मानसिक मनोबल और भाग्य का संबल अत्यंत उत्तम रहेगा। बुधवार का दिन विघ्नहर्ता भगवान गणेश और बुद्धि के कारक ग्रह बुध की आराधना के लिए परम पवित्र और अक्षय फलदायी माना जाता है। आज के दिन गणेश मंदिर में जाकर भगवान को दूर्वा और मोदक अर्पित करने तथा गणेश अथर्वशीर्ष का पाठ करने से जीवन के सभी संकट दूर होते हैं और अटूट बुद्धि तथा ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है।

मेष

आज कार्यक्षेत्र में आपके पराक्रम और नेतृत्व क्षमता की खुलकर सराहना होगी जिससे आपका प्रभाव काफी बढ़ेगा। आर्थिक मामलों में किए गए पूर्व प्रयासों से अचानक बड़ा धन लाभ होने की पूरी संभावना बन रही है। गणेश जी को दूर्वा अर्पित करें जिससे आपके सभी संकट दूर हों।

वृष

आज व्यापार में किसी नए प्रोजेक्ट पर काम शुरू करने का बहुत ही अनुकूल समय है और कला जगत से जुड़े लोगों को बड़ी सफलता मिलेगी। पारिवारिक जीवन में सुख और शांति का वातावरण बना रहेगा जिससे आपका मन प्रफुल्लित रहेगा। मंदिर में हरी मूंग की दाल दान करें जिससे आपके भाग्य के द्वार खुलेंगे।

मिथुन

आज आपकी बौद्धिक क्षमता और तार्किक शक्ति से आपके सभी जटिल और रुके हुए कार्य तेजी से हल होंगे। विद्यार्थियों के लिए आज का दिन अध्ययन और प्रतियोगिता परीक्षा में बड़ी सफलता दिलाने वाला रहेगा। गणेश स्तोत्र का नियमित पाठ करें जिससे आपकी संपत्ति और कार्यकुशलता में वृद्धि हो।

कर्क

आज भूमि भवन या अचल संपत्ति के क्रय-विक्रय से जुड़ा कोई रुका हुआ मामला सुलझने से मन में उत्साह रहेगा। माता-पिता का भरपूर स्नेह और मार्गदर्शन प्राप्त होगा जो आपके लिए बहुत लाभदायक रहेगा। मंदिर में हरे रंग की वस्तु भेंट करें जिससे आपके घर में सुख समृद्धि का वास हो।



सिंह

आज समाज और कार्यक्षेत्र में आपके वर्चस्व तथा मान-सम्मान चरम पर होगा और विरोधी आपके सामने टिक नहीं पाएंगे। आय के नए स्रोत बनने से आपकी आर्थिक स्थिति पहले से अधिक मजबूत और सुदृढ़ होगी। भगवान गणेश का जलाभिषेक करें जिससे आपके यश और कीर्ति में वृद्धि हो।

कन्या

आज आपकी आर्थिक स्थिति में बड़ा सुधार देखने को मिलेगा और लंबे समय से रुका हुआ धन वापस मिलेगा। व्यापारियों को नए व्यावसायिक अनुबंध मिलने की पूरी संभावना बन रही है। गाय को हरा चारा खिलाएं जिससे आपके मार्ग की सभी रुकावटें दूर हों।

तुला

आज कला संस्कृति और मीडिया से जुड़े जातकों को बड़ी सफलता मिलेगी और भरपूर जनसमर्थन प्राप्त होगा। दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी और जीवनसाथी के साथ किसी मांगलिक कार्य में भाग लेंगे। किसी जरूरतमंद को हरे वस्त्र दान करें जिससे आपके जीवन में शांति बनी रहे।

वृश्चिक

आज आपके सोचे हुए सभी शासकीय और कानूनी कार्य बिना किसी रुकावट के समय पर पूरे होंगे। अपने स्वास्थ्य का थोड़ा ध्यान रखें और दिनचर्या को पूरी तरह संयमित रखने का प्रयास करें। मंदिर में मोदक का भोग लगाएं जिससे आपके सभी विरोधी और शत्रु शांत रहें।

धनु

आज भाग्य का पूरा साथ मिलने से आपके सभी अटके हुए प्रोजेक्ट तेजी से आगे बढ़ेंगे और मन प्रफुल्लित रहेगा। धार्मिक गतिविधियों और सेवा कार्यों में आपकी गहरी रुचि रहेगी जिससे आत्मिक शांति मिलेगी। गणेश जी के मंदिर में दीपक जलाएं जिससे आपके मार्ग प्रशस्त हों।

मकर

आज नौकरीपेशा लोगों को पदोन्नति या नई जिम्मेदारी मिलने के बहुत ही सुंदर योग बन रहे हैं। पैतृक संपत्ति से जुड़ा कोई पुराना विवाद आपसी बातचीत से सुलझ सकता है। बुधवार का व्रत रखें जिससे आपके करियर की बाधाएं समाप्त होंगी।

कुंभ

आज आध्यात्मिक और सामाजिक कार्यों में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी और किसी महत्वपूर्ण यात्रा का योग बनेगा। व्यावसायिक साझेदारों के साथ संबंध मजबूत होंगे जिससे व्यापार में बड़ा मुनाफा मिलेगा। गणेश चालीसा का पाठ करें जिससे आपकी आर्थिक स्थिति और अधिक मजबूत हो।

मीन

आज आर्थिक लेन-देन में पूरी सावधानी बरतें और किसी भी अनजान योजना में सोच-समझकर ही पैसा लगाएं। पारिवारिक माहौल सुखद रहेगा और जीवनसाथी का पूरा सहयोग आपके साथ बना रहेगा। भगवान गणेश के दर्शन करके दिन की शुरुआत करें जिससे आपके सभी मानसिक तनाव दूर हों।

आज का वास्तु शोधनम सूत्र

बुधवार के दिन घर की उत्तर दिशा को पूरी तरह स्वच्छ रखकर वहां हरे रंग का पौधा लगाने तथा मुख्य द्वार पर गणपति की छोटी तस्वीर या सुपारी स्थापित करने से घर का गंभीर वास्तु दोष समाप्त होता है तथा भगवान गणेश की कृपा से घर में बुद्धि, व्यापार में वृद्धि और स्थायी सुख-शांति का वास होता है।

यम द्वितीया पर्व की तैयारियों को लेकर नगर आयुक्त ओजस्वी राज आदि ने किया निरीक्षण

स्वच्छता, सुरक्षा एवं श्रद्धालुओं की सुविधाओं को लेकर सभी विभागों को दिए आवश्यक निर्देश

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।



11 नवंबर 2026 को मनाए जाने वाले यम द्वितीया पर्व के सफल आयोजन हेतु नगर निगम मथुरा-वृंदावन द्वारा आवश्यक तैयारियों को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से नगर निगम कार्यालय, भूतेश्वर में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक में निर्देशित किया गया कि पूर्व वर्षों की भांति इस वर्ष भी यम द्वितीया पर्व पर नगर निगम के जलकल, प्रकाश, निर्माण एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ समयबद्ध रूप से पूर्ण की जाएँ।

विशेष निदेर्शों में निम्न बिंदु सम्मिलित रहे :

यमुना नदी के दोनों किनारों पर बैरिकेडिंग, चेंजिंग रूम, गोताखोर एवं स्टीमर की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

घाटों की सफाई, मरम्मत, सजावट एवं प्रकाश व्यवस्था बेहतर तरीके से कराई जाए।

नगर स्वास्थ्य अधिकारी एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि गंगा दशहरा से पूर्व यमुना नदी में डी-सिल्टिंग (गाद हटाने) का कार्य पूर्ण कर लिया जाए।

मुख्य अभियंता (निर्माण) को घाटों एवं आसपास की दीवारों पर वॉल पेंटिंग के माध्यम से सौंदर्यीकरण कराने के निर्देश दिए गए। साथ ही यमुना के घाटों से जुड़े मार्गों पर आवश्यकतानुसार पैचवर्क कराया जाए।

अधिशासी अभियंता (निर्माण) को यमुना नदी के दोनों किनारों पर स्थित सभी घाटों पर सुरक्षा की दृष्टि से बैरिकेडिंग की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

श्रद्धालुओं की सुरक्षा हेतु लाइफ जैकेट एवं अन्य सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराने तथा पर्याप्त संख्या में गोताखोरों की तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

गहरे जल वाले स्थानों पर चेतावनी संकेतक एवं बैनर लगाए जाएँ।

महिला एवं पुरुष श्रद्धालुओं के लिए पूर्णतः ढके हुए पृथक-पृथक चेंजिंग रूम स्थापित किए जाएँ।

घाटों के दोनों ओर खोया-पाया शिविर स्थापित किए जाएँ।

शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु पानी के टैंकर एवं मोबाइल टॉयलेट की व्यवस्था करने के निर्देश महाप्रबंधक जल श्री मोहम्मद अनवर ख्वाजा को दिए गए।

घाटों एवं उनसे जुड़े मार्गों पर किसी भी प्रकार की जलभराव की समस्या न हो, इसके लिए अधिशासी महाप्रबंधक जल को विशेष निर्देश दिए गए।

घाटों एवं उनसे जुड़े मार्गों की सफाई के लिए विशेष व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की जाएँ।

घाटों एवं उनसे जुड़े मार्गों पर समुचित प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु प्रकाश विभाग की लिपिक को आवश्यक निर्देश दिए गए।

स्वच्छता एवं व्यवस्थाओं पर विशेष बल सभी घाटों एवं उनसे जुड़े मार्गों पर 24 घंटे उच्चस्तरीय सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा निरंतर चूना छिड़काव कराने हेतु नगर स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित किया गया, ताकि श्रद्धालुओं को स्वच्छ, सुरक्षित एवं सुखद वातावरण उपलब्ध हो सके।

नगर आयुक्त द्वारा सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि पर्व से पूर्व समस्त व्यवस्थाएँ निर्धारित समयावधि में पूर्ण कर ली जाएँ तथा सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें, जिससे यम द्वितीया पर्व का आयोजन सुचारु एवं सफलतापूर्वक संपन्न हो सके।

बैठक में समाजसेवी गोपेश्वर नाथ चतुर्वेदी, पार्षद संतोष पाठक, यतेंद्र माहौर, सम्माननीय नागरिक गोपाल चतुर्वेदी, सिटी मजिस्ट्रेट अनुपम कुमार मिश्र, अपर नगर आयुक्त श्रीमती सुनीता सिंह, श्रीमती प्रियंका सिंह एवं अनिल कुमार, सहायक नगर आयुक्त अनुज कौशिक, मुख्य अभियंता (निर्माण) संजय सिंह, महाप्रबंधक जल मोहम्मद अनवर ख्वाजा, कर निर्धारण अधिकारी अरविंद, अधिशासी अभियंता (निर्माण) अमरेंद्र गौतम, नगर स्वास्थ्य अधिकारी रामगोपाल सिंह, क्षेत्रीय स्वास्थ्य अधिकारी महेश चंद्र, सहायक अभियंता सोमेश सिंह, अवर अभियंता (निर्माण) विभोर, सफाई निरीक्षक राजकुमार लवानिया, सुभाष, निहाल सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

रिफाइनरी में 801 इंजीनियर रेजिमेंट की टीम ने किया तकनीकी अभ्यास



मथुरा। राष्ट्र की ऊर्जा आवश्यकताओं की निरंतर पूर्ति तथा महत्वपूर्ण तेल प्रतिष्ठानों की सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के तहत मथुरा रिफाइनरी में 2 नवम्बर 2026 को 801 इंजीनियर रेजिमेंट आगरा फोर्ट की टीम के लिए एक दिवसीय तकनीकी अभ्यास-सह-परिचय कार्यक्रम आयोजित किया गया।

ट्रेनिंग वर्ष 2026-27 के अंतर्गत अळउ-क्क का हिस्सा रहे इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को रिफाइनरी के परिचालन कार्यों, महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील प्रतिष्ठानों, सुरक्षा व्यवस्था, आपातकालीन प्रतिक्रिया तंत्र तथा देश की महत्वपूर्ण तेल एवं ऊर्जा परिसंपत्तियों के संरक्षण में रिफाइनरी की भूमिका से संबंधित व्यावहारिक जानकारी प्रदान करना था।

कार्यक्रम के दौरान 801 इंजीनियर रेजिमेंट (फ&ढ) की टीम ने मथुरा रिफाइनरी की विभिन्न परिचालन एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं से संबंधित जानकारी प्राप्त की। अभ्यास का समन्वय लेफ्टिनेंट कर्नल यद राम बघेल एवं कैप्टन मनीष रोहित ने रेजिमेंट के ट्रेनिंग ऑफिसर के साथ किया। यह कार्यक्रम रेजिमेंट के कमांडिंग ऑफिसर के मार्गदर्शन में मथुरा रिफाइनरी के प्रशिक्षण केंद् में आयोजित किया गया।

मथुरा रिफाइनरी के वरिष्ठ प्रबंधन ने अभ्यास में 801 इंजीनियर रेजिमेंट की टीम द्वारा प्रदर्शित सक्रिय सहभागिता एवं सीखने के प्रति उत्साह की सराहना की। इस प्रकार के कार्यक्रम विभिन्न संस्थानों के बीच बेहतर समन्वय विकसित करने तथा महत्वपूर्ण राष्ट्रीय ऊर्जा परिसंपत्तियों की सुरक्षा एवं आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने की तैयारियों को सुदृढ़ करने में सहायक हैं।

मथुरा में पांच अधिकारियों के कार्यक्षेत्र बदले, सलोनी उप जिलाधिकारी न्यायिक गोवर्धन बनीं

मथुरा। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने जनहित एवं शासकीय कार्यहित में पांच प्रशासनिक अधिकारियों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया है। इस संबंध में सोमवार को आदेश जारी कर तत्काल प्रभाव से नई तैनाती लागू कर दी गई है। जारी आदेश के अनुसार सुश्री सलोनी गौतम को उप जिलाधिकारी (न्यायिक) गोवर्धन बनाया गया है। संजय सिंह को उप जिला मजिस्ट्रेट गोवर्धन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। साक्षी शर्मा को उप जिला मजिस्ट्रेट छाता बनाया गया है। अखिलेश कुमार को उप जिलाधिकारी (न्यायिक) महावन और अश्वनी कुमार को उप जिलाधिकारी (न्यायिक) सदर मथुरा के पद पर तैनात किया गया है। जिलाधिकारी ने आदेश में स्पष्ट किया है कि यह व्यवस्था तत्काल प्रभाव से लागू होगी। संबंधित अधिकारियों को नई तैनाती पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं।

बैक स्टेज सिविलिंग की प्रस्तुति ने बांधा समां

ब्रजरज उत्सव में धनतेरस और दीपावली पर दुकानदारों एवं शिल्पकारों की मांग पर बढ़ाई तीन दिन की अवधि

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।



ब्रजरज उत्सव के सांस्कृतिक कार्यक्रमों की अंतिम बेला में सोमवार को बैक स्टेज सिविलिंग की प्रस्तुति आकर्षण का केंद्र रही। कलाकारों ने अपनी कलात्मक अभिव्यक्ति, संगीत और मंचीय प्रस्तुति के अनूठे संगम से दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया। दर्शकों ने तालियां बजाकर कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। इधर, दुकानदारों एवं शिल्पकारों की मांग पर ब्रजरज उत्सव को तीन दिन के लिए और बढ़ा दिया गया है।

परिषद के डिप्टी सीईओ सतीश चंद्र ने बताया कि धौली प्याऊ स्थित रेलवे ग्राउंड पर आयोजित उत्सव में अब प्रदर्शनी, फूड कोर्ट, हस्तशिल्प एवं उत्पादों के स्टॉल 5 नवंबर तक संचालित होंगे। धनतेरस और दीपावली पर्व को देखते हुए दुकानदारों एवं शिल्पकारों ने मेले की अवधि बढ़ाने का अनुरोध किया था। केंद्र और राज्य सरकार की प्राथमिकता में शामिल स्थानीय उत्पादों और हस्तशिल्प को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है।

उन्होंने बताया कि 23 अक्टूबर से आयोजित ब्रजरज उत्सव के बाजार में 150 दुकानें लगाई गई हैं। इनमें देश के विभिन्न राज्यों के हस्तशिल्प, पारंपरिक परिधान, खानपान और स्थानीय उत्पादों को स्थान दिया गया है। हिमाचल, कश्मीर, त्रिपुरा, राजस्थान, गुजरात और कर्नाटक सहित कई राज्यों के कारीगरों एवं उद्यमियों ने अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया। बाजार में उत्तर प्रदेश के एक जनपद एक उत्पाद (ओडीओपी) योजना के तहत तैयार उत्पादों के साथ स्थानीय हस्तशिल्प और पारंपरिक वस्तुएं भी आकर्षण का केंद्र रहीं।

मेले के बाजार के माध्यम से सरकार की 'लोकल फॉर वोकल' और स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने की पहल को भी मंच मिला। स्थानीय कारीगरों, शिल्पकारों और छोटे उद्यमियों को अपने उत्पादों के प्रदर्शन एवं बिक्री का अवसर मिला। दीपावली के मद्देनजर हस्तनिर्मित वस्तुओं, पारंपरिक उत्पादों और स्वदेशी सामान की खरीदारी के लिए भी लोगों को एक ही परिसर में विविध विकल्प उपलब्ध कराए गए।

उत्सव में ब्रज की धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत के साथ लोककलाओं, संगीत और साहित्य को मंच मिला। स्थानीय लोक कलाकारों और स्ट्रीट परफॉर्मर्स ने भी अपनी प्रतिभा दिखाई। गोकुल गांव की थीम, सेल्फी प्वाइंट, झूले, खादी के आधुनिक परिधान, सांझी कला और चित्रांकन दर्शकों के आकर्षण का केंद्र रहे।

यातायात नियमों का पालन आपसे शुरू, सुरक्षित सफर की जिम्मेदारी भी आपकी



टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

- एसपी सिटी मथुरा की वाहन चालकों से अपील, यातायात नियमों का पालन कर सुरक्षित यात्रा करें

जनपद मथुरा पुलिस द्वारा आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के लिए अपील की जा रही है। एसपी सिटी मथुरा ने सभी वाहन चालकों से यातायात नियमों का पालन करने की अपील करते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा की शुरूआत स्वयं से होती है।

उन्होंने कहा कि दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनें, चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट का प्रयोग करें तथा निर्धारित गति सीमा का पालन करें। वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल न करें और नशे की हालत में वाहन चलाने से बचें। साथ ही, यातायात संकेतों और सड़क पर बने नियमों का पालन करें।

एसपी सिटी मथुरा ने संदेश दिया कि यातायात नियमों का पालन केवल चालान से बचने के लिए नहीं, बल्कि अपनी और दूसरों की जिंदगी सुरक्षित रखने के लिए जरूरी है।

जनपद मथुरा पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे स्वयं यातायात नियमों का पालन करें और दूसरों को भी इसके लिए जागरूक करें, ताकि सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके।

आठ वर्षीय मासूम बच्चे को पुलिस की सक्रियता से परिजनों को किया सुपुर्द

मथुरा। शहर कोतवाली क्षेत्र की कृष्णा नगर चौकी पुलिस ने संवेदनशीलता और तत्परता दिखाते हुए देररात सड़क पर भटक रहे आठ वर्षीय मासूम बालक को सकुशल उसके परिजनों से मिला दिया। परिवार से मिलने के बाद बच्चा बेहद खुश नजर आया।

वहीं अपने खोए हुए बच्चे को सुरक्षित पाकर परिजनों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। परिजनों ने पुलिस की कार्यशैली और मानवीय व्यवहार की जमकर सराहना की। कृष्णा नगर चौकी प्रभारी संजीव कुमार ने बताया कि देर रात एक आतँवर्षीय बालक क्षेत्र की सड़कों पर रोता हुआ अकेला भटक रहा था और काफी डरा सहमा हुआ था। इसी दौरान पुलिस को बालक के अकेले घूमने की जानकारी मिली। पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर बच्चों को अपने संरक्षण में लिया और सुरक्षित कृष्णा नगर चौकी लेकर पहुंची। पुलिस टीम ने कई घंटे तक मशक्कत की और आसपास के क्षेत्रों में जानकारी जुटाना के साथ अन्य माध्यमों से भी बच्चों के परिवार का पता लगाने का प्रयास किया। आखिरकार पुलिस को सफलता मिली और बच्चे के परिजनों की जानकारी हो गई। इसके बाद उन्हें चौकी बुलाकर बच्चों को सकुशल उनके सुपुर्द कर दिया गया। काफी देर से अपने बच्चों को तलाश रहे परिजनों ने उसे सुरक्षित देखकर राहत की सांस ली बच्चों के चेहरे पर भी परिवार को देखकर खुशी दिखाई दी परिजनों ने कृष्ण नगर पुलिस चौकी का आभार जताते हुए उसकी तत्परता और संवेदनशीलता की प्रशंसा की।

सुबह 11:30 बजे से कृषि यंत्रों की बुकिंग पर ई-लॉटरी की प्रक्रिया शुरू

आगरा। कृषि विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा संचालित विभिन्न विभागीय योजनाओं के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए कृषि यंत्रों की बुकिंग कराने वाले जनपद के कृषकों के लिए महत्वपूर्ण सूचना जारी की गई है। उपनिदेशक कृषि मुकेश कुमार ने बताया कि जिन कृषक बंधुओं ने 7 अक्टूबर से 27 अक्टूबर 2026 तक विभागीय पोर्टल पर कृषि यंत्रों हेतु ऑनलाइन बुकिंग की है और लक्ष्य से अधिक आवेदन होने के कारण जिनके टोकन कन्फर्म नहीं हो सके हैं, उनका चयन ई-लॉटरी के माध्यम से किया जाएगा।

- 7 से 27 अक्टूबर तक बुकिंग कराने वाले कृषकों की उपस्थिति में जिलाधिकारी की अध्यक्षता वाली जिला स्तरीय समिति कराएगी लॉटरी

शासन द्वारा निर्धारित प्रावधानों के क्रम में यह ई-लॉटरी प्रक्रिया मंगलवार, 3 नवंबर 2026 को प्रातः 11:30 बजे से संजय प्लेस स्थित विकास भवन सभागार में निष्पादित की जाएगी। यह संपूर्ण प्रक्रिया जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित जिला स्तरीय समिति की पारदर्शी उपस्थिति में संपन्न होगी।

उपनिदेशक कृषि ने जनपद के उन सभी संबंधित कृषक बंधुओं से अपील की है, जिन्होंने उक्त अवधि में विभिन्न कृषि यंत्रों हेतु आवेदन किया है, वे निर्धारित तिथि, समय एवं स्थान (विकास भवन सभागार, संजय प्लेस) पर उपस्थित होकर ई-लॉटरी प्रक्रिया में सहभागिता सुनिश्चित करें।

ब्रजवासियों के निष्काम प्रेम और सेवा भाव से अभिभूत हुए राधारानी ब्रजयात्रा के यात्री

धानौता में बुलडोजर से हुई पुष्पवर्षा, बैंडबाजों के साथ अगवानी कर ग्रामीणों ने अपने भट्ठे पर कराया यात्रियों का प्रवास

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।



ब्रजभूमि का कण-कण प्रेम और भक्ति से सराबोर है। यहां की रज में भी भगवान श्रीकृष्ण और श्रीराधारानी की लीलाओं की अनुभूति होती है। ब्रज का यही प्रेम और आत्मीयता है, जो यहां आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु को अपना बना लेती है। राधारानी ब्रजयात्रा के धानोता पड़ाव पर ब्रजवासियों के इसी निष्काम प्रेम, सेवा और समर्पण के भाव ने यात्रियों को भावविभोर कर दिया।

यात्रा के दौरान मान मंदिर के कार्यकारी अध्यक्ष राधाकांत शास्त्री ने यात्रियों को संबोधित करते हुए कहा कि ब्रजभूमि का प्रत्येक रज कण साक्षात परब्रह्म के स्वरूप का अनुभव कराता है, क्योंकि परमात्मा स्वयं प्रेम स्वरूप हैं और उस दिव्य प्रेम की पराकाष्ठा ब्रजभूमि में देखने को मिलती है। उन्होंने कहा कि यात्रियों का ग्रामीणों से कोई पारिवारिक संबंध नहीं होता, फिर भी ब्रजवासी जिस आत्मीयता और निष्काम भाव से उनकी सेवा करते हैं, वैसी सेवा तो कई बार सगे-संबंधी भी नहीं कर पाते।

यात्रा के भिडूखी पहुंचने पर ग्रामीणों ने श्रद्धा और उत्साह के साथ यात्रियों का स्वागत किया। यात्रियों ने गांव स्थित सिद्ध बाबा मंदिर में दर्शन किए। इस अवसर पर ग्राम प्रधान ने भी यात्रा का स्वागत किया। इसके बाद यात्रा बांसे पहुंची, जहां प्रभातफेरी मंडल के सदस्यों ने पुष्पवर्षा, माल्यार्पण और बालभोग के साथ यात्रियों का सत्कार किया।

बांसे में बाबा नृसिंह दास ने शेषशायी भगवान की प्राकट्य लीला का प्रसंग सुनाते हुए बताया कि गांव के सरोवर से ही शेषशायी भगवान का प्राकट्य हुआ था। इसके बाद उन्हें शेषशायी मंदिर में विराजमान कराया गया। मंदिर में दर्शन के दौरान भक्त बालक दीपक ने यात्रियों के लिए हलवे का प्रसाद वितरित कर सेवा की। पौड़ानाथ शेषशायी भगवान के दर्शन करने के बाद यात्रा बरका पहुंची, जहां ग्रामीणों ने बालभोग कराकर यात्रियों का स्वागत किया। इस अवसर पर आचार्य महेश शर्मा ने प्रभातफेरी मंडल के सदस्यों को संबोधित करते हुए हरिनाम संकीर्तन की महिमा बताई।

यात्रा का धानोता पहुंचने पर ऐसा आत्मीय स्वागत हुआ, जिसने ब्रज के अतिथि सत्कार की अनूठी छटा बिखेर दी। गांव के विष्णु स्वरूप और देवेंद्र चौधरी ने बुलडोजर के माध्यम से पुष्पवर्षा कराई। बैंडबाजों की मधुर धुनों के बीच यात्रियों की अगवानी की गई। ग्रामीणों ने अपने भट्ठे पर यात्रियों के रात्रि विश्राम की व्यवस्था की और सभी को स्वादिष्ट भोजन कराया। ब्रज की परंपरा के अनुरूप किए गए इस आत्मीय सत्कार से यात्री अभिभूत नजर आए।

यात्रा के ब्रजदास एवं महंत ब्रजशरण दास ने ग्रामीणों की सेवा भावना और व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि ब्रजवासियों का यही प्रेम और समर्पण ब्रजयात्रा की सबसे बड़ी पूंजी है। यहां श्रद्धालुओं को केवल दर्शन ही नहीं, बल्कि ब्रज की उस प्रेममयी संस्कृति का साक्षात्कार भी होता है, जिसमें अतिथि को अपना मानकर उसकी सेवा करना ही सबसे बड़ा धर्म है।

डांस और सुरों के संग सजी 'आजादी के महोत्सव' की शाम

'आजादी का महोत्सव सीजन-5' में 200 प्रतिभागियों ने दिखाया दम, डांस और सिंगिंग में देशभर से पहुंचे कलाकार

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।



किसी ने डांस की शानदार प्रस्तुति से मंच पर रंग जमाया तो किसी ने अपनी आवाज का जादू बिखेरा। मौका था एमएस इवेंट्स की ओर से आयोजित ह्यआजादी का महोत्सव सीजन-5ह्ल के ग्रैंड फिनाले का। शास्त्रीपुरम स्थित बलूनी पब्लिक स्कूल में 31 अक्टूबर की शाम सात बजे शुरू हुआ यह आयोजन एक नवंबर की सुबह चार बजे तक चला। करीब नौ घंटे तक चले कार्यक्रम में 200 प्रतिभागियों ने डांस और सिंगिंग प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। खास बात यह रही कि प्रतियोगिता में केवल आगरा ही नहीं, बल्कि अलग-अलग शहरों, जिलों और राज्यों के साथ नेपाल से भी प्रतिभागी पहुंचे।

कार्यक्रम का शुभारंभ बलूनी पब्लिक स्कूल के चेयरमैन केपी सिंह, श्री मनकामेश्वर मंदिर के महंत योगेश पुरी और एमएस इवेंट्स के डायरेक्टर मोहर सिंह वर्मा ने दीप प्रज्वलित कर किया। महंत योगेश पुरी मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन एंकर मुस्कान खुशवाह ने किया।

प्रतियोगिता में डांस के लिए सेलिब्रिटी जज अनिकेत चौहान और सिंगिंग के लिए निर्णायक अंकित कुमार मौजूद रहे। प्रतिभागियों ने अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों का ध्यान खींचा। नेपाल, ओडिशा, मुंबई, फिरोजाबाद, एटा, इटावा, हाथरस और मैनपुरी सहित विभिन्न स्थानों से आए कलाकारों ने मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाई।

आयोजक पवन वर्मा के नेतृत्व में हुए इस आयोजन में कुल 65 हजार रुपये की नकद पुरस्कार राशि रखी गई थी। सभी प्रतिभागियों के लिए ट्राफी, प्रमाणपत्र और भोजन की व्यवस्था भी की गई थी। बलूनी पब्लिक स्कूल इस आयोजन से एसोसिएट रहा।

उज्ज्वला लाभार्थियों को निःशुल्क सिलेंडर रिफिल सब्सिडी का वितरण

आगरा। दीपावली के पावन पर्व के उपलक्ष्य में उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को बड़ी सौगात दी जा रही है। जिला आपूर्ति अधिकारी आनंद कुमार सिंह ने अवगत कराया है कि खाद्य एवं रसद विभाग के निदेर्शानुसार आज 3 नवंबर 2026 को अपरान्ह 04:00 बजे लखनऊ के लोकभवन सभागार से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा प्रदेश की उज्ज्वला लाभार्थियों को निःशुल्क रसोई गैस सिलेंडर रिफिल की सब्सिडी वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया जाएगा।

इस राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सजीव प्रसारण शहर के संजय प्लेस स्थित सूरसदन प्रेक्षागृह में किया जाएगा, जहां जनपद के चयनित लाभार्थियों को सब्सिडी का लाभान्वित किया जाएगा। जिलाधिकारी मनीष बंसल के निदेर्शों के क्रम में आयोजित होने वाले इस गरिमामयी कार्यक्रम में जिले के सभी जनप्रतिनिधिगण, मंत्रीगण, सांसद, विधायक, विधान परिषद सदस्य, महापौर और जिला पंचायत अध्यक्ष की विशेष रूप से उपस्थिति रहेगी।

जिलाधिकारी ने कार्यक्रम के सफल और सुव्यवस्थित आयोजन हेतु जिला पूर्ति अधिकारी और संबंधित विभागों को सभी आवश्यक तैयारियां समय से पूर्ण करने के कड़े निर्देश दिए हैं।

पेंशनर/पारिवारिक पेंशनर ऑनलाइन जीवन प्रमाण पत्र की सुविधा का लाभ उठाएं

मथुरा। वरिष्ठ कोषाधिकारी अतुल पांडेय ने कोषागार मथुरा से पेंशन आहरित करने वाले समस्त पेंशनरों/पारिवारिक पेंशनरों को सूचित किया है कि सभी पेंशनर/पारिवारिक पेंशनर ऑनलाइन जीवन प्रमाण-पत्र की सुविधा का उपयोग करते हुए **WWW.JEEVAN-PRAMAAN.GOV.IN** वेब साइट एवं JEEVAN PRAMAAN APP अथवा UMANG APP पर अपने-अपने जीवित प्रमाण-पत्रों को जमा करें, ताकि उन्हें कोषागार में आने जाने की असुविधा का सामना न करना पड़ें। उपरोक्त सुविधा के लाभ हेतु अपने घर के नजदीकी पोस्ट ऑफिस/जन सुविधा केन्द्र अथवा साइबर कैफे या अपने मोबाइल का प्रयोग किया जा सकता है, जिसके लिए कोषागार में आने की आवश्यकता नहीं है।

दीपावली से पहले खाद्य पदार्थों में मिलावट का शक, छापेमारी से मचा हड़कंप, 200 लीटर तेल सीज

गंजडुंडवारा में खोवा निमार्ता के यहां से नमूना, कादरगंज पुख्ता में तेल पर कार्रवाई; महमूदपुर में 40 किलो पनीर विक्रेता ने कराया नष्ट

टीएनएफ टुडे, कासगंज।

- खाद्य सुरक्षा विभाग की तीन प्रतिष्ठानों पर ताबड़तोड़ कार्रवाई, 30 हजार रुपये का रिफाइंड तेल सीज, 12 हजार रुपये का पनीर नष्ट

दीपावली से पहले खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता को लेकर खाद्य सुरक्षा विभाग ने मिलावटखोरों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। जिलाधिकारी के निर्देश पर सोमवार को पटियाली क्षेत्र में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने तीन प्रतिष्ठानों पर छापेमारी कर जांच की। कार्रवाई के दौरान खोवा, रिफाइंड राइस ब्रान आयल और पनीर के नमूने लिए गए। वहीं गुणवत्ता पर संदेह होने पर करीब 200 लीटर रिफाइंड तेल सीज कर दिया गया, जबकि 40 किलो पनीर विक्रेता ने स्वयं नष्ट करा दिया। त्योहार से पहले खाद्य सुरक्षा विभाग की इस कार्रवाई से खाद्य कारोबारियों में खलबली मच गई।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी प्रतिमा त्रिपाठी और ओमवीर सिंह की टीम ने सबसे पहले गंजडुंडवारा के मोहल्ला मूलचंद में खोवा निमार्ता अनीस के प्रतिष्ठान पर छापा मारा। टीम ने यहां खोवा की जांच की और



गुणवत्ता पर संदेह होने के चलते नमूना लेकर जांच के लिए भेजा। इसके बाद टीम कादरगंज पुख्ता गांव स्थित शेखर ट्रेडर्स के प्रतिष्ठान पर पहुंची। यहां रिफाइंड राइस ब्रान आयल की जांच के दौरान गुणवत्ता पर संदेह होने पर नमूना लिया गया। साथ ही प्रतिष्ठान पर बचा करीब 200 लीटर तेल सीज कर दिया गया। सीज किए गए तेल की अनुमानित कीमत करीब 30 हजार रुपये बताई गई है।

खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम की कार्रवाई यहीं नहीं रुकी। इसके बाद टीम महमूदपुर में पनीर निमार्ता राजवीर के प्रतिष्ठान पर पहुंची। यहां पनीर की गुणवत्ता ठीक नहीं होने का संदेह होने पर नमूना लिया गया। साथ ही करीब 40 किलो पनीर को विक्रेता ने स्वयं नष्ट करा दिया। नष्ट किए गए पनीर की अनुमानित कीमत करीब 12 हजार रुपये बताई गई है।

दीपावली पर मिठाइयों, खोवा, पनीर और खाद्य तेलों की मांग बढ़ने के साथ ही मिलावट की आशंका भी बढ़ जाती है। ऐसे में खाद्य सुरक्षा विभाग की इस कार्रवाई ने खाद्य कारोबारियों में हड़कंप मचा दिया है।

विभाग ने स्पष्ट किया है कि त्योहार के दौरान आम जनमानस को शुद्ध एवं सुरक्षित खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के लिए छापेमारी और नमूना संग्रह का अभियान जारी रहेगा। खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता में कमी या मिलावट पाए जाने पर संबंधित प्रतिष्ठानों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

कोतवाली प्रभारी ने प्रतिष्ठानों की सुरक्षा व्यवस्था परखी

कासगंज। शहर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक जगदीशचंद्र ने सोमवार को व्यापारिक प्रतिष्ठानों पर पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था परखी। इस दौरान व्यापारियों से बातचीत की। इंस्पेक्टर जगदीशचंद्र ने बताया कि उन्होंने पुलिस बल के साथ अमांपुर रोड पहुंचकर विभिन्न व्यापारिक प्रतिष्ठानों की चेकिंग की। इस दौरान प्रतिष्ठानों की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। व्यापारियों से बातचीत की। सुरक्षा को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके बाद इंस्पेक्टर सोरों गेट स्थित भारतीय स्टेट बैंक की शाखा पर पहुंचे। बैंक का निरीक्षण कर आसपास संदिग्ध व्यक्तियों की तलाशी ली, वाहनों की चेकिंग की। यहां लोगों से बातचीत कर उनमें सुरक्षा की भावना जाग्रत की।

अचानक गिरी मकान की छत, बालिका व किशोरी गम्भीर

कासगंज। शहर कोतवाली क्षेत्र के भिटौना में सोमवार की तड़के करीब साढ़े चार बजे एक मकान की छत अचानक गिर पड़ी। जिससे नीचे सो रही बालिका व किशोरी मलबे में दब गईं। चीखपुकार की आवाज सुनकर परिवारीजन दौड़कर पहुंचे और मलबा हटाकर दोनों को बाहर निकाला। परिजनों ने दोनों घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने दोनों घायलों को उपचार दिया है। भिटौना निवासी अजय कुमार ने बताया कि सोमवार की सुबह करीब साढ़े चार बजे पुराने मकान की छत अचानक नीचे आ गिरी। जिससे छत के नीचे सो रहीं 12 वर्षीय करिश्मा, 10 वर्षीय भूमि पुत्रीगण अलवर भिटोना मलबे में दब गईं। चीखपुकार की आवाज सुनकर परिजन दौड़कर पहुंचे और मलबा हटाकर दोनों को बाहर निकाला। दोनों को घायलावस्था में जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने दोनों को उपचार दिया है।

बैंक सुरक्षा पर पुलिस की सख्त नजरः कोतवाली प्रभारी ने बैंक ऑफ बड़ौदा व सेंट्रल बैंक में की सघन चेकिंग, संदिग्धों को खदेड़ा

कासगंज। क्षेत्र में कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त बनाए रखने तथा आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से कासगंज पुलिस पूरी तरह मुस्तैद नजर आ रही है। इसी क्रम में प्रभारी निरीक्षक जगदीश चंद मय पुलिस बल के साथ बैंक ऑफ बड़ौदा, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया,भारतीय स्टेट बैंक संयुक्त रूप से औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पुलिस बल ने बैंक परिसरों और उनके आसपास मौजूद संदिग्ध व्यक्तियों व संदिग्ध वाहनों की गहनता से चेकिंग की। अकारण घूम रहे लोगों से पूछताछ की गई और कड़े निर्देश देकर रवाना किया गया। कोतवाली प्रभारी ने बैंक में तैनात सुरक्षा गार्डों से सुरक्षा उपकरणों की स्थिति की जानकारी ली तथा उन्हें ड्यूटी के दौरान सतर्क रहने व सुरक्षा व्यवस्था संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर पुलिस टीम ने बैंकों में आए ग्राहकों और आमजन से संवाद स्थापित कर उन्हें सुरक्षा का अहसास कराया। कोतवाली प्रभारी ने कहा कि क्षेत्र में शांति व सुरक्षा बनाए रखना पुलिस की पहली प्राथमिकता है और संदिग्ध गतिविधियों पर पुलिस की पैनी नजर बनी हुई है।

कासगंज में नाबालिग को बहला-फुसलाकर भगाने और मारपीट का वांछित आरोपी दिल्ली से गिरफ्तार, पॉक्सो एक्ट में कार्रवाई

पटियाली। पुलिस ने नाबालिग को बहला-फुसलाकर अगवा करने और मारपीट के मामले में लंबे समय से वांछित चल रहे एक शातिर आरोपी को दिल्ली से धर दबोचा है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर विधिक प्रक्रिया पूरी करने के बाद न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया है। उसके खिलाफ थानों में पहले से भी आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस अधीक्षक ओ.पी. सिंह के निर्देशन और अपर पुलिस अधीक्षक आलोक सिंह के पर्यवेक्षण में जनपद में वांछित अपराधियों की धरपकड़ के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में क्षेत्राधिकारी पटियाली अमित कुमार के नेतृत्व में थाना पटियाली पुलिस टीम ने सटीक सुरागकशी के बाद यह सफलता हासिल की। करावल नगर से दबोचा गया आरोपी थाना पटियाली पुलिस ने मु0अ0सं0 262/26 (धारा 137(2)/87/115(2)/352/351(3) बीएनएस व 11/12 पॉक्सो एक्ट) में वांछित अभियुक्त आयुष पुत्र गंगाराम (निवासीः महादौरा, थाना गोराई, जनपद अलीगढ़) को 1 नवंबर 2026 को दिल्ली के करावल नगर चौराहा से गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। आपराधिक इतिहास पकड़े गए आरोपी आयुष का पुराना आपराधिक इतिहास भी रहा है, जिसके खिलाफ थाना पटियाली में पहले से गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं: मु0अ0सं0 359/25 झ धारा 137(2)/142/351(2) बीएनएस (थाना पटियाली, जनपद कासगंज) मु0अ0सं0 262/26 झ धारा 137(2)/87(2)/115(2)/352/351(2) बीएनएस व 11/12 पॉक्सो एक्ट (थाना पटियाली, जनपद कासगंज)

मिठाई की दुकानों पर खाद्य विभाग का छापा, दो नमूने लिए, अलीगढ़ और हाथरस की संयुक्त टीम की अचानक कार्रवाई से दुकानदारों में मची खलबली

कासगंज। शहर में सोमवार को खाद्य सुरक्षा विभाग की संयुक्त टीम ने मिठाई की दुकानों पर पहुंचकर खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच की। लखनऊ खाद्य विभाग के निर्देश पर अलीगढ़ और हाथरस से आई टीम की अचानक कार्रवाई से मिठाई कारोबारियों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। अलीगढ़ मंडल के सहायक आयुक्त खाद्य अजय कुमार जायसवाल और हाथरस के सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय मनोज कुमार तोमर के नेतृत्व में टीम ने दोपहर करीब दो बजे सहावर गेट स्थित गौतम स्वीट्स पर जांच की। इस दौरान अधिकारियों ने दुकान में उपलब्ध मिठाइयों की गुणवत्ता परखी और राजा भोग व काजू कलश के नमूने संग्रहित किए। खाद्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि दोनों नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जाएगा। रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। अभियान का उद्देश्य मिठाइयों की गुणवत्ता सुनिश्चित करना और खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन कराना है। अलीगढ़ मंडल के सहायक आयुक्त खाद्य अजय कुमार जायसवाल ने बताया कि शासन के निर्देश पर एक दिवसीय अभियान चलाया गया है। टीम में प्रवीण कुमार, शिवदास, महेश कुमार, सुनील शर्मा और आशीष गंगवार शामिल रहे।

दीपावली से पूर्व नगर निगम की शहरवासियों को बड़ी सौगात-दूधिया रोशनी से जगमगाया अलीगढ़

अलीगढ़। मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के मार्गदर्शन में अलीगढ़ को स्वच्छ सुंदर सुरक्षित एवं आधुनिक सुविधाओं से युक्त शहर बनाने की दिशा में महापौर व नगर आयुक्त निरंतर प्रयासरत है। इसी क्रम में दीपावली के पावन पर्व से पूर्व महापौर प्रशांत सिंघल एवं नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा के सार्थक प्रयासों से शहरवासियों को एक महत्वपूर्ण सौगात के रूप में नगर निगम द्वारा लगभग 3 करोड़ की लागत आगरा रोड पर गांधी पार्क चौराहे से सासनी गेट चौराहे तक, सासनी गेट चौराहे से मथुरा रोड तक व सूत मिल चौराहे से अचल ताल तक विभिन्न वाट की 716 स्ट्रीट लाइट एलईडी लाइटें मय पोल के स्थापित कराई गई हैं। इन स्ट्रीट लाइटों के अधिष्ठापन से नगर के सभी प्रमुख मार्ग दूधिया रोशनी से जगमगा उठा है। सोमवार को महापौर प्रशांत सिंघल एवं नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने पार्षद करन माहौर, रघुनाथ, योगेंद पाल संजय शर्मा पवन गुप्ता आदि की मौजूदगी में आगरा रोड स्थित अहिल्याबाई होल्कर चौराहे(सासनीगेट) के पास बटन दबाकर इस महत्वपूर्ण 3 नवीन मार्गो पर नवीन प्रकाश व्यवस्था परियोजना का लोकार्पण किया।

मराठा होटल संचालक पर फायरिंग करने वाला मुख्य आरोपी प्रिंस ठाकुर तमंचे के साथ गिरफ्तार, पुलिस ने बुलेट बाइक भी की जब्त

टीएनएफ टुडे, कासगंज।

कोतवाली पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस अधीक्षक ओमप्रकाश सिंह के कुशल निर्देशन और प्रभारी निरीक्षक जगदीश चंद्र के नेतृत्व में पुलिस टीम ने रविवार रात मराठा होटल के मालिक पर जानलेवा फायरिंग करने वाले वांछित अभियुक्त प्रिंस ठाकुर को धर दबोचा। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक अवैध तमंचा (315 बोर), एक जिंदा कारतूस, एक खोखा कारतूस और घटना में प्रयुक्त काले रंग की बुलेट मोटरसाइकिल (रजिस्ट्रेशन नंबर वढ8ञ79166) बरामद की है। गिरफ्तार अभियुक्त के खिलाफ कासगंज और अमांपुर थानों में पहले से ही आठ मुकदमे दर्ज हैं।

क्या था पूरा मामला?

पुलिस के अनुसार, रविवार की रात्रि कासगंज-बदायूँ रोड स्थित मराठा होटल के मालिक ओमकार सिंह (पुत्र हरिदयाल सिंह, निवासी जखौरुदपुर, नगला भूड़) के साथ किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। विवाद के दौरान प्रिंस ठाकुर (पुत्र हरेंद्र सोलंकी, निवासी गेंदूपुरा, थाना अमांपुर, हाल निवासी जयजयराम मोहल्ला, कासगंज) ने होटल मालिक पर जान से मारने की नीयत से अवैध तमंचे से फायर कर दिया था।

इस घटना के संबंध में होटल मालिक की तहरीर पर पुलिस ने बीएनएस (भारतीय न्याय संहिता) की सुसंगत धाराओं के तहत प्रिंस ठाकुर, भोले ठाकुर, गौरव और 3-4 अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत किया था।

सीसीटीवी फुटेज से हुआ खुलासा

घटना के बाद हरकत में आई पुलिस ने जब घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, तो सनसनीखेज खुलासे हुए। फुटेज में साफ दिखा कि मराठा होटल के सामने बुलेट मोटरसाइकिल पर दो युवक सवार थे। बाइक की चालक सीट पर भोले ठाकुर बैठा था, जबकि पीछे बैठे प्रिंस ठाकुर ने अपने हाथ में लिए अवैध तमंचे से होटल मालिक पर फायर किया था। फुटेज में पूरी वारदात स्पष्ट रूप से कैद हो गई थी, जिससे पुलिस के लिए आरोपियों की पहचान पुख्ता हो गई।

ऐसे हुई गिरफ्तारी

मुखबिर की सूचना और इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस के आधार पर थाना कोतवाली पुलिस ने सोमवार को त्वरित कार्रवाई की। पुलिस ने हनौता पेट्रोल पंप से करीब 200 मीटर पहले, हरीसिंह (पुत्र घनश्याम) के मकान के पास से वांछित अभियुक्त प्रिंस ठाकुर को उस समय दबोच लिया जब वह काली बुलेट मोटरसाइकिल पर सवार होकर कहीं भागने की फिराक में था।

पुलिस ने आरोपी के पास से घटना में इस्तेमाल हथियार और वाहन को अपने कब्जे में ले लिया है। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार अभियुक्त को नियत समय पर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा।

गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम

इस अहम कार्रवाई को अंजाम देने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक जगदीश चंद्र के साथ उपनिरीक्षक रवि वर्मा, कांस्टेबल ऐलेश कुमार, आरक्षी रितिक चौधरी, कांस्टेबल सुमंत कुमार और कांस्टेबल दीपक खोखर शामिल रहे।

अवैध पटाखों के अवैध जखीरे पर अमांपुर पुलिस का छापा

घेर में छिपाकर रखे गए थे देशी बम और फूलझड़ियाँ, आरोपी फरार

टीएनएफ टुडे, अमापुर।

थाना क्षेत्र के गांव रजपुर में अवैध पटाखों और विस्फोटक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे तहत थाना अमांपुर पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर ग्राम रजपुरा में एक घेर पर छापा मारकर भारी मात्रा में अवैध देशी पटाखे और विस्फोटक सामग्री बरामद की है। हालांकि, पुलिस को देखते ही आरोपी मौके से फरार होने में कामयाब हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की गिरफ्तारी के लिए दबिशें तेज कर दी हैं।



आमपुर थाना प्रभारी विकास सक्सेना ने बताया बिना लाइसेंस चल रहा था अवैध भंडारण

पुलिस अधीक्षक ओ0पी0 सिंह के निर्देशन में चल रहे एंटी-क्राइम अभियान के क्रम में थाना अमांपुर पुलिस को सटीक सूचना मिली थी कि ग्राम रजपुरा स्थित अभियुक्त सुनील कुमार के घेर में भारी मात्रा में अवैध पटाखे और विस्फोटक सामग्री बिना किसी लाइसेंस के डंप किए गए हैं। सूचना की गंभीरता को देखते हुए प्रभारी निरीक्षक विकास सक्सेना के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर दबिश दी।

पुलिस को देख भागा आरोपी, घेर से मिले देशी बम और फूलझड़ियाँ

छापेमारी के दौरान पुलिस टीम को देखकर आरोपी सुनील कुमार मौके से भागने में सफल रहा। इसके बाद पुलिस ने उसके घेर की सघन तलाशी ली, जहाँ से अवैध विस्फोटक सामग्री का जखीरा बरामद हुआ।

फरार अभियुक्तः सुनील कुमार पुत्र राजवीर सिंह, निवासी ग्राम रजपुरा, थाना अमांपुर, जनपद कासगंज।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि फरार अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही है। जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

इस्लाह-ए-उम्मत कॉन्फ्रेंस का आयोजन: 'दीनी और अखलाकी तालीम से ही मजबूत होगा समाज'



टीएनएफ टुडे, कासगंज।

- उर्स-ए-जिन्दा शाह मदार के मौके पर जुटी भीड़, उलमा ने दिया आपसी भाईचारे और इस्लाह का पैगाम
- आर्च कल्याण समिति व मदरसा बरकात-ए-आयशा एकेडमी के तत्वावधान में हुआ जलसा

उर्स-ए-जिन्दा शाह मदार के मुबारक मौके पर शनिवार को धानमील रोड, इस्लाम नगर स्थित नई बस्ती में 'जलसा इस्लाह-ए-उम्मत व इस्लाह-ए-ईमानो अकाइद कॉन्फ्रेंस' का अकीदत के साथ आयोजन किया गया। आर्च कल्याण समिति के जेरे एहतिमाम और मदरसा बरकात-ए-आयशा एकेडमी की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में करीब 200 लोगों ने शिरकत की।

कॉन्फ्रेंस में पहुंचे उलमा-ए-किराम ने समाज में दीनी व अखलाकी (नैतिक) तालीम को बढ़ावा देने, आपसी भाईचारे, बाहमी इत्तेहाद और सामाजिक सौहार्द को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया। वक्ताओं ने कहा कि समाज की इस्लाह और बेहतरी के लिए नैतिक मूल्यों को अपनाना बेहद जरूरी है।

कार्यक्रम में मेहमान-ए-खुसूसी हजरत अल्लामा मौलाना मुफ्ती फैजान-ए-मुस्तफा साहब (संभल/मुरादाबाद), मदाहे रसूल हजरत मौलाना रागिब बरकाती साहब (आगरा) और मुकर्रिर-ए-खुसूसी हजरत मौलाना अब्दुल गनी साहब (गंजडुंडवारा) ने अपनी तकरीर से अवाम को दीनी राह पर चलने का पैगाम दिया। इनके अलावा कारी मुहिब्बे अली साहब और कारी नईम अख्तर साहब की मौजूदगी ने कार्यक्रम में रौनक बढ़ा दी।

जलसे के अंत में आयोजक (मुन्तजिम) मौलाना चाँद मियाँ अलवी बरकाती ने दूर-दराज से आए सभी मेहमानों और अकीदतमंदों का तहे दिल से शुक्रिया अदा किया। दुआ और तबर्रुक तकसीम के साथ जलसे का समापन हुआ, जिसके बाद लोग अपने-अपने घरों को रुखसत हुए।

यातायात माह का ताबड़तोड़ एक्शनः

नियमों की धज्जियां उड़ाने वाले 306 वाहन चालकों के कटे चालान, 7.23 लाख का भारी-भरकम जुर्माना

टीएनएफ टुडे, कासगंज।

जिले में सड़क सुरक्षा को पुख्ता करने और यातायात नियमों का कड़ाई से पालन कराने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आ रहा है। 'यातायात माह नवंबर 2026' (01 से 30 नवंबर) के तहत चलाए जा रहे विशेष अभियान के दूसरे दिन यानी सोमवार (02 नवंबर) को यातायात पुलिस ने शहर में सघन चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान नियमों को ताक पर रखकर फराटा भरने वाले 306 वाहन चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए कुल 7,23,500 रुपये का भारी-भरकम ऑनलाइन शमन शुल्क (चालान) अधिरोपित किया गया है। इसके अलावा बिना फिटनेस के दौड़ रहे 2 वाहनों को भी सीज कर दिया गया है।

सिकंद्राराऊ रोड और गढ़ी तिराहे पर चला अभियान

पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में यातायात पुलिस ने सोमवार को मुख्य मार्गों, खासकर सिकंद्राराऊ रोड तिराहा और गढ़ी तिराहा क्षेत्र में बैरिकेडिंग लगाकर ताबड़तोड़ चेकिंग की। पुलिस की इस सख्त कार्रवाई से वाहन चालकों में हड़कंप मचा रहा।

इन मामलों में हुई सबसे बड़ी कार्रवाईः

ओवर स्पीड (अति गति): दोपहिया इंटरसेप्टर वाहन की मदद से राडार और कैमरों के जरिए ओवर स्पीड में वाहन दौड़ाने वाले 196 बेपरवाह चालकों के चालान काटे गए।

शराब पीकर ड्राइविंगः जिंदगी से खिलवाड़ कर नशे की हालत में वाहन चलाने वाले 4 चालकों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की गई।

बुलेट के पटाखे और प्रेशर हॉर्नः कानफाड़ू आवाज से आम जनता को परेशान करने वाले मोडिफाइड साइलेंसर, प्रेशर हॉर्न और हूटर लगे 8 चार पहिया व 3 दोपहिया वाहनों पर शिकंजा कसा गया।

अन्य उल्लंघनः इसके अलावा बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट, ट्रिपलिंग (तीन सवारी), रॉन्ग साइड ड्राइविंग, क्षमता से अधिक सवारी बैठाने, मालवाहकों में सवारियां ढोने, ड्राइविंग के दौरान मोबाइल इस्तेमाल करने तथा हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट व फॉल्टी नंबर प्लेट वाले वाहनों पर भी ताबड़तोड़ कार्रवाई की गई।

स्कूल में बच्चों को सिखाए गए सड़क सुरक्षा के पाठ

सिर्फ चालान और सख्ती ही नहीं, बल्कि यातायात पुलिस ने जन-जागरूकता पर भी पूरा जोर दिया। अभियान के तहत शहर के छावनी रोड स्थित श्रीमती सोमवती देवी इंटर कॉलेज (नगला पट्टी) में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यालय के समस्त स्टाफ और छात्र-छात्राओं को सड़क सुरक्षा के नियम विस्तार से समझाए गए। छात्र-छात्राओं को सुरक्षित ड्राइविंग का संकल्प दिलाते हुए जागरूकता पंपलेट भी वितरित किए गए।

पुलिस की अपीलः सुरक्षित चलें, घर पहुंचें

कासगंज पुलिस ने जनपदवासियों से पुरजोर अपील की है कि वाहन चलाते समय गति सीमा का विशेष ध्यान रखें, यातायात नियमों का पूरी तरह पालन करें और सड़क पर अपनी व दूसरों की सुरक्षा सुनिश्चित करें। पुलिस ने साफ किया है कि यह विशेष अभियान पूरे महीने लगातार जारी रहेगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

जुए के फड़ पर छापा, 4620 रुपये नगद और ताश के पत्तों के साथ तीन गिरफ्तार

कासगंज। सिढ़पुरा थाना प्रभारी प्रदीप मलिक ने बताया मुखबिर खास की सूचना पर छापेमारी कर सरेआम जुआ खेल रहे तीन जुआरियो को धर दबोचा। आरोपियों के कब्जे से ताश के पत्ते और हजारों की नगदी बरामद की गई है। पुलिस ने तीनों के खिलाफ सार्वजनिक जुआ अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी रविवार को थाना सिढ़पुरा पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि क्षेत्र में कुछ लोग हार-जीत की बाजी लगाकर जुआ खेल रहे हैं। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष प्रदीप मलिक ने अपनी टीम के साथ तत्काल मौके पर दबिश दी और घेराबंदी कर राहत रसूल उर्फ छोटे,भूरे,शाजिव को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। जिनके काजे से 52 ताश के पत्ते 4,620/- नगद बरामद किए गए।

गंजडुंडवारा पालिका में सियासी भूचाल! अध्यक्ष के खिलाफ 14 सभासदों की घेराबंदी, डीएम के दरबार में पहुंचा मामला

25 सदस्यीय बोर्ड में 14 बनाम 11 की सीधी खेमेबंदी, बहुमत के सभासदों ने खोला मोर्चा; अध्यक्ष की कार्यशैली पर उठाए सवाल, साढ़े तीन साल में महज 13-14 बैठकें कराने का आरोप

गंजडुंडवारा, कासगंज। नगर पालिका परिषद गंजडुंडवारा की सियासत में आखिरकार अंदरखाने सुलग रही चिंगारी बाहर आ गई है। पालिका की राजनीति में अब खुलकर शक्ति प्रदर्शन की तस्वीर सामने आने लगी है। 25 सदस्यीय बोर्ड में 14 सभासद एक तरफ लामबंद हैं तो 11 सभासद दूसरे खेमे में बताए जा रहे हैं। यानी अध्यक्ष के खिलाफ 14 सभासदों ने एकजुट होकर मोर्चा खोल दिया है। मामला अब पालिका की चारदीवारी से निकलकर जिलाधिकारी की चौखट तक पहुंच गया है। बहुमत का दावा कर रहे सभासदों ने अध्यक्ष पर मनमानी, बोर्ड की बैठकों की अनदेखी और नगर के विकास को प्रभावित करने के आरोप लगाते हुए प्रशासन से दखल की मांग की है। इस घटनाक्रम ने नगर पालिका की राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है।

कुर्सी पर अध्यक्ष, लेकिन बोर्ड की बैठक पर खींचतान!

जिलाधिकारी को सौंपे गए सामूहिक प्रार्थना पत्र में सभासदों ने नगर पालिका अध्यक्ष की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उनका आरोप है कि अध्यक्ष नगर पालिका अधिनियम 1916 की धारा 86(1) की अनदेखी करते हुए अपनी मर्जी से पालिका का संचालन कर रहे हैं। सभासदों के मुताबिक अध्यक्ष के लगभग साढ़े तीन साल के कार्यकाल में महज 13 या 14 बोर्ड बैठकें ही बुलाई गई हैं। ऐसे में सभासदों का सवाल है कि जब बोर्ड की बैठकें ही नहीं होंगी तो वार्डों की समस्याओं, विकास प्रस्तावों और जनहित के मुद्दों पर चर्चा आखिर कहां होगी? उनका आरोप है कि अध्यक्ष की हठधर्मिता के कारण नगर के चहुंमुखी विकास की रफ्तार प्रभावित हो रही है।

पहले पत्र से दी दस्तक, फिर रिमाइंडर से चेताया, अब डीएम के दरबार में पहुंचे

इस पूरे विवाद में सभासदों ने अपनी ओर से की गई कोशिशों का भी हवाला दिया है। उनके मुताबिक 14 अक्टूबर 2026 को बोर्ड के बहुमत सदस्यों ने नगर पालिका अध्यक्ष को नगर पालिका अधिनियम 1916 की धारा 86(2) के तहत बैठक बुलाने के लिए विधिवत अध्याचन सौंपा था। इसमें विभिन्न संकल्पों को बैठक में शामिल कर उन पर विचार-विमर्श कराने की मांग की गई थी। लेकिन निर्धारित समय बीतने के बाद भी बैठक नहीं बुलाई गई। इसके बाद 30 अक्टूबर को अध्यक्ष को अनुस्मारक यानी रिमाइंडर भेजा गया। इसके बावजूद कोई पहल नहीं होने का आरोप लगाते हुए अब सभासद सीधे जिलाधिकारी के पास पहुंच गए हैं। उनका कहना है कि जब अध्यक्ष स्तर से सुनवाई नहीं हो रही तो प्रशासन को आगे आकर वैधानिक प्रक्रिया के तहत बैठक बुलवानी चाहिए।

14 का दम बनाम 11 का खेमा, पालिका में किसकी चलेगी?

इस पूरे घटनाक्रम का सबसे दिलचस्प पहलू 25 सदस्यीय बोर्ड का संख्या बल है। 14 सभासदों का एकजुट होकर अध्यक्ष के खिलाफ सामने आना और 11 सभासदों का दूसरे खेमे में होना पालिका की राजनीति में चर्चा का बड़ा विषय बन गया है। यह खेमेबंदी अब केवल अंदरूनी नाराजगी तक सीमित नहीं रही। बहुमत का दावा कर रहे सभासदों ने सामूहिक रूप से प्रशासन के सामने अपनी मांग रखकर साफ संकेत दिया है कि वे बोर्ड की बैठक बुलाने के मुद्दे पर पीछे हटने को तैयार नहीं हैं। हालांकि, दूसरे खेमे के 11 सभासदों की इस पूरे विवाद पर क्या राय है, यह भी राजनीतिक घटनाक्रम का अहम पहलू होगा।

विकास की फाइलें या सियासी खींचतान?

सभासदों ने उठाए सवाल

सभासदों का कहना है कि बोर्ड की बैठकें नगर के विकास की दिशा तय करने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। सड़क, नाली, सफाई, पेयजल और वार्डों की अन्य समस्याओं से जुड़े प्रस्तावों पर सदन में चर्चा होनी चाहिए। लेकिन बैठकें नहीं होने से निर्वाचित प्रतिनिधियों को अपनी बात रखने और प्रस्तावों पर सामूहिक निर्णय लेने का पर्याप्त अवसर नहीं मिल रहा है। सभासदों ने आरोप लगाया कि अध्यक्ष की कार्यशैली के चलते नगर के विकास से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दे प्रभावित हो रहे हैं। अब सवाल यह भी उठ रहा है कि आखिर बोर्ड की बैठक बुलाने को लेकर इतना गतिरोध क्यों बना हुआ है?

कई धाराओं की प्रतियां लगाकर डीएम से मांगा आदेश

सभासदों ने जिलाधिकारी से मांग की है कि बहुमत सदस्यों की ओर से दिए गए अध्याचन और उसमें शामिल संकल्पों के आधार पर नगर पालिका अधिनियम 1916 की धारा 86(2) के तहत बोर्ड की बैठक आहूत कराने के लिए आवश्यक आदेश जारी किए जाएं। प्रार्थना पत्र के साथ 14 अक्टूबर को दिए गए अध्याचन, 30 अक्टूबर के अनुस्मारक तथा अधिनियम की धारा 86(1), 86(2), 104 और 63(1), 63(2) की छायाप्रतियां भी संलग्न की गई हैं।

एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन के तरीकों की सफलता मुख्यतया हानिकारक कीट एवं मित्र कीटों की निगरानी के आधार पर कीट प्रबंधन के विभिन्न घटकों के एकीकरण कर सही निर्णय को लागू करने के ऊपर निर्भर है।



सब्जी उत्पादन में समन्वित कीट प्रबंधन

फसल चक्र अपनाकर कीट नियंत्रण

किसी भी खेत में सब्जियों को लगाते समय उचित फसल-चक्र अपनाना चाहिए जिससे एक ही कुल की सब्जी को पुनः नहीं लगाना चाहिए। इस विधि से निरन्तर जीवन चक्र , अपेक्षाकृत संख्या एवं क्षति स्तर कम किया जा सकता है।

बुवाई व पौध रोपण के समय में परिवर्तन करके- कीटों के प्रति फसल की मुलायम अवस्था को ध्यान में रखकर बुवाई तथा रोपाई के समय में परिवर्तन करके से बचाया जा सकता है। सब्जियों की बुवाई समय में परिवर्तन कर लाल भृंग कीट, फल एवं फल छेदक कीट के प्रकोप को कम किया । पौधों की बुवाई व रोपाई ऐसे समय में करना पौधों की नाजुक अवस्थाएं एवं हानिकारक क्रिय अवस्थाएं समानान्तर हों।

क्रियाओं द्वारा कीट न

कीट प्रबंधन में इस घटक के ऊपर कोई अतिरिक्त खर्च नहीं होता है, साथ ही यह पर्यावरण को सुरक्षित व अधिक टिकाऊ बनाता है। सस्य क्रियाओं का चयन ऐसा होना चाहिए जिससे नाशीकीटों के ऊपर एकीकृत एवं मित्र कीटों के ऊपर अनुकूल प्रभाव पड़े। इसके अन्तर्गत उचित किस्मों का चयन, बुवाई एवं रोपाई के समय में परिवर्तन, कीट-प्रपंच, फसल चक्र एवं अंतः फसलों का सही चुनाव आदि शामिल है।

अवरोधी एवं सहनशील किस्मों का उपयोग

किसी क्षेत्र के नाशीकीट एवं मित्र कीटों की विविधता एवं सघनता के आधार पर अवरोधी या सहनशील किस्मों का चुनाव समन्वित कीट प्रबंधन की महत्वपूर्ण कड़ी है। इस प्रकार चयनित किस्मों में अपेक्षाकृत कीटों का प्रकोप कम होता है तथा रासायनिक दवाओं के उपयोग में भी कमी आती है। यह विधि सबसे सरल, सस्ती व दुष्प्रभाव रहित है।

ग्रीष्मकालीन जुताई

गर्मी के मौसम में गहरी जुताई करके सुषुप्त अवस्था में पड़े कीड़ों को नष्ट करना एक प्रभावी नियंत्रण विधि है। फसल की कटाई के बाद खेत की गहरी जुताई करके फल मक्खी, कद्दू का लाल भृंग तथा कटुआ कीट के जीवन चक्र को नष्ट कर उनकी सक्रियता को कम किया जा सकता है।

अन्तः फसलीकरण

सब्जियों की फसल के बीच में अन्तः फसलीकरण की क्रिया के द्वारा भी कीटों के प्रकोप को कम किया जा सकता है। अन्तः फसलीकरण में लगाए गए भिन्न-भिन्न प्रकृति के पौधों द्वारा छोड़े जाने वाले जैव रसायन से कीटों के प्रौढ़ दूर भागते हैं तथा उनके द्वारा अण्डा देने की क्रिया भी कम हो जाती है। इस प्रकार के पौध रोपण प्रक्रिया से परभक्षी एवं परजीवी कीटों की क्रियाशीलता को बढ़ाती है। टमाटर एवं गोभी की अन्तः फसलीकरण से इन दोनों सब्जियों में कीट अकेले की अपेक्षा कम लगते हैं।



कीटों को आकर्षित करने वाली फसलों का उपयोग

मुख्य फसल के साथ ऐसी फसलों को लगाना चाहिए, जिनको कीट मुख्य फसल की अपेक्षा अधिक पसंद करते हैं। आकर्षित करने वाली फसलों को मुख्य फसल में लगाकर बिना किसी रसायन के प्रयोग से मुख्य फसल को आसानी से कम लागत में उगाया जा सकता है। क्योंकि मुख्य फसल पर लगने वाले कीड़े आकर्षक फसलों पर आ जाते हैं, जिनको आसानी से नष्ट किया जा सकता है। गोभीवर्गीय फसलों को हरी सूड़ी एवं पर्ण जालक कीट के नियंत्रण के लिए सरसों का तथा टमाटर में लगने वाली फल छेदक कीट के रोकथाम के लिए गेंदे के फसल को आकर्षक फसल के रूप में प्रयोग करना चाहिए।

सब्जी में जैविक विधि से कीट नियंत्रण

समन्वित कीट प्रबंधन में जैविक नियंत्रण एक प्रमुख घटक है। किसी भी परिस्थिति में मित्र कीट एवं अन्य सूक्ष्म जीव मुख्यतया हानिकारक कीटों की संख्या को प्राकृतिक रूप से सीमित रखने में सहायता करते हैं। जैविक नियंत्रण से इन्हीं कारकों का प्रभावी ढंग से समन्वित कीट प्रबंधन में प्रयोग होता है, तथा मित्र कीटों को सुरक्षित रखने का प्रयास किया जाता है। बहुत सारे परभक्षी व परजीवी कीट प्राकृतिक दशा में मित्र कीट के रूप में पाये जाते हैं, जो हानिकारक कीटों के विभिन्न अवस्थाओं को क्षति पहुंचाते हैं। एक हेक्टेयर टमाटर की फसल को फलछेदक कीट से रोकथाम के लिए 2,50,000 ट्राइकोग्रामा परजीवी कीट का प्रयोग किया जाता है। इसी प्रकार क्राइसोपरला कारनिया नामक परभक्षी कीट को 50,000 प्रति हेक्टेयर की दर से दस दिन के अन्तराल पर तीन बार छोड़ने से सफेद मक्खी, हरा फुदका, माहू आदि से फसल को सुरक्षित रखा जा सकता है। कीटों के प्राकृतिक षत्रु को प्रयोगशाला में अधिक संख्या में उत्पादन कर, उसे सफलतापूर्वक, आवष्यकतानुसार फसलों पर छोड़कर विषैले रसायनों के उपयोग में कमी लायी जा सकती है।

व्यवहारिक नियंत्रण

इस विधि के अन्तर्गत प्रौढ़ कीटों को फेरोमोन का प्रयोग कर भ्रमित किया जाता है। सब्जियों में मुख्य रूप से बैगन का तना व फल बेधक, तम्बाकू की सूंड़ी, टमाटर का फल बेधक एवं फल मक्खी को फेरोमोन द्वारा आकृष्ट कर नियंत्रण किया जा सकता है।

सूक्ष्म जीव द्वारा फसलों की सुरक्षा

सूक्ष्म जीव कीटनाशियों के अन्तर्गत जीवाणु, कवक और विषाणु का प्रयोग करके हानिकारक कीटों में रोग उत्पन्न कर उनका नियंत्रण किया जा सकता है। यह रोग हानिकारक कीड़ों में महामारी की तरह फैलता है जिससे कीड़े मर जाते हैं। सूक्ष्म कीटनाशियों में बी.टी. का प्रयोग व्यवहारिक स्तर पर किया जा रहा है। जिसके प्रयोग से गोभी का हीरक पृष्ठ कीट, भिण्डी का तना एवं फल छेदक कीट, टमाटर का फल बेधक कीटों का नियंत्रण संभव हुआ है।

यान्त्रिक विधि से कीटों का नियंत्रण

कुछ कीट जिनको आसानी से देख जा सके उन्हें पकड़कर मार देना चाहिए। हड्डा बीटल, तम्बाकू की सूड़ी के अण्डे तथा तना व फल को भेदकर खाने वाली सूड़ी (बैगन व भिण्डी के फल छेदक कीट) को बहुत आसानी से देखकर कीट की विभिन्न अवस्थाओं को नष्ट कर देने से इनसे होने वाली क्षति से बचा जा सकता है। कीट नियंत्रण की इस विधि में लागत कम आती है एवं यह विधि सुरक्षित भी है।

रसायनों का सुरक्षित एवं आवश्यक मात्रा का प्रयोग

रसायनों का अनियमित और अत्यधिक प्रयोग करने से कीटों में प्रतिरोधी क्षमता का विकास हो जाता है। साथ ही हानिकारक रासायनिक अवशेषों की वातावरण में वृद्धि होती है। समन्वित कीट प्रबंधन में यदि दूसरे कारकों के साथ सही संतुलन बनाकर सुरक्षित रसायनों की सही मात्रा एवं उचित अंतराल पर छिड़काव किया जाय तो कीटनाशी रसायन बहुत प्रभावी होता है। विभिन्न कीटनाशियों का अलग-अलग प्रतीक्षाकाल होता है। इसलिए दवा छिड़कने के बाद प्रतिक्षाकाल के बाद फल की तुड़ाई करने से रासायनिक अवयवों के अवषेष नहीं रहते हैं।

सोयाबीन में बीमारी-कीट का नियंत्रण



बैक्टीरियल पस्च्यूल की समस्या होने पर कासुगेमेसिन 0.2 प्रतिशत, कॉपर आक्सीक्लोराइड 0.2 प्रतिशत, या स्ट्रेप्टोसाइक्लिन 200 पी.पी.एम. का छिड़काव करें।

गेरूआ रोग से बचाव के लिये हेक्जाकोनेजोल 5 ई.सी. या प्रोपाकोनेजोल 5 ई.सी. या ट्राईएडमिफान 25 डब्ल्यू. पी. या कापर आक्सीक्लोराइड 20 ई.सी. रोग के लक्षण दिखते ही तुरंत 0.1 प्रतिशत की दर से 40-45 दिन की फसल होने पर छिड़काव करें। इस छिड़काव से पौधे पूरी तरह भींगने चाहिए तथा 500-700 लीटर पानी प्रति हे. प्रयोग करना चाहिए। आवश्यकतानुसार 15-20 दिन में छिड़काव दोहराना चाहिए।

कीट नियंत्रण

सोयाबीन फसल में कई कीटों का प्रकोप विभिन्न क्षेत्रों में पाया जाता है। इन कीटों में तने की मक्खी व चक्रभृंग (तना छेदक कीट), अर्ध कुन्डलक इल्ली, कम्बल कीट, तम्बाखू की इल्ली, अलसी की इल्ली, चने की फली छेदक (पत्ती भक्षक कीट), एवं सफेद मक्खी, जेसिड्स माइटस् और थ्रिप्स (रस चूसक) प्रमुख हैं।

इनके नियंत्रण के उपाय निम्नलिखित हैं

- फेरोमोन ट्रैप्स लगाने से वयस्क कीट (उड़ने वाले) आकर्षित होकर ट्रैप में गिर जाते हैं जिससे इल्लियों जैसे कीटों का नियंत्रण संभव है।
- तम्बाखू की इल्ली, एवं कम्बल कीट के नियंत्रण के लिये प्रभावित पौधों से अंडगुच्छ एवं लार्वीगुच्छ वाली पत्तियों को एकत्र कर नष्ट कर दें। जब हम खेत का निरीक्षण करते हैं तब कागज की तरह या जालीदार पत्तियां जैसे ही दिखें वहां पत्तियों के नीचे अंड गुच्छ या लार्वीगुच्छ मिल जायेंगे, इस प्रकार की पत्तियों या पूरे पौधे को धीरे से इकट्ठा करें एवं बोरी में डालते जायें तथा अन्त में खेत से बाहर लाकर नष्ट कर दें। जिस जगह पर इस प्रकार की पत्तियाँ मिलें उसके चारों तरफ कीटनाशक का छिड़काव तुरंत करें।

तना छेदक मक्खी एवं सफेद मक्खी

फोरेट 10 जी. दानेदार दवा को 10 कि.ग्रा. प्रति हे. के हिसाब से जुताई के समय मिट्जी में मिला दें। या थायोमेथोक्जाम 70 डब्ल्यू. एस. 3 ग्राम प्रति किलो बीज के हिसाब से बोनी पूर्व बीज उपचारित करें।

गर्डल बीटल (चक्रभृंग एवं पत्ती छेदक)

ट्रायजोफास 40 ई.सी. दवा 800 मि.ली. प्रति हे. के हिसाब से छिड़काव करें। या इंडोक्साकार्ब 14.5 एस.सी., 300 मि.ली. प्रति हे. या इथोफेनप्राक्स 10 ई.सी. 1 लीटर प्रति हे. के हिसाब से छिड़काव करें।

पत्ती भक्षक कीट

स्पायनोसेड 45 एस.सी. 125 मि.ली. प्रति हे. या रायनेक्सीपीर 20 एस.सी. 100 मि.ली. प्रति हे. या क्लोरोपायरीफास 20 ई.सी. या क्यूनालफास 25 ई.सी. 1500 मि.ली. प्रति हे. या इंडोक्साकार्ब 15 ई.सी. 300 मि.ली. प्रति हे. के हिसाब से छिड़काव करें।

जेसिडस, एफिड, माइट्स

इथियान 50 ई.सी. दवा की 1.5 लीटर मात्रा प्रति हे. के हिसाब से छिड़काव करें।

तना मक्खी एवं सफेद मक्खी

थायामेथोक्जाम 25 डब्ल्यू.जी.100 ग्राम प्रति हे. या इथोफेनप्राक्स 10 ई.सी. की 1 लीटर मात्रा प्रति हे. के हिसाब से छिड़काव करें।

जैविक कीटनाशक

- बैवेरिया बेसियाना या बीटी, 1 लीटर प्रति हे. की दर से छिड़काव करने से पत्ती भक्षक इल्लियों पर नियंत्रण पाया जा सकता है।
- एच.ए.एन.पी.व्ही. या एस.आई.एन.पी.व्ही. की 250 एल.ई. प्रति हे. की दर से छिड़काव करने से भी पत्ती भक्षक कीटों पर नियंत्रण पाया जा सकता है।



अरहर को कीट-रोग से बचाएं

कीट प्रबन्धन



चने की इल्लीः इल्लियाँ हरे से भूरे रंग की एवं शरीर के किनारों पर हल्की या गहरी लहरदार धारियाँ पाई जाती हैं। इसकी इल्लियाँ प्रारम्भिक अवस्था में पत्तियों को नुकसान पहुँचाती हैं तथा बाद की अवस्था में फल्ली में गोलाकार छेद बनाकर अपना सिर फल्ली में घुसाकर दाने को खाती हैं।

फल्ली मक्खी

इस कीट के वयस्क काले रंग के तथा आकार में घरेलू मक्खी से छोटे होते हैं। इसकी इल्लियाँ दाने में सुरंग बनाकर क्षति पहुँचाती हैं तथा क्षतिग्रस्त दानों में फफूंद का प्रकोप होने से यह खाने लायक नहीं रहती। क्षतिग्रस्त फल्लियाँ सूखकर सिकुड़ जाती हैं।

पोड बग

इस कीट के शिशु एवं वयस्क दोनों फल्ली से रस चूसकर नुकसान पहुँचाते हैं, जिसमें फल्लियों में काले धब्बे बन जाते हैं। हरी फल्लियाँ गिर जाती हैं एवं फल्लियों में दाने सिकुडे हये, छोटे एवं कम संख्या में पाये जाते हैं।



रोग प्रबन्धन

उकठा (विल्ट)

यह रोग फ्यूजेरियम उडम नामक कवक द्वारा होता है। फसल में फूल एवं फल लगने की अवस्था में रोग का प्रकोप सर्वाधिक होता है। रोगी पौधा एकाएक पीला पड़कर सूखने लगता है।

रोकथाम के उपाय

रोग से बचने के लिये गर्मी में गहरी जुताई व निरोधक जातियाँ जैसे- सी.-11, जे.ए.-4, आशा, राजीव लोचन आदि लगाना चाहिये।

झुलसा रोग

इस रोग का प्रकोप, जहाँ पानी ठहरता है, वहाँ अधिक होता है। रोग के कारण पत्तियों पर पहले पनीले धब्बे बनते हैं। कॉलर भाग में भूरे विक्षत बनते हैं। विक्षत भाग से पौधा टूट कर सूख जाता है। फसल को मादा कूड़ विधि से लगाये, बीज मादा में बोये। खेत से जल निकास की उचित व्यवस्था करें। निंदाई- गुड़ाई समय पर अवश्य करें तथा अनावश्यक पौधे को निकाल दें ताकि उनका आवागमन अच्छा हो जिससे ज्याद नमी न रहे। गमी की गहरी जुताई करें और संभव हो तो मिट्टी का सूर्यताप द्वारा मिट्टी का 6-7 सप्ताह के लिए निर्जीवीकृत करे ऐसा करने से मृदा जनित रोगों पर नियंत्रण किया जा सकता है।

ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई करें

चने की इल्ली व शंखी तेज धूप में मर जाती हैं तथा शिकारी पक्षियों द्वारा खा ली जाती हैं।

- फसल की बोनी जून माह में करने से फल्लीभेदक कीटों के प्रकोप में कमी आती है।
- ज्वार की अन्तवर्तीय फसल के रूप में तथा मक्का की ऊँची किस्म को खेत के बॉर्डर पर उगाएं। ये फसलें प्राकृतिक शत्रुओं के छिपने तथा शिकारी पक्षी उन पर बैठकर बड़ी संख्या में इल्लियों का भक्षण करते हैं।
- गेंदा को ट्रैप फसल के रूप में बॉर्डर पर उगाएँ। इससे चने की इल्ली के प्रकोप में कमी आती है।
- खेतों में चिड़ियों के बैठने हेतु 'टी' आकार की खूँटी 50 नग प्रति हेक्टेयर की दर से लगायें।
- प्रकाश प्रपंच फसल से 10-15 मीटर की दूरी पर लगाएँ तथा सायं 6.30 बजे से रात्रि 10.30 बजे तक चलाएँ।
- चने की इल्ली की निगरानी के लिये पाँच फेरोमोन प्रपंच प्रति हेक्टेयर की दर से बुवाई के 30 दिनों बाद लगाएँ।
- फसल की सतत् निगरानी करते रहें तथा कीटों का आर्थिक स्तर आने पर निम्नलिखित उपाय करें।
- चने की इल्लीः 5 अण्डे या तीन छोटी इल्लियाँ/पौधा या 1 इल्ली/ 5 शाखाओं या 5-6 प्रौढ़/प्रपंच/दिन।

भारत बनाम न्यूजीलैंड सीरीज

कोहली रचेंगे इतिहास

विराट नंबर 3 पर खेलते हुए 13 हजार रन पूरे करने से महज 12 रन दूर

एजेंसी, मुंबई।

टीम इंडिया के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली न्यूजीलैंड के खिलाफ 4 नवंबर से शुरू हो रही वनडे सीरीज में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम करने वाले हैं। दरअसल, नंबर 3 पर खेलते हुए वह 13 हजार रन पूरे करने से महज 12 रन दूर हैं, ऐसा करते ही वह रिकी पोंटिंग और सचिन तेंदुलकर के खास क्लब में एक नया इतिहास रच देंगे।



विराट कोहली अपने नाम करेंगे ऐतिहासिक उपलब्धि

टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली अपने करियर के उस मुकाम पर हैं, जहां वह हर मैच के साथ कोई न कोई बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लेते हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ बुधवार 4 नवंबर को होने वाले वनडे सीरीज के पहले मुकाबले में भी विराट के पास एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने का सुनहरा मौका होगा। वह एक ऐसा महारिकॉर्ड बनाने की दहलीज पर हैं, जिसे दुनिया का कोई भी बल्लेबाज आज तक नहीं छू सका है।

13 हजार रन बनाने वाले बनेंगे दुनिया के पहले बल्लेबाज

विराट कोहली वनडे क्रिकेट में नंबर तीन की पोजीशन पर खेलते हुए अब तक 305 पारियों में 12,988 रन बना चुके हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ अगर पहले वनडे मुकाबले में विराट सिर्फ 12 रन बनाने में सफल रहते हैं, तो वह इस पोजीशन पर खेलते हुए 13 हजार रन पूरे करने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बन जाएंगे। इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज कप्तान रिकी पोंटिंग मौजूद हैं, जिन्होंने नंबर 3 पर 365 पारियों में 12,662 रन बनाए हैं।

सचिन तेंदुलकर के इस खास रिकॉर्ड पर भी नजर

वनडे क्रिकेट में किसी एक पोजीशन पर खेलते हुए सबसे ज्यादा रन बनाने का ओवरऑल रिकॉर्ड 'क्रिकेट के भगवान' सचिन तेंदुलकर के नाम है। सचिन ने सलामी बल्लेबाज (डब्लीएल1) के तौर पर वनडे में 15,310 रन बनाए हैं। इसके अलावा, विराट कोहली अगर न्यूजीलैंड के खिलाफ इस वनडे सीरीज में एक भी शतक लगाने में सफल रहते हैं, तो वो लिस्ट-ए (छ23-अ) क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने के मामले में भी सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ देंगे। फिलहाल कोहली और सचिन दोनों के नाम लिस्ट-ए क्रिकेट में 60-60 शतक दर्ज हैं।

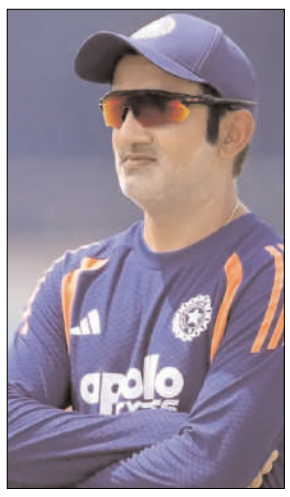
न्यूजीलैंड के खिलाफ आग उगलता है कोहली का बल्ला

विराट कोहली का रिकॉर्ड न्यूजीलैंड के खिलाफ 50 ओवर के फॉर्मेट में बेहद शानदार रहा है। उन्होंने कीवी टीम के खिलाफ 36 मुकाबलों में 57 की दमदार औसत से 1,897 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से 7 शतक और 10 अर्धशतक निकले हैं, जिसमें 154 रनों की नाबाद पारी उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर है। वहीं, न्यूजीलैंड की सरजमीं पर खेले 11 वनडे मैचों में कोहली ने 46 की औसत से 514 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और 4 अर्धशतक शामिल हैं।

भारत बनाम न्यूजीलैंड: कोच गंभीर को टी20 टीम के प्रदर्शन पर गर्व

एजेंसी, हैमिल्टन।

भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर का मानना है कि श्रेयस अय्यर की अगुआई वाली टी20 टीम ने न्यूजीलैंड के मौजूदा दौरे में वनडे और टेस्ट मैचों के लिए सही माहौल तैयार कर दिया है, क्योंकि अभ्यास का पर्याप्त मौका नहीं मिलने के बावजूद उन्होंने खेल के सबसे छोटे प्रारूप में सीरीज जीती। भारत ने न्यूजीलैंड को पांच मैच की टी20 सीरीज में 3-2 से हराया, जबकि उसकी टीम पहले मैच से कुछ दिन पहले ही यहां पहुंची थी। उसे सीरीज के बीच में आराम करने का भी बहुत कम मौका मिला।



वनडे-टेस्ट टीम के खिलाड़ियों को क्या दी सलाह

गंभीर ने ड्रेसिंग रूम में खिलाड़ियों से कहा, इस सीरीज में आप लोगों ने जैसा प्रदर्शन किया उस पर आपको बहुत गर्व होना चाहिए। विशेषकर तब जबकि आपको तैयारी के लिए सिर्फ एक दिन का समय मिला। न्यूजीलैंड जैसी मजबूत टीम के खिलाफ उनके घरेलू मैदान पर खेलना और जीत हासिल करना ऐसा है जिस पर आप गर्व कर सकते हैं। आप लोग आखिरी दो मैच भी जीतना चाहते थे, लेकिन कभी-कभी ऐसा हो जाता है। लेकिन मुझे लगता है कि आप लोगों ने दौरे के आगामी मैचों के लिए माहौल तैयार कर दिया है। श्रृंखला शुरू होने से पहले मैंने कहा था कि माहौल तैयार करने की जिम्मेदारी आप लोगों की है। अब वनडे और टेस्ट खिलाड़ियों की जिम्मेदारी है कि वे वहीं से आगे बढ़ें जहां पर आप लोगों ने छोड़ा है।

श्रीलंका सीरीज के लिए फिटनेस बनाए रखने कहा

भारत और न्यूजीलैंड के बीच चार नवंबर से पांच मैचों की वनडे सीरीज खेली जाएगी, जबकि दो मैच की टेस्ट सीरीज 19 नवंबर से शुरू होगी। गंभीर ने टी20 खिलाड़ियों से दिसंबर में श्रीलंका के खिलाफ घरेलू सीरीज के लिए अपनी फिटनेस बनाए रखने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, यह सुनिश्चित करना होगा कि हम लगातार सुधार करते रहें। ऐसा करना सबसे महत्वपूर्ण है। हम जानते हैं कि हम पर्याप्त टी20 क्रिकेट नहीं खेलते हैं। अब हमें एक महीने का ब्रेक मिला है, इसलिए आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि आपकी फिटनेस बनी रहे और आप आगे के मैचों के लिए तैयार रहें। हम एक टीम के रूप में लगातार आगे बढ़ रहे हैं। हम एक टीम के रूप में सोच रहे हैं और एक टीम के रूप में खेल रहे हैं।

राइजिंग स्टार्स एशिया कप: भारत ए टीम की घोषणा, रिंकू-वैभव और हर्षित को मिला मौका



एजेंसी, नई दिल्ली।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोमवार को कतर की राजधानी दोहा में होने वाले एसीसी मेंस राइजिंग स्टार्स एशिया कप के लिए 15 सदस्यीय भारत ए टीम की घोषणा कर दी। टीम में भारतीय ओपनर अभिषेक शर्मा और युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को जगह मिली है। तिलक वर्मा को टीम की कमान सौंपी गई है, जबकि राजत पाटीदार उपकप्तान की जिम्मेदारी निभाएंगे। राइजिंग स्टार्स एशिया कप का आयोजन 19 से 29 नवंबर तक होगा। इस टूर्नामेंट में इंडिया ए की टीम मजबूत खिलाड़ियों के साथ उतरेगी। टीम में विकेटकीपर बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह और कुमार कुशाग्र के अलावा रिंकू सिंह, सूर्यांश शेडगे और शाहबाज अहमद को भी शामिल किया गया है।

ऑलराउंडर्स और तेज गेंदबाजों को भी मिली जगह

टीम में ऑलराउंडर विपराज निगम, हर्ष दुबे और तनुष कोटियान को भी मौका दिया गया है। वहीं, तेज गेंदबाजी की जिम्मेदारी हर्षित राणा, प्रिंस यादव और अर्शद खान संभालेंगे।

पाकिस्तान ए के साथ ग्रुप बी में भारत

टूर्नामेंट में आठ टीमों को दो ग्रुप में बांटा गया है। इंडिया ए को ग्रुप बी में पाकिस्तान ए, नेपाल और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के साथ रखा गया है। वहीं, ग्रुप ए में बांग्लादेश ए, श्रीलंका ए, अफगानिस्तान ए और हांगकांग, चीन की टीमें शामिल हैं। इंडिया ए अपने अभियान की शुरूआत 20 नवंबर को नेपाल के खिलाफ करेगी। इसके बाद 22 नवंबर को उसका मुकाबला चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान ए से होगा। भारतीय टीम ग्रुप चरण का अपना आखिरी मैच 24 नवंबर को यूएई के खिलाफ खेलेगी।

26 और 27 नवंबर को होंगे सेमीफाइनल

भारत के तीनों ग्रुप मुकाबले दोहा में खेले जाएंगे। शुरूआती दो मैच वेस्ट एंड पार्क इंटरनेशनल स्टेडियम में होंगे, जबकि यूएई के खिलाफ मुकाबला यूनिवर्सिटी ऑफ दोहा फॉर साइंस एंड टेक्नोलॉजी में खेला जाएगा। दोनों ग्रुप से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में जगह बनाएंगी। सेमीफाइनल मुकाबले 26 और 27 नवंबर को खेले जाएंगे, जबकि टूर्नामेंट का फाइनल 29 नवंबर को होगा।

अरहान खान के पोस्ट पर मां मलाइका ने सलमान खान के अंदाज में किया कमेंट



बॉलीवुड में स्टार किड्स की जिंदगी अक्सर लोगों के बीच चर्चा का विषय रहती है। कभी उनके कपड़े और हेयरस्टाइल सुर्खियां बटोरते हैं तो कभी सोशल मीडिया पर शेयर की गई उनकी छोटी-छोटी झलकियां फैंस का ध्यान खींच लेती हैं। हालांकि, कुछ स्टार किड्स ऐसे भी हैं, जो लाइमलाइट से थोड़ी दूरी बनाकर अपनी अलग पहचान बनाने में जुटे हैं। इसी बीच मलाइका अरोड़ा और अरबाज खान के बेटे अरहान खान अपनी एक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर चर्चा में हैं।

अरहान ने हाल ही में अपने ग्रूमिंग सेशन की कुछ तस्वीरें और वीडियो शेयर किए हैं। इनमें वह सैलून में बैठकर आइब्रो की थ्रेडिंग कराते नजर आ रहे हैं। उनकी इस पोस्ट पर मां मलाइका ने मजेदार रिएक्शन दिया।

दरअसल, अरहान खान ने सोशल मीडिया पर तस्वीरों और वीडियो का एक फोटो डंप शेयर किया। इसमें उनकी रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ी कई झलकियां देखने को मिलीं। पोस्ट की एक तस्वीर में अरहान सैलून की कुर्सी पर आराम से लेटे हुए नजर आ रहे हैं। इस दौरान एक सैलून प्रोफेशनल धागे की मदद से उनकी आइब्रो को शेप देता दिखाई दे रहा है।

अरहान की इस पोस्ट पर उनकी मां मलाइका अरोड़ा ने भी कमेंट किया। मलाइका ने बेटे की तस्वीर पर अभिनेता सलमान खान के अंदाज में प्रतिक्रिया दी। उन्होंने लिखा, 'इट्स डन ब्रो' अरहान ने इस फोटो डंप में मां मलाइका की एक तस्वीर भी शामिल की है। इस तस्वीर में मलाइका पूरे स्वैग के साथ पोज देती नजर आ रही हैं। बेटे ने मां की इस तस्वीर पर लिखा, 'लास्ट पिक... एपिक'। इसके अलावा पोस्ट में अरहान की एक क्लोजअप सेल्फी भी है। इसमें वह लंबे, बिखरे हुए बालों और मूंछों में दिखाई दे रहे हैं। उनके इस लुक की भी झलक देखने को मिली।

बता दें कि अरहान खान अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा और अभिनेता-फिल्ममेकर अरबाज खान के बेटे हैं। मलाइका और अरबाज ने साल 1998 में शादी की थी। शादी के चार साल बाद 2002 में उनके घर बेटे अरहान का जन्म हुआ। दोनों ने कई साल तक साथ रहने के बाद 2016 में अलग होने का फैसला किया था। इसके बाद 2017 में उनका आधिकारिक तौर पर तलाक हो गया। हालांकि, अलग होने के बाद भी दोनों अपने बेटे अरहान के साथ कई मौकों पर नजर आते रहे हैं।

तू मिल जाए: 'किंग' का पहला गाना देख नेटिजंस को क्यों याद आया 'पठान' का 'बेशर्म रंग'?

साल 2026 शाहरुख खान के फैंस के लिए खास है। करीब तीन साल के अंतराल के बाद बादशाह बड़े परदे पर जो नजर आएंगे। फिल्म का नाम है- 'किंग'। शाहरुख के जन्मदिन के मौके पर फिल्म का पहला गाना 'तू मिल जाए' भी रिलीज हो गया है। इस गाने को अरिजीत सिंह और मधुबंती बागची ने गया है। वहीं, इसमें इंटरनेशनल आवाज का जादू भी है। दरअसल, एड शीरन ने गाने में इंग्लिश रैप लाइन्स गाई हैं। इस गाने पर शाहरुख के फैंस और सोशल मीडिया यूजर्स क्या कह रहे हैं?

क्रेजी हुए शाहरुख खान के फैंस

फिल्म 'किंग' का पहला गाना कल आधी रात को रिलीज किया। 02 नवंबर को सुबह दस बजे तक इसे 66 लाख से अधिक व्यूज मिल चुके हैं। शाहरुख खान के जन्मदिन पर यह गाना रिलीज हुआ है, मानों फैंस का दिन बन गया है। एक्टर के फैंस क्रेजी हो गए हैं। दीपिका पादुकोण के साथ उनकी केमिस्ट्री एक बार फिर पसंद की जा रही है।

क्यों याद आया 'बेशर्म रंग'?

वहीं, कुछ यूजर्स को इस गाने में भी दीपिका पादुकोण और शाहरुख खान की जोड़ी देखकर 'पठान' का 'बेशर्म रंग' गाना याद आ गया है। नेटिजंस कह रहे हैं कि 'तू मिल जाए' में कुछ नयापन नहीं दिख रहा है। एक यूजर ने लिखा है, 'गाने 'बेशर्म रंग' के बाद शाहरुख खान ने एक बार फिर भावनाएं आहत कर दी हैं'।

दीपिका की ऑरेंज ड्रेस ने फिर खींचा ध्यान

फिल्म 'पठान' के 'बेशर्म रंग' गाने में दीपिका पादुकोण की ऑरेंज कलर की ड्रेस पर नेटिजंस ने खूब ट्रोल किया था। दीपिका की आलोचना हुई थी। 'किंग' के 'तू मिल जाए' गाने में भी दीपिका एक जगह ऑरेंज ड्रेस पहने दिखी हैं। इस पर कुछ यूजर्स नाराजगी जाहिर कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा है, 'क्या ऑरेंज ड्रेस पर फिर ट्रोलिंग होगी'? कुछ यूजर्स ने इसे 'पठान' के 'अनरिलीज्ड सीन' कहा है।

'धुरंधर' से हुई तुलना

कुछ यूजर्स इस गाने की तुलना रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर' के 'गहरा हुआ' से कर रहे हैं। वे 'धुरंधर' के इस गाने को अधिक बेहतर बता रहे हैं।



क्या 'किंग' में नजर आएंगी करीना कपूर?

एक्टर शाहरुख खान अपना 61वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस मौके पर उनकी अगली फिल्म 'किंग' का पहला गाना भी रिलीज किया गया। इस बीच शाहरुख को विश करते हुए करीना कपूर ने भी फिल्म से जुड़ा एक खास नोट शेयर किया है।

करीना की पोस्ट ने खींचा फैंस का ध्यान

शाहरुख के जन्मदिन पर करीना ने एक खास पोस्ट शेयर करते हुए उन्हें विश किया। इस पोस्ट में उन्होंने एक फोटो शेयर की, जिसमें एक्टर्स की परछाई नजर आ रही है और वे डांस फ्लॉर पर नजर आ रहे हैं। इसी के साथ उन्होंने एक खास कैप्शन भी लिखा। करीना ने लिखा, 'हैप्पी बर्थडे किंग। आप हमेशा दिलों पर राज करते रहें। आओ साथ में डांस करते हैं। 24-12-26- इस पल का बेसब्री से इंतजार है।'

अब फैंस उनकी पोस्ट को शाहरुख की अगली फिल्म किंग से जोड़कर देख रहे हैं और ये कयास लगाए जा रहे हैं कि करीना इस फिल्म में नजर आ सकती हैं। हालांकि एक्ट्रेस और किंग की टीम की ओर से इस बात की कोई पुष्टि नहीं की गई है।

कब रिलीज होगी 'किंग'



फिल्म का निर्देशन सिद्धार्थ आनंद कर रहे हैं।

दिलचस्प बात यह है कि इस प्रोजेक्ट में शाहरुख खान अपनी बेटी सुहाना खान के साथ काम कर रहे हैं। यह सुहाना खान की बड़े पर्दे पर पहली फिल्म होगी।

फिल्म में दीपिका पादुकोण, अभिषेक बच्चन, अभय वर्मा, अनिल कपूर, जैकी श्रॉफ, अरशद वारसी, जयदीप अहलावत, राघव जुयाल और रानी मुखर्जी जैसे सितारे भी नजर आएंगे। फिल्म 'किंग' 24 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

संघ की पृष्ठभूमि, ब्राह्मण समाज में गहरी पकड़ रखते हैं संतोष कटारा!

सांगठनिक निष्ठा और जनसेवा का प्रतीक: आगरा दक्षिण विधानसभा सीट से चुनाव का बना सकते हैं मन

टीएनएफ टुडे, आगरा।

सियासी सिरमौर

आगरा की राजनीतिक जमीन पर जैसे-जैसे आगामी विधानसभा चुनाव दो हजार सत्ताईस की सरगर्मी बढ़ रही है, वैसे-वैसे भारतीय जनता पार्टी के भीतर टिकट के संभावित दावेदारों को लेकर चचाओं का बाजार गर्म हो गया है। इसी कड़ी में आगरा दक्षिण विधानसभा से भाजपा के टिकट के लिए पार्टी के निवर्तमान जिला महामंत्री और प्रख्यात उद्यमी-बिल्डर पंडित संतोष कटारा का नाम भी चचाओं में आया है।

बता दें कि संतोष कटारा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की राष्ट्रवादी पृष्ठभूमि और वर्ष 1994 से पार्टी के एक निष्ठावान व सक्रिय सिपाही के रूप में कार्य करते हुए पंडित संतोष कटारा ने पिछले तीन दशकों से संगठन के हर मोर्चे पर अपनी अटूट प्रतिबद्धता साबित की है।

छात्र जीवन में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़कर कश्मीर बचाओ आंदोलन और ऐतिहासिक श्रीराम जन्मभूमि मुक्ति आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाने वाले कटारा का सांगठनिक अनुभव बेजोड़ रहा है। उन्होंने वर्ष दो हजार बीस से लगातार दो कार्यकाल यानी भाजपा जिला आगरा के जिला महामंत्री का दायित्व अत्यंत कुशलता से संभाला है तथा इससे पहले जिला उपाध्यक्ष और जिला मीडिया संयोजक जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों का निर्वहन किया है।

चुनावी प्रबंधन के मामले में उनकी दक्षता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में उन्होंने आगरा ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में चुनाव संयोजक के रूप में शानदार कार्य करते हुए पार्टी प्रत्याशी की ऐतिहासिक बेबीरानी मौर्य की जीत सुनिश्चित की थी। इसके अलावा हाल ही में संपन्न आगरा खंड शिक्षक विधान परिषद चुनाव में जिला संयोजक की भूमिका निभाकर उन्होंने अपनी सांगठनिक पकड़ का लोहा मनवाया है। राजनीतिक सक्रियता के साथ-साथ सामाजिक और व्यावसायिक क्षेत्र में भी पंडित संतोष कटारा एक स्थापित और सम्मानित हस्ती रहे हैं। गणित विषय से एमएससी और बीएड की शिक्षा प्राप्त करने के बाद अध्यापन से अपने करियर की शुरूआत करने वाले कटारा आज निर्माण जगत के जाने-माने उद्यमी हैं और नालंदा बिल्डर्स एंड डेवलपर्स इंडिया लिमिटेड के चेयरमैन हैं तथा क्रेडाई उत्तर प्रदेश के ज्वाइंट सेक्रेटरी जैसे प्रतिष्ठित पदों पर आसीन रहे हैं।



ब्राह्मण समाज के एक अत्यंत प्रभावशाली और वर्चस्व धारी नेता के रूप में उनकी पैठ सर्वसमाज में है तथा वे उत्तर प्रदेश ब्राह्मण परिषद और ब्राह्मण महासभा के संरक्षक के रूप में समाज को एक नई दिशा दे रहे हैं। जनकपुरी महोत्सव 2026 के मुख्य संरक्षक और विभिन्न सामाजिक-धार्मिक संस्थाओं के जरिए जनता के बीच लगातार सक्रिय रहने वाले कटारा को उनके उत्कृष्ट उद्यमिता कार्यों के लिए भारत विभूषण सम्मान, बेस्ट बिल्डर अवॉर्ड और उद्यमी रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है।

आगरा दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के समीकरणों और जनता की नब्ज को यदि टटोला जाए तो एक साफ-सुथरी छवि, मजबूत विजन और दशकों के संघ-संगठन के संस्कार वाले नेता के रूप में पंडित संतोष कटारा का पलड़ा सबसे भारी नजर आता है। यदि भारतीय जनता पार्टी इस बार दक्षिण सीट पर सांगठनिक निष्ठा, जनसमर्थन और जिताऊ समीकरण को प्राथमिकता देती है, तो पंडित संतोष कटारा इस रेस में सबसे आगे और सबसे सशक्त विकल्प के रूप में दिखाई देते हैं।

नोट- सयासी सिरमौर कॉलम में हम उन व्यक्तित्वों की कहानी प्रकाशित करते हैं जिनके पास 10 सालों का सक्रिय राजनीतिक अनुभव है और संगठन के प्रति अटूट निष्ठा है। अगर आप भी खुद को मानते हैं सियासी सिरमौर, तो अपनी कहानी हमें हमारे व्हाट्सएप नबंर 9412359817 पर भेजें।